हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 25.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 328 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

ईरान ने खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मोदी को भेजा निमंत्रण

नयी दिल्ली : ईरान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के जुलाई के पहले हफ़्ते में होने वाले अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा है। सूत्रों के अनुसार श्री मोदी को यह निमंत्रण ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान की ओर से भेजा गया है। सूत्रों ने कहा, ईरान के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा है। हालांकि यहां सरकार की ओर से अभी तक इस निमंत्रण की पुष्टि नहीं की गयी है। ईरान के सर्वोच्च नेता रहे खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्म चार जुलाई को शुरू होगी और नौ जुलाई को पूर्वोत्तर ईरान के पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाए जाने के साथ संपन्न होगी। मशहद उनका गृहनगर भी था।

अमृतसर जाने वाली फ्लाइट पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में पहुंची यात्री हुए परेशान

नयी दिल्ली : दिल्ली से अमृतसर जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-479 तकनीकी खराबी के भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में पहुंच गई। घटना सोमवार रात की है। पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी के बाद विमान ने यू-टर्न लिया और भारतीय हवाई क्षेत्र में वापस लौट आया। वहीं, अमृतसर में नाम लैंडिंग की अनुमति नहीं मिलने के कारण फ्लाइट को वापसी दिल्ली लौटना पड़ा जिसके चलते यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। अभी तक इसपर अधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि तकनीकी खराबी के चलते विमान अपने तय मार्ग से भटक गया था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक एयरबस ए321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 07 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खामी आने से विमान अपने निर्धारित रूट से भटक गया। हालांकि समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया और विमान को वापस मोड़ दिया गया।

शिवसेना उद्धव गुट के नेता लोकसभा अध्यक्ष से मिले

नयी दिल्ली : शिवसेना (यूबीटी) के लोकसभा सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद भवन में मुलाकात की। उन्होंने अध्यक्ष के समक्ष पार्टी से अलग हुए सांसदों के संबंध में अपना पक्ष रखा और अनुरोध किया कि अध्यक्ष उनकी ओर से प्राप्त जानकारी शिवसेना (यूबीटी) से साझा करें। संसद भवन में अध्यक्ष बिरला से मुलाकात के बाद अरविंद सावंत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के छह सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। अनिल देसाई और उन्होंने 18 जून को को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और मामले में एक अनुरोध प्रस्तुत किया। इसमें हमने अनुरोध करते हुए कहा था कि यदि कोई व्यक्ति या सांसद व्यक्तिगत रूप से या समूह में आपके पास आकर पार्टी छोड़ने की इच्छा व्यक्त करता है, तो आपको संविधान की रक्षा करनी चाहिए।

हेमन्त सोरेन ने 262 नव-चयनित अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना लक्ष्य : मुख्यमंत्री

- स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु नवाचार, दक्षता और सुदृढ़ व्यवस्था आवश्यक
- स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध, आगे भी होंगी व्यापक स्तर पर नियुक्तियां और संरचनात्मक सुधार।
- आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल
- स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध
- नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने का संदेश
- विकास को गति देने हेतु बड़े पैमाने पर नियुक्तियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नव-चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुल 262 अभ्यर्थियों को औपचारिक रूप से नियुक्ति प्रदान की। इनमें झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची द्वारा नव-चयनित 56 खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अंतर्गत संविदा आधारित 151 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, 29 वरिष्ठ अस्पताल प्रबंधक तथा 26 वित्त प्रबंधक शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए सभी क्षेत्रों में पर्याप्त मानवबल आवश्यक है, और इसी दिशा में सरकार बड़े पैमाने पर नियुक्तियां कर रही है। मुख्यमंत्री ने नव-नियुक्त अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठा और ईमानदारी के साथ करते हुए आम जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य क्षेत्र में मानवबल को और मजबूत करने की आवश्यकता है, जिसे ध्यान में रखते हुए आने वाले समय में भी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जाएंगी। उनका कहना था कि सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी विकसित राज्य की आधारशिला होती है और सरकार इस दिशा में ठोस एवं प्रभावी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आम नागरिकों को समय पर, सुलभ और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

नव-नियुक्त पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करें, ताकि आम जनता को बेहतर और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें तथा राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाना है ताकि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण इलाज समय पर मिल सके।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, विशेष सचिव, नेहा अरोड़ा, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, शशि प्रकाश झा, संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं सैकड़ों नव-नियुक्त अभ्यर्थी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने की जीआईएस आधारित शहरी प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा, कहा-

सभी कार्य ससमय पूर्ण किए जाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत JUIDCO द्वारा संचालित जीआईएस आधारित शहरी प्रबंधन प्रणाली परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। यह परियोजना राज्य के 49 शहरी स्थानीय निकायों में आधुनिक, पारदर्शी और डेटा-आधारित शहरी प्रशासन विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि इस परियोजना के तहत पायलट चरण में रांची, धनबाद और गिरिडीह नगर निगमों का चयन किया गया है। इन तीनों नगर निगम क्षेत्रों में हवाई LiDAR सर्वेक्षण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जबकि डिजिटल मैपिंग, जीआईएस लेयर निर्माण और डेटा प्रोसेसिंग का कार्य तेजी से जारी है। परियोजना के अंतर्गत जियो-टैगिंग आधारित संपत्ति सर्वेक्षण, शहरी परिसंपत्तियों की विस्तृत मैपिंग, जल निकायों की निगरानी तथा जीआईएस आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से भवनों, सड़कों, स्ट्रीट लाइट, विद्युत पोल, जल स्रोतों सहित सभी शहरी परिसंपत्तियों का सटीक डिजिटल अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह पहल शहरी नियोजन को वैज्ञानिक आधार प्रदान करेगी और नगर निकायों की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाएगी। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व सुदृढ़ीकरण, परिसंपत्ति प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए जीआईएस प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। साथ ही निर्देश दिया कि पायलट परियोजना के अनुभवों का व्यापक विश्लेषण कर इसे राज्य के अन्य नगर निकायों में चरणबद्ध तरीके से लागू करने की कार्ययोजना तैयार की जाए।

इस समीक्षा बैठक में नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, पथ निर्माण विभाग एवं नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार, SUDA निदेशक सूरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढही, 4 मजदूरों की मौत, 18 को बचाया गया

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता के तारातला इलाके में ब्रेस ब्रिज के पास निमार्णाधीन गोदाम की छत ढहने से बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को तीन मंजिला निमार्णाधीन चाय गोदाम की तीसरी मंजिल की छत की ढलाई के दौरान अचानक ढांचा भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे में 4 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि अब तक 18 घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

घटना के बाद सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, कोलकाता पुलिस, अग्निशमन विभाग और कोलकाता नगर निगम की संयुक्त टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। मलबे में फंसे सभी श्रमिकों को जल्द बाहर निकालने के लिए गैस कटर, क्रेन, एंबुलेंस और अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों की मदद ली जा रही है। घटनास्थल से दबे हुए मजदूरों की आवाजें सुनाई देने की भी सूचना है। बचावकर्मी बाहर से उनके नाम पुकारकर उनकी स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बंदरगाह की जमीन पर उक्त चाय गोदाम का निर्माण किया जा रहा था। छत ढहने के समय बड़ी संख्या में मजदूर वहां कार्यरत थे। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने 30 से अधिक मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका जताई है, हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पाकिस्तान में सीटीडी ने मार गिराए टीटीपी के 6 आतंकी

खैबर पख्तूनख्वा : पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के अशांत इलाके खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। प्रांत के लोअर दिर जिले में आतंकवाद निरोधी विभाग और स्थानीय जिला पुलिस ने एक संयुक्त और खुफिया ऑपरेशन चलाकर प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 6 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया है। मारे गए ये सभी आतंकी हाल ही में एक पुलिस चौकी पर हुए कायरतापूर्ण हमले और एक पुलिस कॉन्स्टेबल की हत्या के मामले में वॉन्टेड थे। यह अभियान प्रांत के लोअर दिर ज़िले में आतंकवाद निरोधी विभाग ने चलाया था। सीटीडी के अनुसार इस अभियान में मारे गए आतंकवादी हाल ही में एक पुलिस चौकी पर हुए हमले और एक पुलिस कांस्टेबल की मौत के मामले में शामिल थे।

रूस पर यूक्रेन का बड़ा हमला, गैस प्लांट और सैन्य सैटेलाइट केंद्रों को बनाया निशाना

एजेंसी

नयी दिल्ली : रूस-यूक्रेन युद्ध के पांचवें वर्ष में यूक्रेन ने रूस में भीतर तक हमला करते हुए एक बड़े नैचुरल गैस प्रोसेसिंग प्लांट और दो महत्वपूर्ण सैटेलाइट संचार केंद्रों को निशाना बनाया है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बुधवार को दावा किया कि रातभर चले इस ऑपरेशन में रूस के ऊर्जा और सैन्य ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया गया।

यह हमला यूक्रेन के उस हवाई अभियान का हिस्सा है जिसके तहत वह रूस के ऊर्जा ठिकानों और सैन्य उद्योगों को निशाना बना रहा है। यूक्रेन अब पहले से कहीं अधिक दूरी तक मार करने वाले और आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेनी सेना के अनुसार, हमले का प्रमुख लक्ष्य रूस का

ओरेनबर्ग गैस प्रोसेसिंग प्लांट था। यह प्लांट दुनिया के सबसे बड़े गैस परिसरों में से एक माना जाता है और इसमें रूस का एकमात्र हीलियम उत्पादन प्लांट भी स्थित है। यूक्रेन का दावा है कि हमले के बाद परिसर में आग लग गई।

बता दें कि ओरेनबर्ग क्षेत्र यूक्रेन के मोर्चे से करीब 1,200 किलोमीटर दूर स्थित है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह प्लांट हीलियम और एथेन का उत्पादन करता है, जिनका उपयोग रॉकेट इंजन, मिसाइल गाइडेंस सिस्टम, ठोस रॉकेट ईंधन और बारूद निर्माण में किया जाता है।

यूक्रेन ने यह भी दावा किया कि रातभर के हमलों में रूस के दो अहम सैटेलाइट संचार केंद्रों को निशाना बनाया गया। इनमें मॉस्को के पास स्थित डुबना स्पेस कम्युनिकेशन सेंटर और व्लादिमीर क्षेत्र का एक अन्य संचार केंद्र शामिल है।

मुख्यमंत्री ने की पहल : राज्य के वरिष्ठ, गंभीर रूप से बीमार एवं दिव्यांग कलाकारों को ₹4,000 प्रतिमाह पेंशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की संवेदनशील पहल एवं मार्गदर्शन में झारखंड सरकार ने राज्य के वरिष्ठ, गंभीर रूप से बीमार एवं स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकारों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 'मासिक निवृत्तिका (कलाकार पेंशन) योजना' को स्वीकृति प्रदान की है।

पात्र कलाकारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। चयनित कलाकारों को ₹4,000 प्रतिमाह सम्मान राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से उनके आधार-संबद्ध बैंक खातों में प्रदान की जाएगी। कला-संस्कृति विभाग के निदेशक आसिफ एकराम ने बताया कि यह योजना उम्र, गंभीर बीमारी अथवा स्थायी दिव्यांगता के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे कलाकारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल कलाकारों के जीवनपर्यंत योगदान के प्रति राज्य सरकार के सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। आवेदन प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी रखी गई है, जिससे पात्र कलाकारों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

योजना की प्रमुख विशेषताएं	निम्न श्रेणियों के कलाकार आवेदन कर सकते हैं:
पात्र कलाकारों को ₹4,000 प्रतिमाह आर्थिक सहायता। राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी। योजना का उद्देश्य केवल वित्तीय सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि कलाकारों के योगदान का सम्मान करना भी है।	झारखंड के मूल निवासी कलाकार। संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोककला, चित्रकला, मूर्तिकला तथा अन्य सांस्कृतिक विधाओं से जुड़े कलाकार। आवेदन की अंतिम तिथि : 31 जुलाई 2026

- मासिक निवृत्तिका (कलाकार पेंशन) योजना के तहत मिलेगी पेंशन आधारित शहरी प्रबंधन प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की, पारदर्शी एवं डेटा-आधारित शहरी प्रशासन पर दिया जोर
- यह योजना उम्र, गंभीर बीमारी अथवा स्थायी दिव्यांगता के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे कलाकारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा

आवेदन प्रक्रिया : योजना संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश एवं आवेदन प्रपत्र www.jharkhandculture.com पर उपलब्ध हैं। आवेदन प्रपत्र डाउनलोड कर आवश्यक दस्तावेजों सहित सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, रांची में जमा किया जा सकता है।

आवश्यक दस्तावेज

आवेदन प्रपत्र।
आयु प्रमाण-पत्र।
वार्षिक आय प्रमाण-पत्र।
निवास प्रमाण-पत्र।
आधार कार्ड की प्रति।
बैंक खाते का विवरण।
कला क्षेत्र में उपलब्धियों, सम्मान एवं पुरस्कारों के प्रमाण-पत्र।
गंभीर बीमारी अथवा दिव्यांगता की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत चिकित्सा/दिव्यांगता प्रमाण-पत्र।

मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई शहरों में भारी बारिश से जलभराव, कई जिलों में रेड एलर्ट

एजेंसी

मुंबई : मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई शहरों में बुधवार को तड़के से हो रही भारी बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार को मुंबई, पालघर जिलों में रेड एलर्ट घोषित किया है, जिससे इन जिलों में तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश से सड़कों पर हुए जलभराव से कामकाजी लोगों को भारी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

मुंबई शहर की महापौर रीतू तावड़े ने आज बताया कि मुंबई में कुल 207 मिलीमीटर(मिमी) बारिश दर्ज की गई है। इनमें मुंबई पश्चिम उपनगर में 195 और मुंबई पूर्व उपनगर में 168 मिमी बारिश दर्ज हुई है। इससे मुंबई कई इलाके जलमग्र हैं, सभी जगह पंपिंग के सहयोग से जल निकासी का काम जारी है। महापौर ने बताया कि सायन, किंगसर्कल, दादर, लालबाग, अंधेरी सब वे, सांताक्रुज सबवे सहित कई इलाके अभी भी जलमग्र हैं, जबकि सायन के गांधी नगर में जल निकासी कर दी गई है। महापौर ने यह भी कहा कि कम समय में ज्यादा बारिश की वजह से जलभराव की समस्या सामने आई है, इससे निपटने का प्रयास निकट भविष्य में किया जाएगा।

एक नजर

गुरु चट्टी के राम जानकी मंदिर में चोरी, शीशा तोड़कर दान पेटी से नकदी ले उड़े चोर

बड़कागांव : बड़कागांव के गुरुचट्टी स्थित राम जानकी मंदिर में बीती रात चोरों ने चोरी की एक बड़ी घटना को अंजाम दिया। चोरों ने मंदिर के अंदर लगे शीशे को तोड़कर दान पेटी से नकदी गायब कर दी। घटना की पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का खुलासा तब हुआ जब बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे मंदिर के पुजारी चिंतामणि महतो हमेशा की तरह साफ-सफाई और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुँचे। पुजारी ने देखा कि मंदिर के अंदर की खिड़की का शीशा टूटा हुआ है और दान पेटी से पैसे गायब हैं। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों और मंदिर समिति के सदस्यों को दी। मामले को लेकर पुजारी चिंतामणि महतो ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद जब मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, तो मंगलवार की रात को एक संदिग्ध व्यक्ति मंदिर के भीतर दाखिल होता हुआ दिखाई दिया। फुटेज में चोर साफ तौर पर दान पेटी का शीशा तोड़कर पैसे निकालते हुए और चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए कैद हुआ है। घटना को लेकर मंदिर के पुजारी चिंतामणि महतो द्वारा बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह को एक लिखित आवेदन देकर मामले की शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने आवेदन स्वीकार कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

अवैध देशी शराब पर पुलिस प्रशासन का चला डंडा, कई भट्टी और शराब किए गए नष्ट

पदमा : हजारीबाग के पदमा प्रखंड में चल रहे अवैध देशी शराब भट्टी पर चला पुलिस का डंडा । प्राप्त जानकारी के अनुसार पदमा थाना ओ पी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रोमी पंचायत, बिहारी पंचायत और सुरजपूरा पंचायत के महकोल गांव , बिहारी गांव और सलगी गांव में चल रहे अवैध देशी शराब की भट्टी को पदमा पुलिस प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया गया। तकरीबन 5-6 ड्रम जावा, 10 गिलन महुआ शराब को भी नेस्तनाबूद किया गया है।

विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान, छात्रों को नशे के दुष्परिणामों से कराया अवगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देशानुसार झारखंड सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत बुधवार को पेलावल ओपी क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पबरा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पेलावल ओपी प्रभारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मियों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों, उससे संबंधित कानूनों तथा विभिन्न सामाजिक और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओपी प्रभारी ने कहा कि नशा आज समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। विशेष रूप से किशोर एवं युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है, जिससे उनका शैक्षणिक जीवन, स्वास्थ्य तथा भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर बना देता है और कई बार इसकी वजह से युवा अपराध की राह पर भी चल पड़ते हैं। इसलिए नशे के खिलाफ समाज के सभी वर्गों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। छात्र-छात्राओं को बताया गया कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, भंडारण और सेवन के मामलों में कानून के तहत कठोर दंड का प्रावधान है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की भी सलाह दी गई। इस दौरान डायल-112 आपातकालीन सेवा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि दुर्घटना, अपराध, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा अथवा किसी भी आपात स्थिति में नागरिक तत्काल इस सेवा का उपयोग कर पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा ओटीपी साझा करने से होने वाले नुकसान के संबंध में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ होने वाले अपराधों, बाल अधिकारों तथा सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की प्रताड़ना, शोषण अथवा अनुचित व्यवहार की स्थिति में बिना भय के अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस द्वारा विद्यालयों में चलाए जा रहे ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को जागरूक, जिम्मेदार एवं कानून के प्रति सजग नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रांची में अधिकारियों से मिले सांसद, सड़क एवं पेयजल योजनाओं में तेजी लाने की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने दिल्ली के संसद भवन परिसर में आयोजित लोकसभा की प्राक्कलन समिति की बैठक से लौटने के बाद बुधवार को रांची में झारखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सड़क निर्माण एवं पेयजल आपूर्ति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। सांसद मनीष जायसवाल ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से भेंट कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की कई लंबित सड़क परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने एनएच-33 हजारीबाग-चतरा पथ से हजारीबाग-बगोदर पथ (बाईपास फेज-2) निर्माण प्रस्ताव पर शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की। साथ ही रामगढ़ के पटेल चौक से बोंगाबार तक लगभग 10 किलोमीटर सड़क को फोरलेन बनाने के प्रस्ताव को सीआरआईएफ योजना के तहत केंद्र सरकार को अनुशंसित करने का आग्रह किया। इसके अलावा नया मोड़ चौक से गिद्दी दामोदर पुल (हीरक रोड) तक जर्जर सड़क की मरम्मत तथा रामगढ़ जिले के कोठार चौक से गोला तक सड़क को फोरलेन में विकसित करने की आवश्यकता पर भी उन्होंने विशेष वार्ता की। इसी क्रम में सांसद मनीष जायसवाल ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबू इमरान से मुलाकात कर बरही-चौपारण जलापूर्ति योजना को शीघ्र शुरू कराने की मांग रखी। उन्होंने हजारीबाग एवं रामगढ़ जिलों में जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए कहा कि कई गांवों में अब तक नल कनेक्शन नहीं पहुंचे हैं, जबकि अनेक स्थानों पर नियमित जलापूर्ति भी नहीं हो रही है।

सड़क मरम्मती या खानापूर्ति, गड्ढों में मलबा भरने के तरीके पर उठे गंभीर सवाल

प्रत्यूष नवबिहार (रवींद्र राणा)

हजारीबाग : शहर की जर्जर और गड्ढों में तब्दील हो चुकी सड़कों की बदहाली को लेकर लगातार उठ रही आवाजों और मीडिया में प्रकाशित खबरों के बाद संबंधित विभाग सक्रिय तो हुआ है, लेकिन अब सड़क मरम्मत की प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में आ गई है। एनएच-522 के जिला मोड़ से इंद्रपुरी चौक तक तथा आनंदा चौक से पानी टंकी रोड तक सड़क के गहरे गड्ढों को भरने का कार्य इन दिनों युद्धस्तर पर किया जा रहा है। हालांकि, मौके पर किए जा रहे कार्य को देखकर स्थानीय लोगों ने इसकी गुणवत्ता और स्थायित्व पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सड़क मरम्मत के नाम पर गड्ढों में डामर, गिट्टी और अन्य मानक निर्माण सामग्री की जगह निर्माण कार्यों से निकला मलबा, टूटी हुई ईंटें, सीमेंट के टुकड़े तथा अन्य वेस्ट मटेरियल डाला जा रहा है। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण और मरम्मत के लिए निर्धारित तकनीकी मानकों की अनदेखी कर केवल गड्ढों को भरने की औपचारिकता निभाई जा रही है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार जब इस कार्य में लगे वाहन चालक से सामग्री के संबंध में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह कार्य नगर निगम के निदेशानुसार किया जा रहा है।

बरसात में फिर उभर सकती है समस्या

शहरवासियों का मानना है कि वर्तमान समय में मानसून का मौसम चल रहा है और लगातार हो रही बारिश के कारण सड़कों पर दबाव भी बढ़ गया है। ऐसे में यदि गड्ढों को मानक सामग्री की बजाय मलबे से भरा जाएगा तो यह मरम्मत अधिक दिनों तक टिक नहीं पाएगी। लोगों को आशंका है कि कुछ ही दिनों में यह भराई धंस जाएगी और सड़कें पुनः गड्ढों में तब्दील हो जाएंगी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पहले से ही खराब सड़कों के कारण वाहन चालकों, स्कूली बच्चों, मरीजों और आम राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। ऐसे में लोगों को उम्मीद थी कि विभाग स्थायी और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत करेगा, लेकिन वर्तमान कार्यशैली देखकर उनकी उम्मीदें धूमिल होती नजर आ रही हैं।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने मनाया मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती जी का 61वां स्मृति दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : ब्रह्माकुमारीज राजयोग मेडिटेशन सेवाकेंद्र ,पटना रोड़ ,धोबी मोहल्ला,बरही द्वारा बुधवार को संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की 61वीं पुण्य स्मृति दिवस आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। बीके रामदेव ने मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती ने जीवनी से अवगत कराया। बरही सेवाकेंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी रीना बहन ने कहा कि मातेश्वरी जगदम्बा जी का जन्म 1919 में अमृतसर में एक सामान्य परिवार में हुआ था। उनके बचपन का नाम 'ओम राधे' था। जब मातेश्वरी जी 'ओम' की ध्वनि का उच्चारण करती थीं, तो पूरे वातावरण में गहरा शांति छा जाती थी। इसलिए वे 'ओम राधे' के नाम से लोकप्रिय हुईं। मातेश्वरी जी ने 24 जून, 1965 को अपने नश्वर देह का त्याग करके सम्पूर्णता को प्राप्त किया था। इस दिवस को ब्रह्माकुमारी संस्थान के देश-विदेश के भाई-बहन 'आध्यात्मिक ज्ञान दिवस' के रूप में मनाते हैं। यह मातेश्वरी जी का 61वां पुण्य स्मृति दिवस है। मातेश्वरी जगदम्बा जी का जन्म अविभाजित भारत के सिंध, हैदराबाद में हुआ था। मातेश्वरी जगदम्बा जी का व्यक्तित्व समस्त नारी जाति के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है ब्रह्माकुमारी रोशनी बहन ने कहा कि मातेश्वरी जी ने अपने त्याग, तपस्या और सेवा से समस्त मानव समुदाय को जीवनमुक्ति की राह दिखाई तथा नारियों को अध्यात्म के पथ पर चलते हुए समाज की सेवा करने के लिए प्रेरणा प्रदान की। मनमोहिनी दीदी जी, दादी प्रकाशमणि जी, दादी जानकी जी, दादी हृदय मोहिनी जी इत्यादि बहनों ने मातेश्वरी जगदम्बा जी के सान्निध्य में रहकर मानवता की सेवा का पाठ सीखा। इन महान आत्माओं ने भारतीय संस्कृति, सभ्यता एवं मानवीय मूल्यों के आध्यात्मिक शिक्षा को विश्व के 140 देशों में पहुंचाया। मातेश्वरी जगदम्बा जी आधुनिक युग की वैदिक देवी थीं। उन्हें ईश्वरीय ज्ञान, गुण और शक्तियों को धारण करके लोगों को अनुभव कराने का दिव्य वरदान प्राप्त था। उनके दिखाये गये मार्ग पर चलते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था विश्व सेवा का जो महान कार्य कर रही है, यह मातेश्वरी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

हजारीबाग जिला प्रशासन की टूटी नींद अस्पताल केंद्र में पेयजल की हुई व्यवस्था

प्रत्यूष नवबिहार (मिथुन मेहता)

पदमा : पदमा प्रखंड के चम्पाडीह बगीचा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले कई महीनों से पानी की बूंद-बूंद के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई थी। अस्पताल आने वाले मरीज और उनके परिजनों को इलाज तो दूर, अपनी प्यास बुझाने के लिए भी भारी जद्दोजहद करनी पड़ रही थी। विडंबना देखिए कि स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं थी और लोग भीषण गर्मी व बीमारी की हालत में आस-पास के घरों और दुकानों से पानी मांग-मांग कर अपनी प्यास बुझा रहे थे। सरकारी महकमे की यह संवेदनहीनता और लापरवाही चरम पर थी। जहां सरकारी व्यवस्था में लापरवाही उजागर साफ दिखीं। जब इस खबर को प्रमुखता से प्रत्यूष नवबिहार दैनिक में प्रकाशित हुआ तो हजारीबाग जिला प्रशासन की तुरंत नींद टुटी और आनन-फानन में त्वरित कार्रवाई करते हुए चापानल का मरम्मत कराया गया और इसे चालू कराया गया। स्थानीय ग्रामीण, मरीजों और उनके परिजनों ने आभार व्यक्त कहते हुए कहा कि अगर यह समस्या अखबार में प्रकाशित नहीं होता तो प्रशासनिक लोगों सोते नजर आते। साथ ही सरकारी बाबूओं को आभार व्यक्त करते हुआ भी कहा कि आम लोगों के समस्या और जो व्यवस्थाओं में कमी है जो इस क्षेत्र में है उस भी त्वरित कार्रवाई करें ताकि आम आदमी को बेहतर और उत्तीर्ण सेवा प्रदान हो सकें और राहत मिले।

मुहर्रम को लेकर पेलावल थाना परिसर व कल्लू चौक में पूर्वाभ्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को लोहसिंघना थाना क्षेत्र के संवेदनशील माने जाने वाले कल्लू चौक में व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल का नेतृत्व पेलावल थाना प्रभारी बिट्टू रजक एवं लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान पुलिस बल ने किसी भी संभावित दंगा, पथराव, आगजनी अथवा अन्य अप्रिय घटनाओं से निपटने की अपनी तैयारियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। मॉक ड्रिल के दौरान दंगा नियंत्रण दस्ता, सशस्त्र पुलिस बल तथा अन्य सुरक्षा इकाइयों के जवान पूरी सुरक्षा सामग्री एवं उपकरणों के साथ मौके पर मौजूद रहे। अभ्यास के तहत ऐसी काल्पनिक स्थिति तैयार की गई, जिसमें असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने, भीड़ को उग्र बनाने तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। इसके बाद पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हालात को नियंत्रित करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। जवानों ने भीड़ को नियंत्रित करने, संवेदनशील क्षेत्रों की घेराबंदी करने, उपद्रवियों को चिन्हित कर उन्हें काबू में लेने, घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने तथा राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने की पूरी प्रक्रिया का अभ्यास किया।

बड़कागांव तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों का जलवा, राष्ट्रीय आर्चरी चैंपियनशिप में जीते 18 पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : 16 से 22 जून 2026 तक आयोजित 4th RJK गोल्ड मेडल ओपन नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप 2026 गोविंदपुरी, हरिद्वार में बड़कागांव हजारीबाग तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 18 पदक जीते है। यह जानकारी देते हुए केंद्र के निदेशक सह प्रशिक्षक और विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र दुर्गेश कुमार ने बताया कि इसमें अंडर -10 से सीनियर तक के तीरंदाज शामिल हुए। अपने पूर्व छात्र की बड़ी उपलब्धि से प्रसन्न होकर भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष तथा समाज विज्ञान के पूर्व संकायाध्यक्ष डॉ कमला प्रसाद ने हजारीबाग लौटने पर दल का स्वागत किया डॉ कमला प्रसाद ने आगे बताया कि बालक वर्ग में अंडर -10 इण्डियन राउंड रैंकिंग राउंड में शिवम रंजन ने एक कास्य पदक और ओलंपिक राउंड में प्रशांत कुमार ने एक कास्य पदक जीता। अंडर -13 इण्डियन राउंड में अभिषेक कुमार ने एक स्वर्ण पदक एवं पियूष कुमार ने एक रजत पदक तथा सुजीत कुमार ने एक कांस्य पदक जीत। इसी प्रकार ओलंपिक राउंड में सौरव कुमार ने एक स्वर्ण पदक एवं सुजीत कुमार ने एक कांस्य पदक जीत। अंडर 15 इंडियन राउंड में एवं ओलंपिक राउंड में पीयूष कुमार ने एक-एक कांस्य पदक जीता। इसी प्रकार सीनियर बालक वर्ग इंडियन राउंड एवं ओलंपिक राउंड में पीयूष कुमार ने एक-एक रजत पदक जीत लिया। साथ ही बड़कागांव तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने सीनियर इंडियन राउंड रैंकिंग में एवं ओलंपिक राउंड में एक-एक कांस्य पदक जीता। बालिका वर्ग में अंडर 13 इण्डियन राउंड में सपना कुमारी ने एक कास्य पदक एवं ओलंपिक राउंड में एक कास्य पदक जीता। अंडर 15 में इंडियन राउंड रैंकिंग में प्रिया कुमारी ने एक स्वर्ण पदक एवं अराधना कुमारी ने एक कांस्य पदक जीता। वही ओलंपिक राउंड में प्रिया कुमारी ने एक कांस्य पदक जीता।

संक्षिप्त खबरें

प्रखंड मुख्यालय में बीएलए 2 का प्रशिक्षण दिया गया

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड सभागार में एसआईआर को लेकर के बीएलए 2 का अंचल अधिकारी मनोज कुमार के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। एसआईआर में जुड़ने के लिए 12 दस्तावेज के रूप में से किसी एक को देना पड़ेगा। जिसमें आधार कार्ड को विकल्प माना गया है । बताते चलें कि सभी बीएलओ को घर में जा जाकर मैपिंग करना है। जिन व्यक्ति का 2003 वोटर लिस्ट में नाम नहीं है, वैसे व्यक्ति को उसके माता-पिता एवं दादा दादी के माध्यम से वोटर लिस्ट का मैपिंग किया जाएगा। जिस महिला की शादी हुई है उस महिला को माता-पिता के माध्यम से वोटर लिस्ट में मैपिंग किया जाएगा। प्रशिक्षण का दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी और आजसू के बी एल ए प्रशिक्षण में भाग लिए मौके पर उपस्थित अंचल अधिकारी मनोज कुमार, शशि कुमार, नागेंद्र कुमार, संजय भुईंया, सफीउल्लाह अंसारी, सत्यदेव कुमार, शशि कुमार मेहता,शशि कुमार सिंह,अनुज कुमार ,अजय राम ,अवध किशोर कुमार ,प्रभु राणा,कृष्णदेव प्रजापति ,रेशमी टुडू, विनोद बेसरा इत्यादि लोग उपस्थित हुए।

अतिक्रमण के चपेट में बरही, हजारीबाग सर्विस रोड भी बदहाल

बरही : बरही में अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। मुख्य बाजारों, प्रमुख सड़कों और सर्विस रोड पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण बरहीवासियों को रोजाना जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन की और से समय - समय पर कार्रवाई के दावे किए जाते है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। नतीजन बरही की यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। बरही के धनबाद रोड में लगने वाली मुख्य बाजार, हजारीबाग सर्विस रोड एवं गोलंबर समेत अन्य व्यस्त सड़कों पर दुकानों के बाहर रखा सामान, अस्थायी ढांचे, ठेला एवं अवैध कब्जा सड़क की चौड़ाई को कम कर रहे है। इससे वाहनों और पैदल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। व्यापारिक गतिविधियों के चरम समय में स्थिति और भी खराब हो जाती है। दोपहिया वाहन, कारें, ऑटो और बड़े वाहन एक साथ फंस जाते है, जिससे कई बार लम्बा जाम लग जाता है। बरही हजारीबाग रोड में बनी सर्विस रोड भी भयंकर अतिक्रमण के चपेट में है। कई स्थानों पर दुकानदारों और अन्य लोगों ने सर्विस रोड के हिस्से पर कब्जा कर रखा है। सर्विस रोड का निर्माण यातायात को सुचारू बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन अतिक्रमण के कारण वाहन मुख्य सड़क पर आने को मजबूर है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ रहा है। बरहीवासियों के अनुसार बरही प्रशासन द्वारा समय - समय पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाये जाते है, लेकिन कार्रवाई कुछ दिनों तक ही प्रभावी रहती है। अभियान समाप्त होते ही फिर से सड़क किनारे कब्जे होने लगते है। बता दें कि बरही में रोजाना जाम लगना आम बात हो गई है। कई बार सौ मीटर की दूरी तय करने में 15 से 20 मिनट का समय लग जाता है।

अंग्रेजी ओलंपियाड में सृष्टि रानी को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

बरही: डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, बरही की छात्रा सृष्टि रानी ने अंग्रेजी ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा आठवीं की छात्रा सृष्टि रानी, पिता निर्मल प्रसाद, को अंग्रेजी ओलंपियाड परीक्षा में 83.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर डी.ए.वी. कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें दिसंबर 2025 में आयोजित अंग्रेजी ओलंपियाड परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने के लिए दिया गया। छात्रा की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने सृष्टि रानी को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सृष्टि की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह भविष्य में भी विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करती रहेगी। प्राचार्य ने सभी छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे इस प्रकार की शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। विद्यालय परिवार ने भी सृष्टि रानी की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से चोरी हुए मोबाइल बरामद, पुलिस ने मालिकों को लौटाया

बरही : बरही थाना पुलिस ने सीईआईआर (सीआईईआर) पोर्टल की सहायता से चोरी एवं गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। बुधवार को थाना परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मोबाइल धारकों को उनके मोबाइल वापस दिए गए। इस अवसर पर थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल मोबाइल चोरी एवं गुमशुदगी के मामलों में काफी प्रभावी साबित हो रहा है। पोर्टल के माध्यम से चोरी या खोए हुए मोबाइल की लोकेशन और उपयोग संबंधी जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस को बरामदगी में सहायता मिलती है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति का मोबाइल गुम या चोरी हो जाता है तो वह तुरंत अपने नजदीकी थाना में इसकी सूचना दें तथा सीईआईआर पोर्टल पर आवश्यक विवरण दर्ज कराएं। इससे मोबाइल का दुरुपयोग रोका जा सकता है और उसके बरामद होने की संभावना बढ़ जाती है। मोबाइल वापस मिलने पर लाभुकों ने बरही थाना पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। पुलिस ने कहा कि आगे भी सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी के लिए अभियान जारी रहेगा।

सभी मेडिकल कॉलेजों में होगी फर्जी प्रमाण पत्र की जांच, स्वास्थ्य मंत्री ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रिम्स में चल रही सीआईडी जांच को लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि जांच केवल रिम्स तक सीमित नहीं है। राज्य के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में भी इस मामले की जांच कराई जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यूजी और पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों में नामांकन के दौरान कुछ अभ्यर्थियों द्वारा फर्जी जाति प्रमाण पत्र और स्थायी निवासी प्रमाण पत्र जमा करने की शिकायतें सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

जांच को निष्पक्ष बनाने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। डॉ. अंसारी ने कहा कि कमेटी सभी पहलुओं की गहन जांच करेगी और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में मेडिकल सीट अलॉटमेंट और नामांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच अब तेज हो गई है। मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की टीम बुधवार को रिम्स पहुंची और डीन कार्यालय समेत विभिन्न विभागों में उपलब्ध दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच शुरू की। जांच एजेंसी नामांकन प्रक्रिया और टेंडर से जुड़े मामलों में हुई संभावित गड़बड़ियों की पड़ताल कर रही है।

सीआईडी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पिछले शैक्षणिक सत्र में हुए दाखिलों से संबंधित शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जांच के दौरान प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड, काउंसलिंग दस्तावेज, आवंटित सीटों का ब्यौरा तथा संबंधित प्रशासनिक फाइलों का अवलोकन किया जा रहा है। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों और दिशा-निदेर्शों का पालन किया गया था या नहीं।

दरअसल, पिछले शैक्षणिक सत्र में रिम्स में हुए कुछ दाखिले को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आई थीं। आरोप लगाया गया था कि नियमों की अनदेखी कर कुछ अयोग्य अभ्यर्थियों को दाखिला दिया गया। शिकायतों में प्रवेश प्रक्रिया में पक्षपात, दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया में लापरवाही तथा भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप भी शामिल बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक स्तर पर शिकायतों को गंभीर मानते हुए राज्य सरकार ने मामले की विस्तृत जांच सीआईडी को सौंप दी थी।

बुधवार को रिम्स पहुंची जांच टीम ने डीन कार्यालय के अलावा प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अन्य विभागों से भी आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों से भी पूछताछ की तथा प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी हासिल की। जांच के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि सीट आवंटन और काउंसलिंग प्रक्रिया में कहीं नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ। उधर, सीआईडी अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई तय की जाएगी।

प्लस-2 में अपग्रेड होंगे झारखंड के 765 सरकारी स्कूल, हेमन्त सोरेन ने दी मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के 765 हाईस्कूल और मिडिल स्कूलों को +2 विद्यालय में अपग्रेड किया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे गांव, पंचायत, नगरपालिका और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से फायदा होगा। बताया गया है कि कई पंचायतों और प्रखंडों में प्लस 2 स्कूल नहीं होने से मैट्रिक के बाद कई बच्चे, खासतौर पर लड़कियां पढ़ाई छोड़ देती है। इसी ड्रॉपआउट को रोकने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है।

गौरतलब है कि अभी झारखंड में कुल 801 सरकारी प्लस-टू स्कूल हैं, लेकिन अभी भी कई ऐसे इलाके हैं, जहां इसकी जरूरत थी। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। दरअसल, इस समय स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मातहत ही है। +2 स्कूल के अपग्रेडेशन के लिए स्कूलों के चयन के लिए जिला और राज्य-स्तरीय समिति का स्वरूप तय कर लिया गया है। सरकार ने जानकारी दी है कि इस योजना में सालाना करीब 1,109 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि नई शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित स्कूली शिक्षा व्यवस्था के ढांचे और सुझावों के मुताबिक वर्तमान की 10+2 की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की जगह 5+3+3+4 की व्यवस्था हो रही है। आचार्य, प्रधानाचार्य और शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति एवं सेवाशर्त नियमावली-2025 भी अधिसूचित हो गई है।

मुख्यमंत्री आवास घेराव मामले में आजसू नेताओं को झटका, रिवीजन याचिका खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री आवास घेराव मामले में आजसू के नेताओं को अदालत से बड़ा झटका लगा है। अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की अदालत ने पार्टी नेता देवशरण भगत और पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस की ओर से दायर क्रिमिनल रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया। दोनों नेताओं ने निचली अदालत द्वारा उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती दी थी, लेकिन अदालत ने उन्हें कोई राहत देने से इनकार कर दिया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन करने के बाद रिवीजन याचिका को निरस्त कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद

दोनों नेताओं के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही जारी रहेगी। मामले में देवशरण भगत और रामचंद्र सहिस के खिलाफ आरोप भी गठित किए जा चुके हैं। वर्तमान में इस प्रकरण की सुनवाई रांची स्थित एमपी-एमएलए मामलों की विशेष अदालत में चल रही है। अदालत के ताजा आदेश के बाद मुकदमे की सुनवाई अब पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि इस मामले में आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, पूर्व विधायक शिवपूजन मेहता तथा आजसू के प्रदेश प्रवक्ता देवशरण भगत समेत कई नेताओं को आरोपित बनाया गया है। इनके खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, बिना अनुमति रैली निकालने और विधि-व्यवस्था प्रभावित करने सहित विभिन्न आरोपों को लेकर लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। यह मामला वर्ष 2021 में आयोजित उस आंदोलन से जुड़ा है, जिसमें आजसू पार्टी ने अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की सीमा बढ़ाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम की घोषणा की थी।

अनगड़ा थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अनगड़ा थाना परिसर में आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी ने की, जिसमें प्रखंड प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, अखाड़ा समिति के सदस्य तथा विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में मुहर्रम जुलूस के रूट को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें चिलदाग से जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पेयजल एवं बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में विशेष रूप से नशा मुक्त वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी अखाड़ा समितियों से आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

इस अवसर पर अंचलाधिकारी राजू कमल, रविंद्र नाथ सिंह, अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव, डॉ. रिझू नायक, सुनील महतो, सकिचंद महतो, अब्दुल इमाम अंसारी, रामकृष्ण चौधरी, सिद्दीकी अंसारी, रामपदो महतो, गुड्डु अंसारी, सिकंदर अंसारी, मुमताज खान, आलम अंसारी, रब्बानी अंसारी, गाबेशर महतो, वीरेंद्र भगत, अजय भोगता, अजीज अंसारी, अमीरूल अंसारी, इम्तियाज अंसारी, परवेज अंसारी, शिबू मुंडा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बोकारो ट्रेजरी घोटाला : अदालत ने तीन आरोपियों की जमानत याचिका की खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बहुचर्चित बोकारो ट्रेजरी घोटाला मामले में सीआईडी की विशेष अदालत ने बुधवार को तीन आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने लेखा शाखा के एसएसआई अशोक भंडारी, गृह रक्षक सतीश कुमार और काजल मंडल को राहत देने से इनकार करते हुए उनकी जमानत अर्जी नामंजूर कर दी। इससे पूर्व अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

उल्लेखनीय है कि यह मामला बोकारो ट्रेजरी से लगभग 11 करोड़ रुपये की कथित अवैध निकासी से जुड़ा हुआ है। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब बोकारो एसपी कार्यालय की लेखा शाखा में वेतन मद से संदिग्ध भुगतान और अवैध निकासी के तथ्य सामने आए। बाद में महालेखाकार (एजी) की रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा होने पर राज्य के वित्त विभाग ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए थे।

प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों की पुष्टि होने के बाद बोकारो में प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए लेखा शाखा से जुड़े मुख्य आरोपित कौशल पांडेय को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ाते हुए मामले में संलिप्त अन्य आरोपितों की भी गिरफ्तारी की गई और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि अवैध निकासी का मामला केवल बोकारो तक सीमित नहीं था।

विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए, प्रवासी न लें भाग : के रवि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पात्र भारतीय नागरिकों का सत्यापन और पंजीकरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भारत में रह रहे विदेशी नागरिक अथवा दूसरे देशों की नागरिकता प्राप्त कर चुके प्रवासी इस प्रक्रिया में भाग न लें। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया त्रुटिरहित, पारदर्शी और समावेशी मतदाता सूची तैयार करने के लिए संचालित की जा रही है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बुधवार को संथाल परगना दौरे के दूसरे दिन

साहेबगंज जिले के सीमावर्ती प्रखंड बरहरवा स्थित प्लस-2 बरहरवा उच्च विद्यालय एवं सुदूरवर्ती आदिवासी बहुल प्रखंड सुंदर पहाड़ी में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट-2 (बीएलए-2) के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की सहभागिता और मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया की समीक्षा की।

रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के समय पांच श्रेणियों एब्सेंट (अनुपस्थित), शिफ्टेड (स्थानांतरित), डेथ (मृत), डुप्लीकेट (दोहरे पंजीकरण) और रिफ्यूज टू साइन (हस्ताक्षर से इनकार) के मतदाताओं को शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 'रिफ्यूज टू साइन' श्रेणी के अंतर्गत दो प्रकार के मामले आते हैं।

पहली श्रेणी में वे मतदाता शामिल हैं जो भारत की मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के बावजूद किसी अन्य देश में जाकर वहां की नागरिकता प्राप्त कर चुके हैं और उन्होंने भारतीय मतदाता सूची से अपना नाम नहीं हटवाया है। दूसरी श्रेणी में वे विदेशी नागरिक आते हैं जो कानूनी अथवा अवैध रूप से झारखंड में रह रहे हैं और जिन्होंने पूर्व में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) या मतदाता सूची के सतत अद्यतन के दौरान प्रपत्र-6 में झूठी घोषणा देकर अवैध रूप से मतदाता के रूप में पंजीकरण करा लिया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारतीय संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 तथा भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार विदेशी नागरिक भारत में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के पात्र नहीं हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के इस प्रावधान को देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है और स्पष्ट किया है कि विदेशी नागरिकों को मतदाता बनने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

एक नजर

नशे की जद से बाहर निकलें युवा पीढ़ी : सर्राफ

रांची : अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि आमजन खासकर युवा पीढ़ी नशे की जद से बाहर निकलें। हमें हर हाल में नशामुक्त समाज बनाना है। जिसमें सबों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से वर्ष 1987 से प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा नशामुक्त और सुरक्षित समाज के निर्माण को बढ़ावा देना है। सर्राफ ने कहा कि शराब, तंबाकू तथा अन्य मादक पदार्थों का बढ़ता सेवन सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या बनता जा रहा है। विशेषकर युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति चिंता का विषय है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति के लिए परिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्थाओं और सरकार को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। युवाओं में नैतिक मूल्यों और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। संजय सर्राफ ने कहा कि नशा किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि अनेक समस्याओं की जड़ है। उन्होंने लोगों से नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेने की अपील की।

कांटाटोली में चल रहे अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर को प्रशासन ने किया सील

रांची : जिला प्रशासन ने गुप्त सूचना के आधार पर रांची के कांटाटोली स्थित एक अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापेमारी कर बुधवार को उसे सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान अल्ट्रासाउंड मशीन सहित कई उपकरण और दस्तावेज जब्त किए गए। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत अवैध रूप से संचालित इस अल्ट्रासाउंड केंद्र के खिलाफ कार्रवाई की है। कांटाटोली चौक के निकट गैलेक्सी कॉम्प्लेक्स स्थित सिटी अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया गया। जिला प्रशासन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सिविल सर्जन डॉ प्रभात रंजन ने बताया कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत अनुमति के बिना अल्ट्रासाउंड केंद्र का संचालन अवैध है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि भ्रूण हत्या और लिंगानुपात असंतुलन को बढ़ावा देने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रशासन को सूचना मिली थी कि केंद्र के संचालक डॉ राजेश कुमार बिना आवश्यक पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन कर रहे हैं। इसके बाद गठित टीम ने केंद्र पर छापेमारी की। कार्रवाई का नेतृत्व अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने किया। इस दौरान मुख्य रूप अल्ट्रासाउंड मशीन, कंप्यूटर सेट, प्रिंटर, एएनसी रजिस्टर, बिल बुक सहित अन्य संबंधित दस्तावेज एवं उपकरण जब्त किए गए। केंद्र को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। छापेमारी टीम में नामित दंडाधिकारी, लोअर बाजार थाना पुलिस, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सिविल सर्जन कार्यालय के प्रतिनिधि सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे।

एचईसी कर्मियों का वेतन भुगतान करें प्रबंधन : शनि

रांची : एचईसी श्रमिक संघ के अध्यक्ष शनि सिंह ने कहा कि एचईसी प्रबंधन उपक्रम के मजदूर-कर्मियों के लंबित वेतन भुगतान और पे-स्लिप जारी करे। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कर्मचारियों को समय पर वेतन और वेतन संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। वेतन नहीं मिलने से कर्मी परेशान हैं। घर द्वार चलाना मुश्किल हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

1184 किलो गांजा तस्करी मामले में आरोपी दोषी करार, सजा पर आज होगी सुनवाई

रांची : राजधानी रांची में वर्ष 2023 में पकड़े गए बड़े गांजा तस्करी मामले में अदालत ने आरोपित गणेश चौधरी को दोषी करार दिया है। अपर न्यायायुक्त ओंकारनाथ की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद आरोपित के खिलाफ आरोपों को सिद्ध माना। अदालत अब सजा के बिंदु पर 25 जून को सुनवाई करेगी, जिसके बाद दोषी को मिलने वाली सजा की घोषणा की जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वर्ष 2023 में दशम फॉल थाना क्षेत्र में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भारी मात्रा में गांजा लेकर एक ट्रक गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से 1184.580 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। बरामद गांजे की अनुमानित बाजार कीमत दो करोड़ 36 लाख 91 हजार 600 रुपये आंकी गई थी। इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की बरामदगी को देखते हुए पुलिस ने इसे अंतरराज्यीय तस्करी से जुड़ा मामला मानते हुए विस्तृत जांच शुरू की थी। जांच के दौरान ट्रक चालक एवं आरोपित गणेश चौधरी की भूमिका सामने आई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस संबंध में दशम फॉल थाना में एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) एक्ट के तहत कांड संख्या 19/2023 दर्ज किया गया था। मामले की जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने बरामदगी से संबंधित दस्तावेज, जब्ती सूची, जांच अधिकारियों के बयान तथा अन्य साक्ष्य अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपित गणेश चौधरी को दोषी ठहराया। अब सभी की निगाहें 25 जून को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, जब अदालत दोषी को दी जाने वाली सजा पर अपना फैसला सुनाएगी।

निर्जला एकादशी पर हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में विशेष आयोजन

रांची : निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में भव्य विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। सजावट का कार्य पश्चिम बंगाल के कारीगरों द्वारा दिन-रात किया जा रहा है, जबकि दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और रायपुर से विशेष प्रकार के फूल मंगाए जा रहे हैं। मंदिर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका के निर्देशन में संपूर्ण तैयारियाँ की जा रही हैं। बाबा श्री श्याम का दिव्य एवं अनुपम श्रृंगार किया जाएगा तथा सूरत से मंगाए गए विशेष वस्त्रों से निर्मित नवीन पोशाक धारण कराई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान फल सवामणी एवं प्रसाद का भोग अर्पित किया जाएगा, जिसकी तैयारी उपाध्यक्ष अशोक लड़िया के सानिध्य में की जा रही है। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि निर्जला एकादशी के दिन मंदिर के पट पूरे दिन भक्तों के दर्शन हेतु खुले रहेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य राजेश ढांढनिया अपने परिवार के साथ सवामणी भोग अर्पित करेंगे, जबकि प्रवीण जयसवाल एवं सौरव चौधरी द्वारा फल सवामणी भोग अर्पित किया जाएगा। वहीं स्नेह पोद्दार एवं स्नेहा पोद्दार बाबा श्री श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे। कोषाध्यक्ष मनोज खेतान कीर्तन से जुड़ी तैयारियों सहित समस्त व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। भक्तों की सुविधा हेतु सुव्यवस्थित कतार व्यवस्था भी की जा रही है ताकि सभी श्रद्धालु सुगमता से दर्शन कर सकें। मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे अखंड ज्योत प्रज्वलन के साथ प्रारंभ होगा। इसके बाद वरीय उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया गणेश वंदना से संकीर्तन कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। प्रसाद वितरण का दायित्व मंत्री पंकज गाड़ोदिया, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, आदित्य लोहिया तथा प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल के निर्देशन में सम्पन्न होगा।

राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम से मिला मारवाड़ी युवा मंच का प्रतिनिधिमंडल

रांची : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रतिनिधिमंडल ने नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उन्हें राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।
प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद के सफल संसदीय कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में झारखंड के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। भेंट के दौरान मंच के पदाधिकारियों ने संगठन की ओर से राज्यभर में संचालित सामाजिक, सेवा एवं जनजागरण कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय से समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं के समाधान में सहायता मिल सकती है। इसके अलावे सामाजिक सहभागिता और जनसेवा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने बैजनाथ राम का अभिनंदन कर हर्ष जताया। उनके सफल कार्यकाल की कामना की। प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया, महामंत्री दीपक गोयंका, कोषाध्यक्ष विकास झाझरिया, प्रांतीय संयोजक अमित शर्मा, रांची शाखा अध्यक्ष विकास अग्रवाल, सचिव मुकेश शर्मा, कोषाध्यक्ष अनीश सरावगी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

झारखंड कांग्रेस के वरीय नेता गुलफाम मुजीबी के निधन पर पार्टी नेताओं ने जताया शोक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व उपाध्यक्ष और झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ गुलफाम मुजीबी के असामयिक निधन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने गहरा शोक व्यक्त की है। प्रदेश अध्यक्ष ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से शोक प्रकट करते हुए गुलफाम मुजीबी के निधन को कांग्रेस परिवार और झारखंड की सामाजिक-राजनीतिक के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। साथ ही प्रदेश प्रभारी के राजू ने भी डॉ मुंजीबी के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि डॉ गुलफाम मुजीबी जीवनभर कांग्रेस की विचारधारा, लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा के प्रति पूरी निष्ठा के साथ समर्पित रहे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने, अल्पसंख्यक समाज सहित समाज के सभी वर्गों की आवाज को बुलंद करने और सामाजिक न्याय और भाईचारे की भावना को सशक्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सार्वजनिक जीवन संघर्ष, सादगी, ईमानदारी और सेवा की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण था। उन्होंने कहा कि डॉ मुजीबी हमारे संघर्ष के सच्चे साथी थे। उनका व्यवहार अत्यंत सरल, सहज और मिलनसार था। वे हर कार्यकर्ता को सम्मान देने में विश्वास रखते थे और संगठन के छोटे से छोटे कार्यकर्ता की बात को गंभीरता से सुनते थे। यही कारण था कि वे कांग्रेस कार्यकताओं के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों में समान रूप से सम्मानित और लोकप्रिय थे। डॉ गुलफाम मुजीबी के निधन पर सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा, राजेश ठाकुर डॉ प्रदीप बलमुचू, डॉ रामेश्वर उरांव, बंधु तिर्की,आलमगीर आलम, प्रदीप यादव, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ एम तौसीफ, राजन वर्मा, सुनीत शर्मा, उज्ज्वल तिवारी, डॉ राजीव नारायण प्रसाद, आलोक दूबे, डॉ राजेश गुप्ता, शशि भूषण राय सहित कई पार्टी नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त प्रकट किया है।

नशाखोरी समाज के लिए अभिशाप इससे दूर रहें : गौतम कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान एवं कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकांत मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में बुधवार को कोडरमा प्रखंड के सुदूरवर्ती जंगली इलाका बेंदी गांव में नशामुक्ति को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को नशाखोरी से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करना, उनके अधिकारों के संरक्षण, विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी तथा निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। इस शिविर के माध्यम से आम लोगो को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, विधिक सहायता सेवाओं तथा विभिन्न कानूनी समस्याओं के समाधान के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही जरूरतमंद लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से जोड़कर निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि नशाखोरी समाज के लिए एक ऐसा अभिशाप है जो पूरे परिवार एवं समाज को आंतरिक रूप से खोखला एवं कमजोर बना देता है । उन्होंने लोगो को नसीहत दी कि लोग नशे के सेवन से हर संभव बचने का प्रयास करे तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी अहम भागीदारी सुनिश्चित करे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार का प्रयास है कि समाज के आम लोगो को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए तथा उन्हें समय पर आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि कई बार समाज के आम नागरिक जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकार द्वारा समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए, लगातार जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित एल ए डी सी एस के अधिवक्ता नवल किशोर एवं किरण कुमारी ने बाल विवाह एवं नशाखोरी से होने वाले कुप्रभाव के बारे में लोगो को विधिक जागरूकता संबंधी जानकारी दी और बताया कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर भीषण गर्मी से बचाव के लिए ओ आर एस का भी वितरण किया गया वहीं उपस्थित लोगो के बीच कई पम्पलेट भी वितरित किए गए । मौके पर एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन एवं जस्ट राइट के मनोज कुमार व अभय कुमार, समाजसेवी कृष्णा सिंह, न्यायालयकर्मी संतोष कुमार, पीएलवी मंटू कुमार व रोहित बहादुर शाह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

ट्रेन मैनेजरों की समस्याओं को लेकर एआईजीसी प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल (एआईजीसी) कोडरमा शाखा के प्रतिनिधिमंडल ने शाखा सचिव रंजीत कुमार के नेतृत्व में पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से मुलाकात कर ट्रेन मैनेजरों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, पीसीओएम, धनबाद मंडल के डीआरएम, सीनियर डीओएम सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखीं। पहली मांग के तहत कहा गया कि क्रैक गाड़ियों का संचालन उनके हेडक्वार्टर से कराया जाए, क्योंकि हजारीबाग (एचजेडवीएन) से क्रैक कार्य करना ट्रेन मैनेजरों के लिए अत्यंत कठिन साबित हो रहा है। दूसरी मांग में कोडरमा स्टेशन के लाइन संख्या 7 एवं 8 के बीच सुरक्षित आवागमन हेतु पथ एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया। प्रतिनिधियों ने बताया कि बरसात के मौसम में सांप-बिच्छू का खतरा बना रहता है तथा अंधेरा रहने के कारण असामाजिक तत्वों का भी भय बना रहता है। तीसरी मांग में ट्रांसफर होकर आने वाले अथवा नवपदस्थापित ट्रेन मैनेजरों के अस्थायी आवास की व्यवस्था तथा ट्रेन मैनेजरों के छोटे-मोटे कार्यक्रम, सेफ्टी सेमिनार, विदाई समारोह, स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस जैसे आयोजनों के लिए डॉर्मिटरी अथवा उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने की मांग की गई। चौथी मांग में वैशाली फास्ट पैसेंजर ट्रेन, जिसे कोडरमा के लोको पायलट द्वारा संचालित किया जा रहा है, उसमें ट्रेन मैनेजर का कार्य गया के कर्मचारियों द्वारा किए जाने के बजाय कोडरमा के ट्रेन मैनेजरों से करवाने का अनुरोध किया गया। महाप्रबंधक ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं जांच के निर्देश दिए।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बीएलए-2 का प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के सफल क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को जयनगर प्रखंड सभागार में 20-बरकट्ठा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत सभी बीएलए-2 का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, जयनगर ने की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एसआईआर-2026 की निर्धारित समय-सारिणी, एएसएसडी सूची को अंतिम रूप देने तथा उसके प्रकाशन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में बीएलए-2 की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। बैठक में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन, आवश्यक प्रपत्रों के उपयोग तथा पुनरीक्षण के दौरान मान्य दस्तावेजों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। अधिकारियों ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए सभी बीएलए-2 से पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना है। मौके पर निर्वाचन कार्य से जुड़े विभिन्न अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी कोडरमा नगर मंडल द्वारा विधायक नीरा यादव जी के आवास पर तथा डोमचांच नगर मंडल द्वारा सन शाइन स्कूल में भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक नीरा यादव एवं भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक नीरा यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके विचार आज भी राष्ट्र निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया तथा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

होल्डिंग टैक्स में 10% तक की छूट का अंतिम मौका, लाभ लेने के लिए बचे सिर्फ पांच दिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नगर पंचायत कोडरमा के अध्यक्ष साजिद हुसैन उर्फ लल्लू ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के होल्डिंगधारियों को 30 जून तक होल्डिंग टैक्स जमा करने पर वित्तीय वर्ष 2025-26 के कर में 10 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी करदाताओं को 5 प्रतिशत की सामान्य छूट दी जा रही है। इसके अतिरिक्त यदि होल्डिंग महिला के नाम पर है अथवा करदाता वरिष्ठ नागरिक, पूर्व सैनिक/आर्मी कर्मी, ट्रांसजेंडर या दिव्यांग हैं, तो उन्हें अतिरिक्त 5 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी। अब तक करीब 1,035 होल्डिंगधारियों ने इस योजना का लाभ उठाते हुए लगभग 2 लाख रुपये की कर बचत की है। 30 जून को छूट की अवधि समाप्त होने के बाद 1 जुलाई से बकाया होल्डिंग टैक्स पर प्रतिमाह 1 प्रतिशत की दर से विलंब शुल्क देय होगा। यह विलंब शुल्क बकाया अवधि के अनुसार लगाया जाएगा। चालू वित्तीय वर्ष का बकाया होल्डिंग टैक्स जमा करने पर छूट का लाभ केवल 30 जून 2026 तक ही उपलब्ध रहेगा। होल्डिंगधारियों के पास इस विशेष छूट का लाभ उठाने के लिए अब मात्र 5 दिन शेष हैं। होल्डिंग टैक्स वसूली एजेंसी रितिका जन सुविधा केंद्र ने बताया कि पूर्णतः आवासीय भवनों पर 10 प्रतिशत तथा व्यावसायिक भवनों पर 5 प्रतिशत की छूट होल्डिंग टैक्स जमा करने पर दी जा रही है। साथ ही नागरिकों की सुविधा को देखते हुए 26 जून 2026 (मुहर्रम), 28 जून 2026 (रविवार) एवं 30 जून 2026 (हूल दिवस) के अवकाश के बावजूद जन सुविधा केंद्र खुला रहेगा, ताकि नगर पंचायत कोडरमा के नागरिक इन तिथियों में भी छूट के साथ अपना होल्डिंग टैक्स जमा कर सकें। नगर पंचायत अध्यक्ष साजिद हुसैन उर्फ लल्लू ने सभी होल्डिंगधारियों से अपील की कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर होल्डिंग टैक्स जमा कर सरकार द्वारा प्रदान की जा रही छूट का अधिकतम लाभ उठाएं तथा विलंब शुल्क से बचें।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : विश्व बैंक समर्थित रैंप कार्यक्रम के तहत महिला उद्यमियों को स्वरोजगार, सरकारी योजनाओं एवं व्यवसाय विस्तार की दी गई जानकारी कोडरमा। जिला उद्योग केंद्र, कोडरमा द्वारा आज पब्लिक लाइब्रेरी, झुमरी तिलैया के सभागार में महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। यह कार्यशाला उद्योग विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम के संयुक्त तत्वावधान में विश्व बैंक समर्थित रैंप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाना, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना तथा विशेष रूप से महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, कौशल विकास, विपणन रणनीतियों तथा उद्यम स्थापना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तारपूर्वक दी गई। कार्यक्रम का संचालन ईओडीबी प्रबंधक, कोडरमा राजीव कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रकाश रंजन, सदर प्रखंड की प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक शिखा वर्मा, नगर परिषद की नगर प्रबंधक नीलम उपाध्याय, सदर महिला एफपीसी की मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी बरनाली साहा सहित जिले की अनेक महिला उद्यमी उपस्थित रहीं। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी देते हुए भावी महिला उद्यमियों को योजनाओं से जुड़कर स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना शुरू करने के लिए प्रेरित किया। जिला उद्योग केंद्र के ईओडीबी प्रबंधक राजीव कुमार सिंह ने जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक महिलाओं से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों ने महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में सफल महिला उद्यमियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। नंदिनी कुमारी (साबुन निर्माण), मंजू देवी (पेपर बैग निर्माण), रजिया खातून (धागे एवं ऊन से खिलौना निर्माण) तथा मीना देवी (सिलाई कार्य) ने अपने उद्यम की यात्रा, चुनौतियों एवं सफलता की कहानी साझा करते हुए अन्य महिलाओं को स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

एक नजर

रूई दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा सदर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के आग लगने की एक बड़ी घटना सामने आई। शहर के बस स्टैंड रोड स्थित बिहारी क्लब के समीप फुटपाथ पर संचालित मोहम्मद आसिफ की रूई और गद्दा दुकान में सुबह करीब तीन बजे अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगते ही दुकान से ऊंची लपटें और घना धुआं निकलने लगा। आसपास के लोगों ने तुरंत शोर मचाकर अन्य लोगों को जगाया और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। दुकान में रूई, गद्दे, रजाइयां, तकिए तथा शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्यक्रमों के लिए तैयार किया गया सामान रखा हुआ था। ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो चुका था। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक आग से लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

मॉडल कॉलेज में यूजी सेमेस्टर-6 परीक्षा का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज: सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा आयोजित यूजी सेमेस्टर-6 (सत्र 2022-26) परीक्षा 2025 का शुभारंभ बुधवार को मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में हुआ। परीक्षा के प्रथम दिन प्रथम पाली में कुल 108 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें से 107 परीक्षार्थी उपस्थित हुए तथा 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। वहीं द्वितीय पाली में कुल 195 परीक्षार्थी नामांकित रहे। परीक्षा निर्धारित समय पर विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हुई। प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व केंद्र का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं खास कर गर्मी को देखते हुए पे जल, पंखा आदि का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षार्थियों को निर्देश दिया कि सभी परीक्षार्थी विद्यार्थी समय पर से 15 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पहुंचे तथा परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं किसी भी प्रकार की नकल सामग्री का प्रयोग न करें।

मुहर्रम की सातवीं पर निकला भव्य जुलूस

पलामू : मुहर्रम की सातवीं तारीख पर मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक मेदनीनगर में भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान पूरा माहौल या हसन-या हुसैन के नारों से गूंज उठा। विभिन्न मोहल्लों के युवाओं ने जगह-जगह लाठी, तलवार एवं अन्य पारंपरिक हथियारों से खेल का प्रदर्शन किया। शहर के पहाड़ी मोहल्ला स्थित कर्बला से मुहर्रम इंतजामिया कमेटी के जनरल खलीफा जीशान खान के नेतृत्व में जुलूस देर रात निकाला। जुलूस में शामिल लोगों ने पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया। जुलूस शाह मोहल्ला, कन्नी राम चौक, सतार सेठ चौक, विष्णु मंदिर रोड, चावल पट्टी, महावीर मंदिर रोड, घड़ा पट्टी, जैन मंदिर रोड और पंच मुहान होते हुए थाना परिसर पहुंचा। यहां खेल प्रदर्शन के बाद जुलूस लाल कोठा, गीता भवन, शहीद भगत सिंह चौक, सतार सेठ चौक और कन्नी राम चौक होते हुए पुनः कर्बला पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में कुंड मोहल्ला, कांजी हाउस मोहल्ला, झोपड़पट्टी, राहत नगर, हुसैन नगर, पहाड़ी मोहल्ला, मुस्लिम नगर, शाह मोहल्ला, कसाब मोहल्ला, धोबी मोहल्ला और शास्त्री नगर के लोग अपने-अपने निशान के साथ शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

डोमचांच में ओकाया बैट्री एवं इनवर्टर डिस्ट्रीब्यूटर शोरूम का हुआ उद्घाटन

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड स्थित राज मोबाइल के बगल में ओकाया बैट्री एवं इनवर्टर के नए डिस्ट्रीब्यूटर शोरूम का विधिवत उद्घाटन किया गया। शोरूम का उद्घाटन प्रोपराइटर चंदन तिवारी एवं दीपक कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर प्रोपराइटर चंदन तिवारी ने बताया कि ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शोरूम में बैट्री एवं इनवर्टर की पूरी रेंज उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को जीरो फाइनेंस की सुविधा भी दी जाएगी, जिससे वे आसानी से उत्पाद खरीद सकेंगे। उन्होंने बताया कि ओकाया बैट्री एवं इनवर्टर अपनी गुणवत्ता और बेहतर सर्विस के लिए जाने जाते हैं। ग्राहकों को सर्विस की चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी तथा सभी उत्पाद थोक (होलसेल) दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। शोरूम उद्घाटन समारोह में मणिकांत सिंह, चंदन पांडेय, दीपक कुमार सहित ओकाया कंपनी के एरिया मैनेजर एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मारवाड़ी युवा मंच ने 1500 रोटी और 51 किलो गुड़ खिलाकर की गौ सेवा

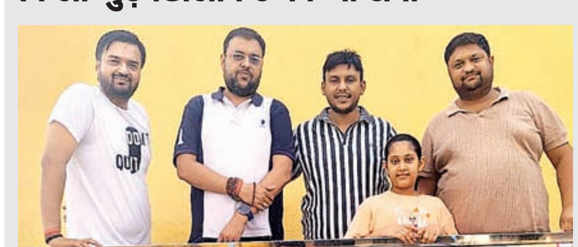

झुमरी तिलैया : स्थानीय मारवाड़ी युवा मंच झुमरीतिलैया शाखा के सदस्यों द्वारा समाज सेवा और जीव दया की भावना को चरितार्थ करते हुए एक सराहनीय गौ सेवा अभियान चलाया गया। मंच के युवाओं ने कोडरमा गौशाला पहुंचकर श्रद्धापूर्वक गायों को अपने हाथों से रोटी और गुड़ खिलाया इसके बाद मंच के सदस्यों का सेवा भाव यहीं नहीं रुका। रात के समय युवाओं की टोली ने शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों और गलियों में घूम-घूम कर बेसहारा घूम रही गायों को भी भोजन कराया। इस पूरे सेवा कार्य के दौरान सदस्यों द्वारा कुल 1500 रोटियां और 51 किलोग्राम गुड़ गायों को खिलाया गया। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि बेजुबान जानवरों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। सनातन संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, इसलिए उनकी देखरेख और सेवा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इस नेक कार्य में मारवाड़ी युवा मंच के कई सक्रिय सदस्यों ने बढ़-चढ़कर अपना योगदान दिया और आगे भी ऐसे सामाजिक और धार्मिक कार्य जारी रखने का संकल्प लिया। इस पुनीत कार्य में मंच के प्रांतीय भवन संयोजक राज पच्चीसिया, अध्यक्ष मोहित संघई, सचिव अतुल खेतान, उपाध्यक्ष प्रतीक संघई, उपाध्यक्ष शिवेश पच्चीसिया और मंच के सदस्य आकाश जैन उमंग कंदोई, मिशांक केडिया, मिहिर खेतान, अंकित खेतान, तुषार चौधरी, आयुष केडिया, चंद्रशेखर जोशी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

आज से श्री सम्मेदशिखर तीर्थराज के गुणायतन में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव शुरू

कोडरमा : तीर्थराज श्री सम्मेदशिखर जी स्थित गुणायतन परिसर में 25 जून से 30 जून तक 1008 भगवान जिनेन्द्रदेव का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य राष्ट्रसंत मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज एवं मुनि श्री संधान सागर महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा। इस महाआयोजन में पूरे भारतवर्ष एवं झारखंड के झुमरीतिलैया रांची धनबाद हजारीबाग रामगढ़ गिरिडीह आदि जिलों से सैकड़ो श्रद्धालु भक्तजन भाग लेंगे गुणायतन मध्य भारत के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं गुणायतन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी झुमरीतिलैया के वीरेंद्र जैन छावड़ा ने बताया कि 24 जून को प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया एवं बाल ब्रह्मचारी अभय भैया के निर्देशन में प्रमुख पात्रों का चयन किया जाएगा। 25 जून को ध्वजारोहण एवं मंडप उद्घाटन के साथ पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारंभ होगा तथा गर्भ कल्याणक की क्रियाएं संपन्न होंगी। कार्यक्रम के अंतर्गत 26 जून को गर्भ कल्याणक उत्तरार्ध, 27 जून को जन्म कल्याणक, 28 जून को तप एवं दीक्षा कल्याणक, 29 जून को केवलज्ञान कल्याणक तथा 30 जून को मोक्ष कल्याणक के साथ महोत्सव का समापन होगा प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। सुबह 8:45 बजे से मुनिश्री की धर्मदेशना, दोपहर में मंत्रीय कार्यक्रम तथा सायं 6 बजे से शंका समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात मंगल आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत बीआर इंटरनेशनल स्कूल ने पंचायतों में चलाया जागरूकता अभियान

कोडरमा: नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बीआर इंटरनेशनल स्कूल, चाराडीह, कोडरमा द्वारा विभिन्न पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करना था। इस अभियान में विद्यालय के निदेशक ओपी राय, प्रशासक सुनील कुमार, शिक्षक विकास कुमार तथा शिक्षिकाएं लक्ष्मी कुमारी, इंद्रमणि कुमारी एवं रिया बॉस सहित विद्यालय के बच्चों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बच्चों ने नुक्कड़ नाटक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने और अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन पूरनानगर पंचायत के लोचनपुर गांव, छतरबर पंचायत तथा करमा पंचायत झंडा चौक में किया गया। पूरनानगर पंचायत के कार्यक्रम में मुखिया अनिता देवी, छतरबर पंचायत में मुखिया गुलाम मुस्तफा तथा करमा पंचायत झंडा चौक में मुखिया मोनी देवी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। विद्यालय के निदेशक ओपी राय ने अपने संबोधन में कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। नशा केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। हमें मिलकर नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने भी विद्यालय के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में विद्यालय परिवार एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से लोगों से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं सम्मानित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एक नजर

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, दिए कई निर्देश

सरिया : सरिया थाना पुलिस द्वारा मां काली चौक के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस और अधूरी कागजात वाले दो पहिया वाहन चालकों को सख्त हिदायत दी गई। नियमों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए। निर्जला एकादशी तथा मोहर्रम पर्व को लेकर लोगों की डिक्की खुलवाकर चेक भी किया गया। जिससे कि किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु क्षेत्र में अशांति का कारण नहीं बने। कहा गया कि दो पहिया वाहन चलाते समय पीछे बैठने वाले व्यक्तियों के लिए भी हेलमेट पहनना जरूरी है। जिससे कि संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

शिक्षक को सुपारी देकर जान मारने की धमकी डीजीपी से सुरक्षा की मांग

बड़कागांव: सिकरी थाना क्षेत्र के निवासी सहायक शिक्षक सत्येन्द्र पासवान ने झारखंड पुलिस महानिदेशक को शिकायत भेजकर जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोग अपराधियों को एक लाख रुपये की सुपारी देकर उनकी हत्या कराना चाहते हैं। सत्येन्द्र पासवान के अनुसार 19 जून 2026 की रात करीब 1:40 बजे उनके घर के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉलर ने धमकी देते हुए कहा कि "तुम लोगों की खैर नहीं, दिन गिनना शुरू कर दो।" फोन काटने के बाद भी चार से पांच बार लगातार धमकी दी गई। इससे उनकी पत्नी और बच्चे दहशत में हैं। शिक्षक ने बताया कि 15 जून को सिकरी थाना परिसर में भी उन्हें धमकी दी गई थी।

सीएसआईआर-एनएमएल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित, 85 यूनिट रक्त संग्रहित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर स्थित राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल) परिसर में बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व और जनसेवा की भावना से आयोजित इस शिविर में कर्मचारियों, वैज्ञानिकों और अन्य रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 85 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन सीएसआईआर-एनएमएल के उप-निदेशक डॉ. एस. सिवाप्रसाद ने किया। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदान को मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. के.के. साहू, डॉ. संजय कुमार, डॉ. देवव्रत मिश्रा, डॉ. कमला कांत साहू, डॉ. शर्मिष्ठा सागर, डॉ. एम. मालथी तथा चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियंका सिंह सहित संस्थान के कई वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर का आयोजन सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी के मार्गदर्शन और प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण के नेतृत्व में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में एनएमएल स्टाफ क्लब की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति में डॉ. संजय अग्रवाल, रोहित मुदी, परमार्थ सुमन, विजय आनंद मुखी, झुमकी हैत और संतोष राय ने सक्रिय योगदान दिया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में कर्मचारियों और युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक सरोकार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। रक्तदाताओं को आयोजन समिति की ओर से प्रमाण-पत्र और प्रशस्ति देकर सम्मानित भी किया गया। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों, ऑपरेशन तथा आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता लगातार बनी रहती है, इसलिए स्वैच्छिक रक्तदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकीय टीम और सहयोगी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखने की बात कही।

मुहर्रम पर्व शांति पूर्ण संपन्न कराने को लेकर थाना प्रभारी ने क्षेत्र का लिया जायजा

अफवाह फैलाने वालों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई : दीपक कुमार सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : मुहर्रम पर शुरू है। लगातार प्रखंड के सभी अखाड़ों में फाथिया खानी की जा रही है ।लोग हर्षोल्लास के साथ त्यौहार मना रहे हैं। वहीं कई गांव में एक से बढ़कर एक ताजिया बनाई जा रही है। इधर मुहर्रम त्यौहार को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने तत्परता दिखाते हुए क्षेत्र में पैनी नजर रख रहें हैं। और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर निरंतर भ्रमण कर रहें हैं। बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी मामले को लेकर फौरन सूचना दें। और अफवाह पर ध्यान ना दें। अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे और आपसी सौहार्द के साथ मुहर्रम पर संपन्न कराया जा सके। इसमें आम जनता के साथ-साथ क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध लोगों को सहभागिता का अपील करता हूं। आगे थाना प्रभारी ने कहा की विधि व्यवस्था बनी रहे इसके लेखक मुख्य रूप से क्षेत्र का बड़कागांव , ग्राम महुदी, बादम, रुद्दी आदी गांव का दौरा कर अखाड़े वालों एवं गांव वासियों से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत हुआ। और लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या हो या जरूरत हो तो हमें सूचित करें हर संभव समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। क्षेत्र भ्रमण में मुख्य रूप से थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के साथ-साथ एसआई राकेश खवास एवं अभिषेक कुमार सहित बड़कागांव पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

नशा मुक्ति के लिए सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब 'जिंदगी को हां, नशे को ना' के नारों से गूंजा बाजार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : समाज को नशे के चंगुल से मुक्त कराने और लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बुधवार को सरिया में एक विशाल 'नशा मुक्ति रैली' का आयोजन किया गया। यह रैली सरिया प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित नारायण तिवारी तथा अंचलाधिकारी संतोष कुमार के संयुक्त और कुशल नेतृत्व में निकाली गई। रैली का शुभारंभ सरिया थाना परिसर से हुआ। इसके बाद अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों का यह कारवां सरिया बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए भ्रमण पर निकला। रैली में न केवल प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे, बल्कि समाज को बदलने का जज्बा लेकर सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष भी सड़कों पर उतर आए। बाजार का भ्रमण करते हुए यह रैली सरिया स्टेशन तक पहुँची, जहाँ इसका समापन हुआ। रैली में शामिल लोग हाथों में तख्तियां लिए हुए थे और नशा मुक्ति को लेकर किस्म-किस्म के गगनभेदी नारे लगा रहे थे। "नशे को दूर भगाना है, खुशहाल समाज बनाना है" और "जिंदगी से नाता जोड़ो, नशे की आदत छोड़ो" जैसे नारों से पूरा सरिया बाजार गूंज उठा। रैली का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आम जनता को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना था। रैली के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित नारायण तिवारी और अंचलाधिकारी संतोष कुमार ने लोगों से अपील की कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब हमारी युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त से दूर रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

युवाओं के कंधों पर देश का विकास, नशे से रहें दूर : अनुमंडल दंडाधिकारी

सरिया : बढ़ती युवा पीढ़ी को सुनहरे भविष्य और स्वस्थ जीवन की राह दिखाने के उद्देश्य से बुधवार को सरिया कॉलेज, सरिया के प्रांगण में एक महत्वपूर्ण नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बगोदर–सरिया के अनुमंडल दंडाधिकारी (रऊट) श्री संतोष गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार लाल ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अनुमंडल दंडाधिकारी श्री संतोष गुप्ता ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को नशे से पूरी तरह दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने नशे के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा आज की युवा पीढ़ी देश की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है। हमारे देश का विकास और भविष्य इन्हीं युवाओं के कंधों पर टिका है। अगर युवा वर्ग नशे की गर्त में जाएगा, तो देश का भारी नुकसान होगा। कार्यक्रम के समापन सत्र में अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी उपस्थित छात्रों और कॉलेज परिवार को नशा मुक्ति की भावपूर्ण शपथ दिलाई। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं जीवन में कभी नशा न करने का संकल्प लें, बल्कि अपने आस–पास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें और किसी को नशा न करने की सलाह दें। इस गरिमामयी कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. आशीष कुमार सिंह ने किया। मौके पर कॉलेज के कई शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और भारी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एनएचआरए के विष्णुगढ़ प्रखंड अध्यक्ष बने रविकांत पांडेय

हजारीबाग : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश इकाई की ओर से संगठन का विस्तार करते हुए हजारीबाग जिला अंतर्गत विष्णुगढ़ निवासी समाजसेवी रविकांत पांडेय को विष्णुगढ़ प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया है। इनका मनोनयन प्रदेश स्वास्थ्य सचिव अवध कुमार पांडेय की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति के द्वारा राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव, राष्ट्रीय विधि सचिव आत्मानंद कुमार पांडेय, राष्ट्रीय कल्याण सचिव बिपिन बिहारी पांडेय एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ब्रह्मदेव यादव की उपस्थिति में किया गया है। सभी ने सामूहिक तौर पर अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। रविकांत पांडेय सामाजिक कार्यकर्ता है। इनके द्वारा सामाजिक कार्यों में काफी सहभागिता रहती है। विष्णुगढ़ प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेशअध्यक्ष विधि डॉ सुनील कुमार दत्त, प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव, आदि ने बधाई दी है। मनोनीत किए जाने राष्ट्रीय एवं प्रदेश टीम का आभार व्यक्त करते हुए रविकांत पांडेय ने कहा कि जिम्मेदारी उन्हें दी गई , उसका पूर्ण निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करेंगे। मानवाधिकार संरक्षण के लिए काम करेंगे।

दीपूगढ़ा में लव मेडिकल स्टोर खुला मेयर एवं पूर्व सांसद ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग स्थित दीपूगढ़ा में लव मेडिकल स्टोर खुला। बुधवार को हजारीबाग नगर निगम के मेयर अरविंद कुमार राणा, पूर्व सांसद भुनेश्वर मेहता ने फीता काटकर उद्घाटन किया। मौके पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव, राष्ट्रीय विधि सचिव डॉ आत्मानंद पांडेय, राष्ट्रीय कल्याण सचिव बिपिन बिहारी पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, प्रदेश एक्सक्यूटिव मेंबर ब्रह्मदेव यादव, प्रदेश स्वास्थ्य प्रभारी अवध कुमार पांडेय मुख्य रूप से मौजूद रहे। नव प्रतिष्ठान लव मेडिकल स्टोर के संचालक नूतन देवी एवं अवध कुमार पांडेय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके पहले विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किया गया। संचालिका नूतन देवी ने बताया कि उनके प्रतिष्ठान में एलोपैथी एवं आयुर्वेदिक दवाएं उचित दर पर उपलब्ध है। उनके प्रतिष्ठान में विशेषज्ञ डॉक्टर्स के द्वारा सभी तरह का इलाज की व्यवस्था है। अवध कुमार पांडेय ने बताया कि उनके इस स्वास्थ्य प्रतिष्ठान में सभी तरह का इलाज की व्यवस्था है। मौके पर आदित्य कुमार पांडेय, रविकांत पांडेय, अरुणदेव कुमार पांडेय, अनुग्रह सिंह, सुशील कुमार पांडेय, मास्टर झब्बू सहित कई लोग मौजूद रहे।

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद, शादी समारोह में हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद हरली गांव पहुंचे एवं महेश राणा की बेटी अंशु कुमारी की शादी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजीव कुमार विद्या ने बुके देकर मंत्री का स्वागत किया। तत्पश्चात महेश राणा बेटी को शुभ आशीर्वाद दिया। महेश राणा का मंत्री के परिवार के साथ 33 वर्ष पुराना मित्रता है। फर्नीचर का सारा कार्य महेश राणा ही देखते हैं। मौके पर संजीव बेदिया ने मंत्री से बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय में पिछले 8 वर्षों में लंबित पड़ा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की जलमिनार योजना को लेकर ध्यान आकृष्ट कराया। और मंत्री ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग अधिकारी से संपर्क साधा और उस पर त्वरित कार्य करने का निर्देश दिया। मंत्री ने बताया कि री-स्टीमेट तैयार किया गया है ।10 करोड़ 47 लाख टेंडर पूरा होते ही काम शुरू कराया जाएगा। मौके पर प्रसिद्ध लोगों में मुख्य रूप से योगेंद्र प्रसाद पेयजल एवं स्वास्थ्य मंत्री, संजीव बेदिया अध्यक्ष झामुमो जिला हजारीबाग, महेश राणा, मीडिया प्रभारी हजारीबाग संजय भुइयां, हेमंत भुइयां, मुकेश रावत, संजय करमाली, दीपन साव,शंकर भुइयां, राम सागर महतो, महेश राणा, रामकुमार राणा, कन्हैया राणा, संतोष राणा इकलाल राणा, गणेश भुइयां,फलेन्द्र गंझु, चुरामन गंझु, उपेंद्र महतो, के अलावा अन्य कई लोग उपस्थित थे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि के बाद भी गिरफ्तारी न होने पर RYA ने जताया रोष, आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : इंकलाबी नौजवान सभा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को बगोदर-सरिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धनंजय राम से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने संगठन के नेता राहुल मंडल के पिता स्वर्गीय अशोक मंडल की संदेहास्पद मृत्यु के मामले में अब तक हुई पुलिस कार्रवाई की प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही, सरिया प्रखंड में बढ़ते अपराध और भू-माफियाओं के बढ़ते वर्चस्व के खिलाफ सरिया थाना की निष्क्रियता पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए एक शिकायत पत्र सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे गिरिडीह जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव, सोनू पांडेय, सीताराम पासवान, इम्तियाज अली और राजेश विश्वकर्मा ने एसडीपीओ को बताया कि बीते दिनों आरवाईए नेता राहुल मंडल के पिता अशोक मंडल का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था। परिजनों और ग्रामीणों द्वारा हत्या की आशंका जताए जाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। इस मामले में तीन मुख्य अभियुक्तों और साजिश रचने के आरोप में दो जमीन कारोबारियों के खिलाफ सरिया थाना में कांड संख्या 97/2026 दर्ज की गई थी। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों का पता चल चुका है और हत्या की पुष्टि भी हो गई है। इसके बावजूद, पुलिस द्वारा अब तक दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई या गिरफ्तारी न किया जाना अत्यंत चिंता का विषय है।

मुलाकात के दौरान आरवाईए नेताओं ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सरिया और आसपास के क्षेत्रों में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था से अवगत कराया। क्षेत्र में भू-माफियाओं का मनोबल सातवें आसमान पर है। गरीब और कमजोर वर्गों की जमीनों पर अवैध कब्जे की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। असामाजिक तत्वों की सक्रियता के कारण आम नागरिकों में असुरक्षा का माहौल है। अगर समय रहते इन आपराधिक गतिविधियों पर लगाम नहीं लगाई गई, तो आम जनता का कानून-व्यवस्था से विश्वास उठ जाएगा। प्रशासन को तुरंत नियमित गश्ती बढ़ानी चाहिए और संगठित अपराध में संलिप्त तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। इंकलाबी नौजवान सभा ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि अशोक मंडल हत्याकांड के अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई और क्षेत्र में अपराध पर रोक नहीं लगाई गई, तो संगठन सड़क पर उतरकर व्यापक जनांदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी। दूसरी ओर, SDPO धनंजय राम ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि पुलिस इस मामले पर पूरी तत्परता से काम कर रही है।

Office Of The Executive Engineer Water Ways Division, Hazaribagh.
Very Short Notice Inviting E-Quotation
Office Email eewrdhzb@gmail.com
2nd call
No:WRD/WWDivision,Hazaribag/Quotation-01/2026-27 Date: 24.06.2026

Government of Jharkhand through its public works Department PWD is engaged in framing/revision Off schedule of rates an as part of the endeavour quotations through e-tender are invited for rate of non schedule items material annexed as Annexure-1 for construction works from quarry owners/crusher owners/Reputed manufacturer /Authorised dealers/suppliers and other stakeholders authorised for respective items having valid GSTIN of materials. The rate confirming two specifications for inclusion in the schedule of Rates for government of Jharkhand to be used in different civil construction/Infrastructure works and repair works shall be submitted online in the website www.jharkhandtenders.in Details of material and its specifications are available on the above e-tender portal.. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of materials online from 01.07.2026 at 11:00 hours to 08.07.2026 at 15:00 hrs.
The quotation will be opened on 10.07.2026 at 12:00hours.The quotation is invited to access the rate for repair /purchase/supply of items for framing of estimate. **For any information/query the department helpline Mobile No- 7762857530/9060447483 may be contacted.**

Executive Engineer, WaterWays Division,
Address-WaterWays Division,
Hazaribag

PR 383115 Water Resource(26-27)D

कार्यालय- जिला कृषि पदाधिकारी, राँची
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय, कृषि भवन परिसर, कांके रोड, राँची- 834008
e.mail-daoranchi1@gmail.com

राँची जिला के बिरसा किसान भाईयों/बहनों के लिए आवश्यक सूचना

रॉची जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्डों में सर्वसधारण बिरसा किसान भाईयों/बहनों को सूचित करना है कि वर्त्तमान खरीफ वर्ष 2026 में बिरसा बीज विनिमय वितरण एवं बीजोत्पादन योजना अन्तर्गत 50 प्रतिशत अनुदान पर जिले के विभिन्न लैम्पसों, FPO एवं JSLPS को विभिन्न खरीफ फसलों यथा धान, उरद, तील, मूँगफली, मूँगबीन, अरहर, मडुआ एवं मक्का बीज की आपूर्ति कृषि विभाग द्वारा की जा चुकी है।

बीजों का वितरण विभाग द्वारा निर्धारित दर पर जिले के इच्छुक कृषकों के बीच ब्लॉकचैन के माध्यम से किया जाना है। किसान भाईयों/बहनों अपने नजदीकी लैम्पसों, FPO एवं JSLPS के बिक्री स्थल से बीज क्रय 50 प्रतिशत अनुदान के समतुल्य कृषक अंशदान देकर कर सकते है। फसलवार एवं प्रभेदवार आपूरित बीज अनुदानित दर की विवरणी निम्नवत् है –

क्रं. सं0	आपूर्तिकर्ता का नाम	फसल का नाम	प्रभेद	कुल मात्रा (क्वी0) में	स्वीकृत दर (रु0 प्रति क्वी0)	अनुदान की राशि	कृषक अंशदान
1	NSC, New Delhi	धान	MTU-1010	600	4350	2175	2175
			IR-64	200	4498	2239	2239
			DRRH-2	800	28998	14499	14499
			DRRH-3	800	36700	18350	18350
			ARIZE-6444 Gold	200	45000	22500	22500
			Sava-7301	300	44300	22150	22150
			RRX-3200	300	32350	16175	16175
			INDAM-200-055	300	46500	23250	23250
		उरद	Kota Urad-3	200	12500	6250	6250
		तील	GT-5	50	24000	12000	12000
		मक्का	Bio-9544	200	29500	14750	14750
			DHM-121	100	12000	6000	6000
		मडुआ	VL-376	300	7400	3700	3700
2	HIL INDIA, New Delhi	धान	Arize-8433-DT	200	46400	23200	23200
		अरहर	IPA-15-2	100	13000	6500	6500
		मूँगबीन	Soorya	50	12975	6487-5	6487-5
		मूँगफली	Girinar-4	100	11400	5700	5700
		मक्का	NMH-4140	200	26850	13425	13425
			NMH-4144	200	27500	13750	13750
		मडुआ	VL-376	200	7400	3700	3700

उक्त बीज का क्रय हेतु कृषक को आधार कार्ड, भूमि का रकबा संबंधित दस्तावेज (रसीद/पर्चा) एवं मोबाईल नं0 (मोबाईल सहित) ले जाना आवश्यक है। बीज का वितरण झारखण्ड सीडस् के पोर्टल से Blockchain अन्तर्गत मोबाईल OTP के माध्यम से किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए जिला कृषि कार्यालय, रॉची एवं संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक से संपर्क कर सकते है। फसल का बीज की मात्रा कृषि निदेशालय से प्राप्त आवंटन के अनुसार घट्–बढ सकती है।

ह0/–
जिला कृषि पदाधिकारी, रॉची

PR 383128 Agriculture (26-27)_D

संविधान की हत्या करने वालों का गजब तमाशा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बात बात पर संविधान और लोकतंत्र की हत्या का जुमला दोहराते हैं। लाल जिल्द वाली संविधान की किताब पकड़कर वो संविधान रक्षक होने का दावा भी करते हैं। संविधान, लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी, स्वतंत्रता आदि जैसी बातें जब राहुल गांधी या कांग्रेस का कोई नेता करता है, तो वो अपने बुजुर्गों और नेताओं के कर्मों और कारनामों को भूल जाते हैं। संविधान और लोकतंत्र की हत्या के दर्जनों उदाहरण ऐसे हैं, जो कांग्रेस के शासन में हुए। 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में काला दिन के रूप में जाना जाता है। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा और सत्ता खोने के डर की वजह से कैबिनेट से चर्चा किए बगैर देश में आपातकाल लागू करने की घोषणा की। इमरजेंसी की घोषणा करने के बाद इंदिरा गांधी सोने चली गई और पुलिस देश के कोने-कोने में विपक्ष के नेताओं और प्रदर्शनकारियों को जगा कर उन्हें गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। उसी रात दिल्ली के अखबारों के प्रिंटिंग प्रेस की लाइनें काट दी गईं। सभी समाचार पत्रों पर पूर्व-सेंसरशिप लगा दी गई। संपादकों को समाचार, संपादकीय और तस्वीरें प्रकाशित करने से पहले सरकारी मंजूरी लेना आवश्यक था। समाचार पत्रों को उनके संपादकीय रुख और कवरेज के आधार पर 'मित्रवत', 'तटस्थ' या 'शत्रुतापूर्ण' के रूप में लेबल किया गया था। आपातकाल के दौरान संसद ने अनेक संवैधानिक संशोधन पारित किये, जिनसे न्यायिक समीक्षा और संस्थागत जांच कमजोर हो गयी। तब इंदिरा गांधी के स्वाभाविक उत्तराधिकारी माने जा रहे संजय गांधी ने राजनीतिक ताकतों का खुलकर इस्तेमाल किया और वो 'छोटे सरकार' कहे जाने लगे। कई नीतियां और सरकारी गतिविधियां सीधे तौर पर संजय गांधी चला रहे थे, जिनमें एक था परिवार नियोजन। परिवार नियोजन के नाम पर आम लोगों के साथ ज्यादतियां हुईं और दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में लोगों की जबरन नसबंदी करवा दी गई। इमरजेंसी के 21 महीनों में में 1.07 करोड़ नसबंदी ऑपरेशन किए गए। कई राज्यों ने आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को नसबंदी से जोड़ दिया। अगर लोगों के दो या तीन से ज्यादा बच्चे हैं और वे नसबंदी कराने से इनकार करते थे, तो उन्हें राशन, आवास, नौकरी, स्वास्थ्य सेवा और ऋण देने से मना कर दिया जाता था। इस अवधि के दौरान 25,962 सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को समय से पहले सेवानिवृत्त कर दिया गया। कांग्रेस नेताओं की तानाशाही प्रवृत्ति, संविधान के प्रति अनादर का भाव, स्वयं को श्रेष्ठ और संविधान और कानून से ऊपर मानने के प्रवृत्ति वाला रोग नया नहीं पुराना है। संविधान की हत्या और लोकतंत्र का गला घोटने का पाप कांग्रेस ने किया। आज राहुल गांधी, कांग्रेस के नेता या विपक्ष के कई नेता जब मोदी सरकार पर तानाशाही और संविधान की हत्या करने का आरोप लगाते हैं तो पता नहीं वो ये क्यों भूल जाते हैं कि इंदिरा गांधी ने निहत्थे साधु-संतों पर गोलियां चलवाई थी; इमरजेंसी थोपी थी; इंदिरा ने अकाल तख्त पर सेना की चढ़ाई थी। 1984 में निहत्थे और बेगुनाह सिखों को चुन-चुनकर कांग्रेसियों ने ही बेरहमी से मारा था। अनुच्छेद 356 का सबसे ज्यादा दुरुपयोग कांग्रेस के शासन में हुआ। जब 90 बार से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया गया। इसमें से सिर्फ इंदिरा गांधी ने अनुच्छेद-356 का 50 बार इस्तेमाल किया। केरल की चुनी हुई वामपंथी सरकार को जवाहरलाल नेहरू पसंद नहीं करते थे। उन्होंने कुछ ही समय में चुनी हुई पहली सरकार को घर भेज दिया। तमिलनाडु के एमजीआर और करुणानिधि की सरकार को भी कांग्रेस ने ही बर्खास्त किया था। मोदी सरकार के 12 साल के शासन में एक भी ऐसा वाकया बता दीजिए जिसकी तुलना आप किसी कांग्रेस प्रधानमंत्री के कारनामों से कर सकें।

स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत

ललित गर्ग

विज्ञान और तकनीक ने मानव सभ्यता को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज का युग डिजिटल युग है, जहां एक क्लिक पर पूरी दुनिया हमारी हथेली में सिमट आई है। स्मार्टफोन ने संचार, शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शासन और सामाजिक संबंधों को नई दिशा दी है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। स्मार्टफोन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह जितना बड़ा वरदान सिद्ध हुआ है, उतना ही बड़ा अभिशाप भी बनता जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों पर इसके दुष्प्रभावों ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। आज विश्वभर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। दुर्भाग्यवश, विवेक और अनुशासन के अभाव में इसका नकारात्मक पक्ष अधिक मुखर हो रहा है। स्मार्टफोन की लत बच्चों और युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद, एकाकीपन, हिंसक प्रवृत्तियों, अश्लीलता, साइबर अपराध और सामाजिक विघटन का कारण बन रही है। यही कारण है कि आज केवल परंपरागत समाज और विकासशील देश ही नहीं, बल्कि विकसित देश भी इस चुनौती से निपटने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में भारत के हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव की पहल ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। गांव की पहचान साइबर अपराध के केंद्र के रूप में बनने लगी थी। इससे आहत होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से स्मार्टफोन त्यागने और बेसिक फोन अपनाने का निर्णय लिया। यह केवल मोबाइल तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज की उस पीड़ा की अभिव्यक्ति है, जो तकनीक के दुरुपयोग से उत्पन्न हुई है। गांव के युवाओं का विरोध भी स्वाभाविक है, क्योंकि आज शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं स्मार्टफोन पर निर्भर हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है- क्या समाधान तकनीक का बहिष्कार है या उसके विवेकपूर्ण उपयोग का संस्कार? विश्व के अनेक देशों ने इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन आरंभ कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन, नीदरलैंड, चीन और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों और किशोरों के स्मार्टफोन उपयोग को नियंत्रित करने की दिशा में अनेक पहलें हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग पर आयु-सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस ने स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध लागू किया है। ब्रिटेन में भी स्कूलों में मोबाइल उपयोग को सीमित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मुकदमे दायर हुए हैं और उन पर भारी जुमार्ने लगाए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

वास्तव में स्मार्टफोन जहां वरदान है, वहीं अभिशाप भी है। इससे ज्ञान का भंडार भी उपलब्ध है और भ्रम का संसार भी। यह शिक्षा का माध्यम भी है और अश्लीलता तथा हिंसा का प्रवेश-द्वार भी। यह रोजगार के अवसर भी देता है और साइबर अपराध की राह भी खोलता है। आज अनेक युवा रातों-रात अमीर बनने की लालसा में साइबर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन जुआ और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों में फंस रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री, फेक न्यूज, नफरत और ट्रोल संस्कृति ने सामाजिक मूल्यों को गहरी चोट पहुंचाई है। सबसे अधिक चिंता का विषय बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है और डिजिटल निकटता के बावजूद भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। बच्चे खेल के मैदानों से दूर होकर आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं।

विशेषतः स्मार्टफोन एक दुधारी तलवार है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने इस चुनौती को और अधिक जटिल बना दिया है। एआई जहां शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। डीपफेक वीडियो, फर्जी ऑडियो, साइबर ठगी, पहचान की चोरी, फेक न्यूज और डिजिटल ब्लैकमेल जैसे अपराधों में एआई का इस्तेमाल चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। स्मार्टफोन इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुलभ और प्रभावी माध्यम बन गया है। एक साधारण मोबाइल फोन के माध्यम से आज कोई भी व्यक्ति एआई आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग कर नकली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर सकता है, भ्रामक सूचनाएं फैला सकता है या साइबर अपराधों को अंजाम दे सकता है। विशेष रूप से किशोर और युवा, जिनके पास तकनीकी कौशल तो है लेकिन नैतिक प्रशिक्षण और परिपक्वता का अभाव है, वे अनजाने में अथवा त्वरित लाभ की लालसा में ऐसे कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एआई और स्मार्टफोन के उपयोग के साथ-साथ डिजिटल नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कानूनी जिम्मेदारियों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि तकनीक मानवता के विकास का साधन बने, विनाश का नहीं। इस संदर्भ में यह कथन अत्यंत प्रासंगिक है- विज्ञान बिना विवेक के विनाश का कारण बनता है, जबकि विवेक के साथ वही विज्ञान मानवता का वरदान बन जाता है।

ऐसी स्थिति में भारत में भी व्यापक राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है और एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यदि भारत को विश्वगुरु के रूप में अपनी भूमिका निभानी है, तो उसे तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। भारत द्वारा निर्मित नीतियां न केवल देश, बल्कि विश्व के लिए भी मार्गदर्शक बन सकती हैं। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं-पहला, बच्चों और किशोरों के लिए स्मार्टफोन उपयोग की आयु-सीमा और समय-सीमा निर्धारित की जाए। एक निश्चित आयु तक बच्चों को केवल आवश्यक और नियंत्रित डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

दूसरा, स्कूलों में साइबर साक्षरता और डिजिटल नैतिकता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग ही नहीं, बल्कि उसके दुष्परिणामों और कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी जानी चाहिए। तीसरा, अभिभावकों को डिजिटल पैरेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। बच्चों को मोबाइल थमाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं होती-उन्हें मार्गदर्शन, संवाद और संस्कार भी देने होंगे। चौथा, सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। हानिकारक और अश्लील सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण, आयु सत्यापन और एल्गोरिदम की पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पांचवां, युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और रचनात्मक अवसरों का विस्तार किया जाए, ताकि वे त्वरित धनार्जन के प्रलोभन में अपराध की ओर न बढ़ें।

भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है। स्मार्टफोन मानव की सेवा का साधन बने, मानव का स्वामी नहीं-इसी में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण निहित है।

परीक्षा व्यवस्था का पतन और युवाओं का भविष्यः जवाबदेही से भागती भाजपा सरकार

विजय शंकर नायक

किसी राष्ट्र का भविष्य उसके विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और युवाओं के सपनों में बसता है।₹ लेकिन आज भारत का युवा अपने सपनों को टूटते हुए देख रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों खपाने वाले लाखों छात्र आज एक ऐसे तंत्र के सामने खड़े हैं, जहां मेहनत से ज्यादा महत्व पेपर माफियाओं, भ्रष्ट नेटवर्क और सरकारी विफलताओं का हो गया है। यह स्थिति किसी एक परीक्षा या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की शिक्षा और भर्ती व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। पिछले बारह वर्षों में भाजपा सरकार ने "न्यू इंडिया", "अमृतकाल" और "विश्वगुरु" जैसे बड़े-बड़े नारे दिए, लेकिन जब देश का युवा रोजगार और निष्पक्ष परीक्षा की मांग करता है, तो उसे केवल आश्वासन, जांच समितियां और नई तारीखें मिलती हैं। वास्तविकता यह है कि आज भारत का युवा बेरोजगारी, पेपर लीक और भर्ती घोटालों की त्रासदी झेल रहा है।

साल 2014 से 2024 के बीच देश में लगभग 89 पेपर लीक के मामले सामने आए और 48 बार परीक्षाएं दोबारा आयोजित करनी पड़ीं। 2026 में भी ऐसी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। NEET, NET, पुलिस भर्ती, शिक्षक नियुक्ति, रेलवे और विभिन्न राज्य स्तरीय परीक्षाओं में बार-बार सामने आए घोटालों ने युवाओं का भरोसा हिला दिया है। करोड़ों परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई पर अपनी आय का बड़ा हिस्सा खर्च करते हैं। कई माता-पिता कर्ज लेकर कोचिंग फीस भरते हैं। छात्र वर्षों तक घर-परिवार से दूर रहकर तैयारी करते हैं। लेकिन जब परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र बाजार में बिक जाते हैं, तब केवल परीक्षा ही नहीं, बल्कि करोड़ों सपनों की हत्या होती है।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि देश की सबसे प्रतिष्ठित और संवेदनशील परीक्षाओं में भी पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश का प्रमुख माध्यम बन चुकी ठएएळ परीक्षा विवादों के केंद्र में रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं के बढ़ते दबाव, अनिश्चितता और लगातार बदलती परिस्थितियों ने हजारों छात्रों को मानसिक तनाव की ओर धकेला है। अनेक दुखद घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि यह केवल प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट बन चुका है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना रहे हैं। उनका कहना है कि यह केवल पेपर लीक का मामला नहीं, बल्कि उन संस्थाओं के व्यवस्थित क्षरण का परिणाम है जो देश की परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं का संचालन करती हैं। जब योग्यता और निष्पक्षता की जगह राजनीतिक निष्ठा को प्राथमिकता दी जाती है, तब संस्थाएं अपनी विश्वसनीयता खो देती हैं। यही कारण है कि आज युवा केवल सरकार की नीतियों पर नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है।

भाजपा सरकार की सबसे बड़ी विफलताओं में से एक यह रही है कि उसने हर बड़े घोटाले के बाद पहले इनकार किया, फिर दबाव बढ़ने पर सीमित कार्रवाई का दिखावा किया। पेपर लीक की घटनाओं में अक्सर छोटे लोगों की गिरफ्तारी होती है, लेकिन उन बड़े नेटवर्कों तक जांच नहीं पहुंचती जो इस पूरे कारोबार को संचालित करते हैं। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि कहीं न कहीं सत्ता का संरक्षण इन माफियाओं को प्राप्त है।

यह स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि देश पहले से ही बेरोजगारी की चुनौती का सामना कर रहा है। लाखों सरकारी पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं। भर्ती प्रक्रियाएं या तो शुरू नहीं होतीं, या फिर अदालतों और घोटालों में उलझ जाती हैं। ऐसे में यदि परीक्षा प्रणाली भी अविश्वसनीय हो जाए, तो युवाओं में निराशा बढ़ना स्वाभाविक है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि सरकार युवाओं की इस पीड़ा को समझने के बजाय अक्सर उनके सवालों को राजनीतिक चश्मे से देखने लगती है।

इसके विपरीत कांग्रेस का दृष्टिकोण हमेशा स्पष्ट रहा है कि शिक्षा कोई वस्तु नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त अधिकार है। यूपीए सरकार के कार्यकाल में शिक्षा को सामाजिक न्याय और समान अवसर के उपकरण के रूप में देखा गया। शिक्षा का अधिकार कानून ने पहली बार देश के बच्चों को शिक्षा का कानूनी अधिकार प्रदान किया। सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, छात्रवृत्ति योजनाएं और मध्याह्न भोजन योजना के विस्तार ने लाखों गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ा।

इसी अवधि में देशभर में नए IIT, IIM, NIT, केंद्रीय विश्वविद्यालय और अक्क्स्टर की स्थापना या स्वीकृति दी गई। उद्देश्य स्पष्ट था–उच्च शिक्षा तक पहुंच को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित रखने के बजाय समाज के हर वर्ग के लिए खोलना। कांग्रेस ने शिक्षा को सामाजिक सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण का माध्यम माना।

दूसरी ओर, भाजपा शासनकाल में शिक्षा के क्षेत्र में निजीकरण की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कई सकारात्मक बातें जरूर हैं, लेकिन नीति की सफलता केवल दस्तावेजों से नहीं, बल्कि संसाधनों और राजनीतिक इच्छाशक्ति से तय होती है। स्वयं राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा पर GDP का 6 प्रतिशत सार्वजनिक निवेश करने की बात करती है, लेकिन यह लक्ष्य आज भी अधूरा है। शिक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश की कमी के कारण सरकारी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों को अपेक्षित संसाधन नहीं मिल पा रहे हैं।

आज स्थिति यह है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा धीरे-धीरे महंगी होती जा रही है। गरीब, किसान, मजदूर, दलित, आदिवासी और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच पहले से अधिक कठिन हो गई है। यदि शिक्षा अवसर के बजाय आर्थिक क्षमता पर निर्भर होने लगे, तो सामाजिक न्याय की अवधारणा कमजोर पड़ जाएगी। कांग्रेस का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था को बचाने के लिए केवल भाषण नहीं, बल्कि ठोस सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, पेपर लीक और भर्ती घोटालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके लिए सर्वोच्च न्यायिक निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाना चाहिए। दूसरा, परीक्षा सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र और आधुनिक राष्ट्रीय तंत्र विकसित किया जाना चाहिए, जो तकनीकी और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित करे। तीसरा, शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर कम-से-कम GDP का 6 प्रतिशत किया जाना चाहिए। चौथा, सभी रिक्त शिक्षक पदों और सरकारी नौकरियों में समयबद्ध नियुक्तियां सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इसके अलावा, पेपर लीक को संगठित अपराध की श्रेणी में लाकर दोषियों के खिलाफ कठोर दंड का प्रावधान किया जाना चाहिए। जिन छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है, उन्हें मानसिक और आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए। सरकार का दायित्व केवल परीक्षा आयोजित करना नहीं, बल्कि छात्रों के विश्वास की रक्षा करना भी है।

आज भारत का युवा किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं कर रहा है। वह केवल निष्पक्ष अवसर, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और अपनी मेहनत का सम्मान चाहता है। लेकिन जब बार-बार पेपर लीक होते हैं, भर्ती प्रक्रियाएं वर्षों तक लटकती हैं और सरकार जवाबदेही से बचती है, तब युवाओं का विश्वास टूटता है। किसी भी राष्ट्र के लिए इससे बड़ी चिंता की बात नहीं हो सकती।

भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यदि यही युवा व्यवस्था से निराश हो गया, तो इसका प्रभाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति पर भी पड़ेगा। इसलिए शिक्षा और रोजगार का प्रश्न केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय है। आज समय की मांग है कि शिक्षा को बाजार नहीं, अधिकार माना जाए; परीक्षा को कारोबार नहीं, प्रतिभा की कसौटी बनाया जाए; और युवाओं को आंकड़ों का हिस्सा नहीं, राष्ट्र निर्माण का भागीदार समझा जाए।

कांग्रेस ने शिक्षा को अधिकार बनाकर करोड़ों गरीब बच्चों के लिए अवसरों के दरवाजे खोले थे। आज आवश्यकता है कि उसी भावना को फिर से मजबूत किया जाए। क्योंकि मजबूत भारत की नींव मजबूत शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के सुरक्षित भविष्य पर ही टिक सकती है।

सूडोकु नवताल- 7836

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7835 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

हादसों का मंजर व्यवस्था की लापरवाही

अजय कुमार

आचार्य चाणक्य ने सदियों पहले एक शाश्वत सत्य कहा था कि बुद्धिमान शासक वही है जो आने वाले संकट को पहले से भांप ले और उसके निराकरण का उपाय करे। लेकिन आज के 'लोकतंत्र' में जब हम लखनऊ की उस तीन मंजिला इमारत को 'लाक्षागृह' बनते देखते हैं, जहां 15 मासूम चिराग एक साथ बुझ गए, तो चाणक्य की वह सीख एक तंज की तरह चुभती है। यह महज एक हादसा नहीं है, बल्कि उस प्रशासनिक शीतनिद्रा का परिणाम है जो केवल लाशों के ढेर पर ही जागती है। लखनऊ के अलीगंज में जो हुआ, वह कोई इत्तेफाक नहीं था। यह उस जर्जर और भ्रष्ट व्यवस्था का निचोड़ है, जहां सुरक्षा मानकों को फाइलों के भीतर दफन कर दिया जाता है और भ्रष्टाचार को धरातल पर फलने-फूलने का मौका दिया जाता है।

सवाल यह नहीं है कि कोचिंग सेंटर में आग क्यों लगी, सवाल यह है कि कोचिंग सेंटर वहां क्यों चल रहा था? 2014 में जिस इमारत का नक्शा आवासीय उपयोग के लिए पास हुआ, वह कब और कैसे एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में तब्दील हो गई? 2016 में जब लखनऊ विकास प्राधिकरण ने उस अवैध निर्माण को ढहाने का आदेश दिया था, तो महज दो महीने बाद वह आदेश किस 'चमत्कारिक' दबाव में रद्द कर दिया गया? इन 10 वर्षों के अंतराल में 30 इंजीनियर और जोनल अधिकारी उस क्षेत्र से गुजरे, क्या किसी की नजर उस इमारत की अवैध व्यावसायिक गतिविधि पर नहीं पड़ी? आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि यह लापरवाही का नहीं, बल्कि मिलीभगत का एक सुनियोजित तंत्र है। एलडीए के सूत्रों की मानें तो शहर में 30 हजार से अधिक आवासीय भूखंडों पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स खड़े हैं और इनके पीछे इंजीनियरों की एक तय 'रेट लिस्ट' काम करती है। एक चार मंजिला अवैध इमारत के निर्माण पर 20 से 25 लाख रुपये की वसूली का खेल चलता है। जब व्यवस्था ही पैसों की नींव पर टिकी हो, तो सुरक्षा की उम्मीद करना ही बेमानी है।

लखनऊ का यह हादसा दिल्ली के मालवीय नगर के होटल और बिहार के निजी अस्पताल की घटनाओं की कड़वी यादें ताजा कर देता है। हर बार घटना के बाद सिस्टम का वही पुराना 'स्क्रिप्टेड' ड्रामा शुरू होता है। हादसे के अगले ही दिन प्रशासन अति-सक्रिय हो जाता है, सीलिंग की कार्रवाई होती है, अधिकारियों को सस्पेंड किया जाता है और कुछ दिनों के लिए एक खौफ का माहौल बनाया जाता है। लेकिन क्या यह समाधान है? कानपुर में 30 से अधिक बड़ी कोचिंग संस्थाओं को सील कर देना, प्रयागराज और वाराणसी में धड़ाधड़ कार्रवाई करना यह सब महज एक स्वांग है। अगर यही फुर्ती हादसे से पहले दिखाई गई होती, तो उन 15 घरों के बुझ चुके चिराग आज अपनी कक्षाओं में पढ़ रहे होते। ब्रिटिश दार्शनिक एडमंड बर्क ने सही कहा था कि समय पर सावधानी बरतना बाद में पछताने से कहीं बेहतर है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां प्रशासन 'सावधानी' के बजाय 'हादसे' के बाद 'दिखावटी कार्रवाई' को अपनी जिम्मेदारी समझता है।

इस पूरे प्रकरण की सबसे दर्दनाक कड़ी वह 'फायरमैन' का वायरल वीडियो है, जिसने व्यवस्था की चूलें हिला दी हैं। एक पढ़ा-लिखा सिपाही जब अपनी जान जोखिम में डालकर यह आरोप लगाता है कि असली दोषी बड़े अधिकारी हैं, तो सिस्टम का चेहरा और भी घिनौना हो जाता है। जब तक नीचे के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाया जाता रहेगा और मलाई खाने वाले अधिकारी सुरक्षित रहेंगे, तब तक जवाबदेही कभी तय नहीं हो पाएगी। मुख्यमंत्री ने मिशन मोड में फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश दिए हैं, जो स्वागत योग्य है, लेकिन यह ऑडिट कागजों की खानापूर्ति बनकर न रह जाए, इसकी गारंटी कौन लेगा? क्या हर अस्पताल, नर्सिंग होम और कोचिंग सेंटर का वास्तविक ऑडिट होगा, या फिर वही पुरानी परंपरा चलेगी जहां एनओसी केवल टेबल के नीचे के लेन-देन से मिल जाती है?

अवैध निर्माण की समस्या महानगरों में एक कैंसर की तरह फैल चुकी है। बेसमेंट में कोचिंग सेंटर, पार्किंग की जगह पर दुकानें और संकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतों का जाल यह सब बिना स्थानीय निकाय, अग्निशमन विभाग और पुलिस की मिलीभगत के संभव नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ राजधानी में इस साल आग लगने की घटनाओं में 65 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद अगर हम सबक नहीं ले रहे, तो इसका अर्थ है कि हम अगली त्रासदी का निमंत्रण दे रहे हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी गगनचुंबी इमारतों से नहीं, बल्कि उस सुरक्षा चक्र से होती है जिसे वह अपने नागरिकों के लिए बुनता है। लखनऊ की आग ने साबित कर दिया है कि हमारे सुरक्षा ढांचे में कोई बुनियादी दोष है। आग सिर्फ बिजली के शॉर्ट सर्किट से नहीं लगती, यह लापरवाही की उन लपटों से भी लगती है जो सिस्टम की खामोशी से ईंधन पाती हैं।

राजनीतिक बयानबाजी अपनी जगह है। डिप्टी सीएम का यह कहना कि पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का परिणाम है, और अखिलेश यादव का यह पूछना कि भ्रष्टाचार के ऊपर आखिर कौन सी ताकत है यह सब राजनीति के खेल हैं। लेकिन इन आरोपों-प्रत्यारोपों के बीच वो 15 परिवार हमेशा के लिए सूने हो गए। जिस इमारत में आग लगी, वहां न तो आपातकालीन निकास था, न ही दमकल के आधुनिक यंत्र। यह कैसी विडंबना है कि एक तरफ 'डिजिटल इंडिया' की बात हो रही है और दूसरी तरफ हम उन बुनियादी सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित नहीं कर पा रहे जो 21वीं सदी के शहरी जीवन की अनिवार्य शर्त हैं।

दैनिक पंचांग

25 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 176 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि एकादशी 20.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 16.29 बजे को समाप्त।
योग शिव 10.54 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.09 बजे तदनन्तर विष्टि 20.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872751
जूलियन दिन 2461216.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम
तारीख 09
विशेष निर्जला एकादशी, गायत्री जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.53 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	09.09 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	11.21 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.32 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.47 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	18.03 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.08 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.54 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.27 बजे से
		मेष	00.58 बजे से
		वृष	02.38 बजे से
		मिथुन	04.36 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पंचकठिया मोड़ पर दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत, एक गंभीर

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचकठिया मेन रोड में दो बाइक का आपस में जोरदार टक्कर हुआ। जिसमें रक्सी गाँव निवासी 43 वर्षीय भोलका केवट पिता बाबूराम केवट, पचकठिया बाजार से बोरियो की ओर जा रहा था तभी दूसरा बाइक सवार चुटिया गाँव निवासी 20 वर्षीय राजा हांसदा पिता दुखो हांसदा, पत्नी 19 वर्षीय मरांबीटी मुर्मू के साथ पचकठिया की ओर आ रहा था। इसी दौरान दोनों की बाइक पचकठिया बाजार स्थित रक्सी मोड़ पर टकरा गई। इस दुर्घटना में घायल 43 वर्षीय भोलका केवट का सीएचसी बरहेट में डॉ. तौशिफ आजम ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। चिकित्सक ने बताया कि अन्य दो को सामान्य चोट पहुंची है। इधर मामले की सूचना मिलने के बाद बरहेट थाना पुलिस ने घटनास्थल से दोनों बाइक को अपनी सुरक्षा में ले लिया है तथा घटना के कारण की छानबीन में जुट गई है।

पेयजल सुविधा को लेकर छात्र ने बीडीओ को दिया आवेदन

साहिबगंज: जिले के बरहेट प्रखंड के प्लस टू एस.एस.डी. हाई स्कूल बरहेट के छात्रावास में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर एक दर्जन छात्र बीडीओ से मिलकर आवेदन सौंपा। छात्र मंगल मुर्मू ने बताया कि छात्रावास में बोरिंग का मोटर जल जाने के कारण खराब हो गया,जिससे पानी आपूर्ति बंद है। हम सभी छात्र को काफी परेशानी होती है। पानी को लेकर छात्रावास के बाहर से लाकर कार्य चल रहा है। वही बीडीओ को आवेदन देकर जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। बीडीओ अंशु कुमार पांडे ने छात्र को समस्या समाधान करने का जल्द से जल्द आश्वासन दिया है।

मतदाता सूची में कोई पात्र न छूटे, बीएलए निभाएं जिम्मेदारी : बीडीओ

साहिबगंज: जिले के राजमहल प्रखंड सभागार में बुधवार को सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीडीओ मो. यूसुफ ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बीएलए की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीएलए, बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित कर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संकलन कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जिला स्तरीय साइकिलिंग एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पाकुड़ : जिला प्रशासन एवं जिला ओलंपिक संघ, पाकुड़ के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर आयोजित खेल सप्ताह के दूसरे दिन बैंक कॉलोनी स्टेडियम, पाकुड़ में जिला स्तरीय साइकिलिंग एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा एवं खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं साइकिलिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार तथा जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अर्धेन्दु गांगुली एवं सचिव रणवीर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। बालक एवं बालिका वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता में कुल 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

राजमहल में जमीन विवाद बना जानलेवा मारपीट में बुजुर्ग की मौत, दो गंभीर घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत महासिंहपुर पंचायत के जयरामडांगा गांव में बुधवार को जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। सगे भाइयों के बीच विवादित जमीन पर बाउंड्री निर्माण को लेकर हुई मारपीट में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक की पहचान रुदल यादव (70) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रुदल यादव और उनके भाई हरिकिशोर यादव के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। कई बार पंचायत स्तर पर मामले के समाधान का प्रयास किया गया, लेकिन विवाद खत्म नहीं हो सका। बताया जाता है कि बुधवार को हरिकिशोर यादव विवादित भूमि पर बाउंड्री निर्माण करा रहे थे। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। मृतक के बेटे रामदेव यादव ने आरोप लगाया है कि हरिकिशोर यादव और उनके बेटे रामअवतार यादव, धर्मराज यादव, धर्मवीर यादव और परमेश्वर यादव ने मिलकर उनके परिवार पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे रुदल यादव, उनकी पत्नी रेखा देवी (60) और बेटे जीतू यादव (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में ग्रामीणों व परिजनों की मदद से तीनों को अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल पहुंचाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सक डॉ उदय टुडू ने जांच के बाद रुदल यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं रेखा देवी और जीतू यादव की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन व थाना प्रभारी हसनैन अंसारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। आवेदन और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर एएसआई महादेव उरांव, सनातन हेंब्रम, नंदकिशोर यादव,सर्जन मुर्मू एवं पुलिस बल मौजूद थे।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने तीन नाबालिगों को सुरक्षित बचाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : रेल परिसरों एवं ट्रेनों में यात्री सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा अवैध गतिविधियों की रोकथाम के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), मालदा मंडल, मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथा बरुण कुमार बेहरा, सहायक सुरक्षा आयुक्त/प्रभारी, आरपीएफ मालदा के पर्यवेक्षण में स्टेशनों एवं ट्रेनों पर नियमित निगरानी एवं विशेष अभियान संचालित कर रहा है। इसी क्रम में, ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते तथा अन्य निवारक उपायों के अंतर्गत, 24 जून 2026 को बरहरवा रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच, गश्त एवं निगरानी के दौरान आरपीएफ पोस्ट बारहरवा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रातः लगभग 05:05 बजे प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर तीन नाबालिग बालकों को संदिग्ध परिस्थिति में अकेले घूमते हुए देखा। पूछताछ करने पर पता चला कि उक्त नाबालिग बालक अपने अभिभावकों को बिना बताए घर से निकल आए थे तथा मजदूरी कार्य करने के उद्देश्य से दिल्ली जाने की योजना बना रहे थे। बालकों की कम आयु एवं उनकी संवेदनशील स्थिति को देखते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया तथा आवश्यक कार्रवाई की गई। उसके उपरांत मंथन, साहिबगंज के प्रतिनिधियों को सूचित किया गया। परामर्श एवं आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण होने के उपरांत नाबालिग बालकों को उनकी देखभाल, संरक्षण, परामर्श एवं आगे की आवश्यक कार्रवाई हेतु मंथन, राजमहल, साहिबगंज के प्रतिनिधियों को सुरक्षित रूप से सुपुर्द कर दिया गया।

अमड़ापाड़ा हाट परिसर में कचरे का अंबार, स्वच्छता व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में स्वच्छता और कूड़ा प्रबंधन के नाम पर हर वर्ष लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद अमड़ापाड़ा बाजार की स्थिति बदहाल बनी हुई है। प्रखंड मुख्यालय स्थित हाट परिसर, बस स्टैंड और हनुमान मंदिर के पीछे बड़े पैमाने पर कचरे का अंबार लगा हुआ है। विशेष रूप से हाट परिसर में बने कृषि शेड को स्थानीय लोगों ने कूड़ेदान में तब्दील कर दिया है, जहां पूरे बाजार का कचरा लाकर फेंका जा रहा है। इससे आसपास के लोगों को दुर्गंध, गंदगी और संक्रमण की आशंका के बीच जीवन यापन करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंगलवार और शनिवार को लगने वाले साप्ताहिक हाट में इसी कृषि शेड और उसके आसपास सब्जी, फल तथा अन्य कृषि उत्पादों की बिक्री होती है। लेकिन नियमित सफाई और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था नहीं होने के कारण व्यापारियों और ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हाट समाप्त होने के बाद कचरा वहीं पड़ा रह जाता है, जिससे पूरा परिसर गंदगी से भर जाता है। ग्रामीण राजेश भगत, संतोष भगत, विनय भगत, एजाजुल शेख और मंगल मुर्मू ने बताया कि अमड़ापाड़ा की पहचान क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में होती है, लेकिन यहां कूड़ा प्रबंधन की व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। उनका आरोप है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और पंचायत प्रशासन इस गंभीर समस्या के प्रति उदासीन बने हुए हैं। लोगों का कहना है कि चुनाव के दौरान विकास और स्वच्छता के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनप्रतिनिधियों का ध्यान मूलभूत समस्याओं से हट जाता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत क्षेत्र में 15वें वित्त आयोग की राशि से विभिन्न विकास योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है, लेकिन कई योजनाओं में पारदर्शिता की कमी दिखाई देती है। उनका कहना है कि ग्राम सभा की प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी कई सवाल उठते रहे हैं। लोगों ने मांग की कि विकास योजनाओं और स्वच्छता कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा कूड़ा प्रबंधन के लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला में 134 युवाओं को मिली नौकरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत जिला नियोजनालय सह मॉडल करियर सेंटर, पाकुड़ द्वारा बाजार समिति परिसर, पाकुड़ में एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का भव्य आयोजन किया गया। रोजगार मेले में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मेले में आठवीं उत्तीर्ण से लेकर स्नातक स्तर तक के अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। कुल 23 प्रतिष्ठित निजी कंपनियों ने मेले में भाग लेकर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया। रोजगार मेले में कुल 530 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण कराया। विभिन्न कंपनियों द्वारा आयोजित साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के उपरांत 134 अभ्यर्थियों का ऑन-द-स्पॉट चयन किया गया तथा 258 अभ्यर्थियों को आगामी चयन प्रक्रिया हेतु शॉर्टलिस्ट किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए, जिससे उनके बीच उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला नियोजन पदाधिकारी राहुल कुमार ने कहा कि पहली नौकरी युवाओं के करियर की महत्वपूर्ण शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि सफलता केवल वेतन से नहीं, बल्कि अनुभव, कौशल और निरंतर सीखने की क्षमता से प्राप्त होती है। युवाओं को प्रत्येक अवसर का लाभ उठाकर अपने कौशल को विकसित करना चाहिए तथा आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा युवाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर विवाहिता ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के लालमाटी मखानी गांव में बुधवार को एक 19 वर्षीय विवाहिता ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है मिली जानकारी के अनुसार लालमाटी मखानी निवासी राहुल राम की पत्नी अनिता कुमारी (19) ने घर के पीछे स्थित बगीचे में अमड़ा के पेड़ से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतका की सास उषा देवी ने बताया कि अनिता गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौटी थी। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्य भी समारोह में गए हुए थे। उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद सूचना मिली कि अनिता घर के पीछे बगीचे में पेड़ से लटकी हुई है। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे फंदे से उतारकर तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर राजमहल थाना पुलिस अस्पताल एवं घटनास्थल पहुंची तथा मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखा है। शव का पोस्टमार्टम गुरुवार को कराया जाएगा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना के पीछे पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच और परिजनों के बयान के बाद ही चल सकेगा।

बीजीआर स्किल डेवलपमेंट सेंटर में मोबाइल रिपेयरिंग इलेक्ट्रीशियन एवं डंपर सिम्युलेटर प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

आमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड क्षेत्र के युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित बीजीआर स्किल डेवलपमेंट सेंटर, आमड़ापाड़ा में बुधवार को मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रीशियन कोर्स एवं अत्याधुनिक डंपर सिम्युलेटर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अंचल अधिकारी औसफ अहमद खां एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। केंद्र में पहले से ही बेसिक कंप्यूटर ऑपरेटर, सिलाई-कढ़ाई एवं एलएमवी ड्राइविंग जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। अब मोबाइल रिपेयरिंग और इलेक्ट्रीशियन जैसे नए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के शुरू होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर खुलेंगे। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के पांचवें एवं छठे बैच के सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पूरा करने वाली छात्राओं के बीच स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 64 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। सिलाई मशीन प्राप्त कर छात्राओं के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। इस अवसर पर स्थापित डंपर सिम्युलेटर को क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली प्रशिक्षुओं को वास्तविक खदानों में उपयोग होने वाले भारी डंपरों के संचालन का सुरक्षित एवं आभासी वातावरण में प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इससे युवाओं को वास्तविक मशीनों पर कार्य करने से पहले आवश्यक तकनीकी दक्षता एवं सुरक्षा मानकों की बेहतर जानकारी मिल सकेगी। अपने संबोधन में अंचल अधिकारी औसफ अहमद खां एवं बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता ने कहा कि आमड़ापाड़ा के युवाओं को कौशल विकास का उत्कृष्ट अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने युवाओं से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल भी रोजगार प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

विद्यालयों में पाकुड़ पुलिस का जागरूकता अभियान नशामुक्त और सुरक्षित समाज का दिया संदेश

पाकुड़ : पुलिस अधीक्षक पाकुड़ अनुदीप सिंह के निर्देश पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के केकेडीएम उच्च विद्यालय झिकरहाटी, लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के सरस्वती शिशु विद्यालय तथा मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र के नगरनवी उच्च विद्यालय में आयोजित किया गया। अभियान के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक एवं संबंधित थाना प्रभारियों ने विद्यार्थियों को नशा एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, साइबर अपराध, यातायात नियमों तथा विभिन्न सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों ने बताया कि नशीले पदार्थों का सेवन शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और यातायात नियमों का अनुपालन करने की सलाह दी गई। साथ ही बाल विवाह, बाल मजदूरी, दहेज प्रथा और डायन प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध है और इससे बच्चों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों को बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) की जानकारी भी दी गई। इसके अलावा आपातकालीन सहायता के लिए डायल-112 तथा साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं पुलिस पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने नशामुक्त, सुरक्षित एवं सामाजिक कुरीतियों से मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

मुहर्रम को लेकर पाकुड़ पुलिस सतर्क, संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च और मॉक ड्रिल

पाकुड़ : मुहर्रम पर्व-2026 को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पाकुड़ पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर जिले के महेशपुर, रद्दीपुर और लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के तहत फ्लैग मार्च एवं दंगारोधी उपकरणों के साथ विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। थाना प्रभारियों के नेतृत्व में झारखंड सशस्त्र पुलिस (जेएपी), आईआरबी एवं जिला बल के जवानों ने सभी सुरक्षा एवं दंगारोधी उपकरणों जैसे लाठी, हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, टीजी गन और वाटर कैनन के साथ पैदल फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान महेशपुर थाना क्षेत्र के बलियाडांगा, रोलाग्राम, छक्कुधारा से लेकर महेशपुर चौक तक, रद्दीपुर ओपी क्षेत्र के दहापाड़ा, फुटानी मोड़, चिनाडांगा एवं पहाड़िया टोला सहित विभिन्न संवेदनशील इलाकों में मार्च किया गया। वहीं लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र में लिट्टीपाड़ा चौक से रांगा, बादल चौक, फुलपहाड़ी और बड़ा सरसा तक पुलिस बल ने पैदल गश्त कर लोगों से शांति एवं भाईचारे के साथ मुहर्रम मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजनों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। पुलिस बल की मौजूदगी से लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी देखने को मिला। इसके साथ ही सभी थाना एवं ओपी में गठित क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) के पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को विशेष ब्रीफिंग दी गई। थाना प्रभारियों ने सभी जवानों को हेलमेट, लाठी, बॉडी प्रोटेक्टर और अन्य दंगारोधी उपकरणों के साथ अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थलों पर 24 घंटे सतर्क एवं तैयारी की स्थिति में रहने का निर्देश दिया।

गंगा दशहरा पर उत्तरवाहिनी गंगा में उमड़ा आस्था का सैलाब

साहिबगंज: जिले के राजमहल, प्रखंड में गंगा दशहरा के मौके पर उत्तरवाहिनी गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने बुधवार को आस्था की डुबकी लगाई। अहले सुबह से ही शहर, प्रखंड सहित बरहरवा, बरहेट, बोरीयो माधो पाड़ा, केलाबाड़ी, उधवा, जामनगर, तीन पहाड़, मुरली, दरला, जामनगर, लखीपुर, पाकुड़, दुमका, गोड्डा सहित प. बंगाल, बिहार आदि जगह से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शहर के सूर्य देव घाट, फेरि घाट, राम घाट, हनुमान घाट, संगत घाट आदि जगह पर मान्यता के अनुसार लोगों ने पूरे विधि विधान से गंगा स्नान कर गंगा पूजन किया। साथ ही विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना कर दान पुण्य किया और अपने परिजनों के लिए सुख समृद्धि एवं मंगल कामना की। साथ ही श्रद्धालुओं ने अपनी मन्नत पूरी होने पर गंगा घाटों पर अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया, वस्त्र, कबूतर, आदि अन्य चीजों का दान किया। इस वर्ष तिथि के अनुसार अधिक मात्रा होने के कारण 24 में को भी अधिकांश श्रद्धालुओं ने गंगा दशहरा मनाया था और गंगा स्नान किया था पुरोहितों का कहना है कि अधिक मास के कारण आज गंगा दशहरा मनाया गया। मान्यताओं के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करने से जीवन में आ रही समस्याएं दूर हो जाती हैं। इस विशेष दिन 10 चीजों के दान को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गंगा दशहरा के दिन जल, अन्न, वस्त्र, फल, पूजन, श्रृंगार, घी, नमक, शक्कर और स्वर्ण का दान करना बहुत ही शुभ और फलदाई माना जाता है।

अज्ञात चोरों ने मिठाई दुकान में की चोरी

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे आम लोगों और व्यापारियों में चिंता का माहौल है। ताजा मामले में अज्ञात चोरों ने रसूलपुर-दहला मुख्य सड़क स्थित पुल के समीप एक मिठाई दुकान का ताला तोड़कर करीब 18 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है। चोरी की इस वारदात के बाद क्षेत्र के व्यवसायियों में दहशत और नाराजगी देखी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, नया टोला निवासी संतोष कुमार मंडल की मिठाई दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। बुधवार सुबह जब संतोष कुमार मंडल अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने देखा कि दुकान के मुख्य दरवाजे के दोनों ताले टूटे हुए हैं। दुकान के अंदर प्रवेश करने पर सामान बिखरा पड़ा मिला। गल्ले की जांच करने पर पता चला कि उसमें रखे लगभग 18 हजार रुपये नकद गायब हैं। इसके बाद उन्होंने तत्काल घटना की सूचना नगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा संभावित साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

एक नजर

चांपी गांव में घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और अभद्रता का आरोप

तेनुघाट : तेनुघाट ओपी क्षेत्र के चांपी गांव में घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और महिला के साथ अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़िता ने तेनुघाट ओपी में आवेदन देकर 12 नामजद लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार 23 जून की शाम आरोपी हथियार लेकर घर में घुसे, गाली-गलौज की और सामान तोड़ दिया। विरोध करने पर बंटी करमाली पर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने जातिसूचक गाली, महिलाओं के साथ मारपीट, निर्वस्त्र करने की कोशिश तथा सोने-चांदी के आभूषण छीनने का भी आरोप लगाया है। घटना के बाद शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देने की बात कही गई है। तेनुघाट ओपी प्रभारी भजन लाल महतो ने बताया कि आवेदन मिला है, एक व्यक्ति घायल हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

70वीं बीपीएससी में मनीषा साफी बनीं रेवेन्यू ऑफिसर

तेनुघाट : तेनुघाट निवासी जवाहर साफी की पुत्री एवं पूर्व मुखिया स्वर्गीय मातवर साफी की पोती मनीषा साफी ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा में 259वीं रैंक हासिल कर रेवेन्यू ऑफिसर पद पर चयनित होकर पूरे तेनुघाट का गौरव बढ़ाया है। मनीषा ने वर्ष 2024 में मात्र 21 वर्ष की आयु में बीपीएससी सीसीई परीक्षा दी थी और पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

एक साधारण परिवार से आने वाली मनीषा की उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर तेनुघाट पंचायत की मुखिया नीलम श्रीवास्तव, पंचायत समिति सदस्य अजीत कुमार पांडेय तथा समाजसेवी संतोष श्रीवास्तव ने उन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और परिजनों को अंगवस्त्र भेंट किया। परिजनों ने बताया कि मनीषा की कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण का ही परिणाम है कि उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। सफलता की खबर मिलते ही रिश्तेदारों, मित्रों और स्थानीय लोगों का बधाई देने के लिए तांता लग गया। सभी ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

जमीन के जाली पेपर बनाने पर चाचा को भतीजे ने मारी थी गोली, गिरफ्तार

पलामू : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के ठेकेदार एवं मेदिनीनगर के बारालोटा निवासी संजय तिवारी गुड्डू को गोली मारने के मुख्य आरोपित और उनके भतीजे प्रीतम तिवारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रीतम को चियांकी हवाई अड्डा के पास से बुधवार की सुबह गिरफ्तार किया गया। घटना में इस्तेमाल 7.65 एमएम का पिस्टल भी बरामद किया गया। प्रीतम ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि 20 जून को जीएलए कॉलेज अष्टभुजी मंदिर के सामने संजय तिवारी गुड्डू को गोली मार दी गयी थी। संजय मंदिर से पूजा कर निकले थे और जूता पहन रहे थे। अनुसंधान और परिजनों के बयान पर घटना को संजय के भतीजे प्रीतम तिवारी की ओर से अंजाम दिए जाने का खुलासा हुआ था।

विस्थापितों का मुद्दा गरमाया, बीएसएल के खिलाफ भाकपा माले का हल्ला बोल प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में एक बार फिर विस्थापितों का मुद्दा गरमा गया है जहां इरछ के खिलाफ भाकपा माले का हल्ला बोल प्रदर्शन बोकारो स्टील प्लांट के एडीएम बिल्डिंग के पास आज देखने को मिली। हजारों की संख्या में महिला और पुरुष भाकपा माले के बैनर तले आज नयामोड़ से रैली की शक्ल में ढोल नगाड़े और गाजा बाजा के साथ बीएसएल क एडीएम बिल्डिंग के पास पहुंचे, इस दौरान सुरक्षा का भी पुख्ता इंतजाम किया गया था जहां सिटी थाना पुलिस मौके पर मौजूद थी। इस दौरान रैली बगल के टूटने गार्डन में जनसभा में तब्दील हो गई। मौके पर मौजूद बीएसएल के अधिकारी को 7 सूत्री मांगपत्र सौंपा गया जिसमें बीएसएल प्लांट में विस्थापितों के नियोजन के साथ साथ अन्य मांगे रखी गई। भाकपा माले नेता राजू दुबे सहित अन्य नेताओं ने कहा कि विस्थापित अपना सारा जमीन बीएसएल प्लांट के निर्माण को लेकर दे दिया और रोजगार के लिए दर दर की ठोकर खा रहे है ऐसे में सेल के निदेशक प्रभारी को मांग पत्र सौंपकर चेतावनी दी कि अगर एक सप्ताह में मांगें नहीं मानी गईं तो पारंपरिक हथियार और गाजा-बाजा के साथ पुन सड़क पर आंदोलन करेंगे और प्लांट का सभी गेट जाम करेंगे। 7 सूत्री मांगें जो इस प्रकार है जहां हर विस्थापित परिवार से एक नौकरी, कूलिंग पॉन्ड नंबर-2 में प्रदूषण रोकना और जांच की बात कही गई वहीं विस्थापित गांवों में अस्पताल-लाइब्रेरी-बिजली-सड़क, विस्तारीकरण में भागीदारी, शहीद प्रेम महतो के परिजनों को नौकरी और अप्रेंटिस संघ के सभी सदस्यों को नियुक्ति शामिल है।

नुक्कड़ नाटक से आईईएल पुलिस ने दिया नशा मुक्ति संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोमिया : नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आईईएल थाना प्रभारी श्यामल मण्डल के नेतृत्व में बुधवार को थाना क्षेत्र में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मून लाइट चौक, आईईएल में नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने दिखाया कि नशे की लत किस प्रकार व्यक्ति, परिवार और समाज को बबार्दी की ओर ले जाती है। नाटक में प्रभावशाली संदेश दिया गया कि "नशा उतरने पर पछताते, जर-जोरू-जमीन सब लूट जाते"। कलाकारों ने बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि व्यक्ति की आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक स्थिति भी बिगाड़ देता है। इस अवसर पर थाना प्रभारी श्यामल मण्डल ने कहा कि नशा व्यक्ति और समाज दोनों के लिए घातक है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं नशे का कारोबार या सेवन होता दिखे तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, दुकानदार एवं युवाओं ने भाग लिया। पुलिस ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाया। थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के लिए भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर चलाए जाएंगे।

बस्तेजी में जनजागरण बैठक, छह पंचायतों को पंचायती राज में शामिल कराने की मांग तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को चास प्रखण्ड के बस्तेजी गांव स्थित स्कूल प्रांगण के सामने एक जनजागरण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मदन किस्कू ने की। ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी देते हुए विनोद रॉय व संतोष मुर्मू ने प्रस्तावित छह पंचायतों को जल्द से जल्द पंचायती राज व्यवस्था में शामिल किए जाने का आह्वान किया। बैठक में कहा गया कि बोकारो जिले के चास प्रखण्ड की छह पंचायतें बैद्यमारा, उत्तरी महुआर, दक्षिणी महुआर, महेशपुर, कुंडौरी और पंचौरा अभी तक पंचायती राज व्यवस्था में शामिल नहीं की गई हैं। आगामी 2027 में होने वाले पंचायत चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर अगर समय रहते इन पंचायतों का आधिकारिक अधिसूचना व गजट जारी कर सरकार द्वारा आदेश नहीं दिए गए तो ग्रामीणों की परेशानियाँ और बढ़ जाएँगी। अपने वक्तव्य में संतोष मुर्मू ने चेतावनी देते हुए कहा कि इससे लोगों का जीवन असहनीय हो जाएगा, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भीम रजक ने बताया कि 16 मार्च 2026 को माननीय पंचायत राज राज्य मंत्री दीपिका पाण्डे की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी, जिसमें माननीय विधायक अरूप चटर्जी, श्वेता सिंह और उमाकांत रजक सहित पंचायत राज विभाग, भूमि व राजस्व विभाग के सचिव तथा बोकारो के उपायुक्त व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उस बैठक में विधायकगण ने आश्वासन दिया था कि मामला सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रहा है और शीघ्र ही उक्त पंचायतों को पंचायती राज व्यवस्था में शामिल कर दिया जाएगा। ग्रामीणों ने अधिकारियों से तत्काल अधिसूचना व गजट जारी करने की मांग की। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो जनजागरण अभियान के तहत उतरी क्षेत्र के ग्रामीण राज भवन तक पैदल मार्च समेत अन्य संवैधानिक कदम उठाएंगे। बैठक में उपस्थित प्रमुख ग्रामीणों में गणेश दे, संगीता कुमारी, बिजला देवी, धनी देवी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए चलाएं विशेष अभियान : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में बुधवार को सामाजिक सुरक्षा, बाल संरक्षण, श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों की ओर से संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न पेंशन योजनाओं से वंचित पात्र लाभुकों की पहचान कर उनका शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रहे। बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों (सीएनसीपी) को समय पर बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत करने और अधिक से अधिक बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन इकाई को थाना स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने और बस पड़ावों, हाट-बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही बाल श्रम, बाल विवाह एवं बच्चों से जुड़े संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। नियोजन विभाग की समीक्षा में उपायुक्त ने जिला एवं प्रखंड स्तर पर नियमित रोजगार शिविर आयोजित कर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और निजी एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ समन्वय बढ़ाकर युवाओं के नियोजन को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया। वहीं श्रम विभाग को असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का अधिकाधिक पंजीकरण सुनिश्चित करने, विभागीय कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र श्रमिकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

चेपाकला में आस्था का प्रतिक मंडा पूजा सह मेला आज तैयारी पूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड के चेपाकला गांव में आस्था का प्रतिक प्रारंपरिक मंडा पूजा सह मेला 25 जून को आयोजित किया जायेगा। जिसमें रात्रि में नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया होगा एंव 26 जून को लहलहाती अंगारो में नंगे पाँव चल कर शिव भक्ति 50 फिट ऊंचे लट्ठे पर झूल के आस्था का परिचय देंगें। मंदिर को साफ सफाई कर दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। पुरे मेला परिसर में लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। कमिटि की ओर से इस बार मेला परिसर में सीसी. टीवी कैमरा भी लगाया जा रहा है ताकी असमाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। वही चेपाकला पंचायत के मुखिया अनिकेत कुमार नायक ने कहा कि यह परंपरा हमारे पूर्वजों द्वारा 200 वर्षों से चलते आ रहा है। इस पूजा की खासीयत है की इस पूजा में शामील होने वाले भगतीया अपने घर से दौडते गिरते (भरते) हुए मंदिर तक आते हैं । इसमें दूर - दूर से भगतीया आते हैं जो कटकमदाग के चिची,कुबा गांव तथा सिंदवारी पंचायत के हेसाबार गांव से आते हैं। इस आस्था में पाटभगत शंकर करमाली, फूल भगत -चेपाकला पंचायत के मुखिया अनिकेत कुमार नायक, पाट बजनिया-अनिप तुरी ,बाकी भगत -बिजली महतो, प्रबील महतो, बालेश्वर तूरी , रमेश भोगता, कैला गंझू,सूरज भूइयां, बिनोद भुइयां सहित अन्य लोगों शामिल हैं।25 तारीक को फूलखूंदी सह मेला है तथा 26 जून को 50 फीट उंचे लट्ठे पर झूलेंगे साथ हीं मेले की शमाप्ती होगी।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड ने भारत की नौसैनिक ताकत को दी मजबूती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात मंत्रालय के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड ने भारतीय नौसेना के हाल ही में कमीशन किए गए तीन अत्याधुनिक जहाजों - उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय, और सर्वेक्षण पोत आईएनएस संशोधक के निर्माण के लिए पूरे 5,700 टन विशेष स्टील की आपूर्ति अकेले करके देश की नौसैनिक क्षमताओं को मजबूत करने में एक बार फिर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन तीनों उन्नत जहाजों को 21 जून, 2026 को कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर आयोजित एक ऐतिहासिक समारोह के दौरान माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। SAIL ने इन तीनों अत्याधुनिक जहाजों के लिए विशेष गुणवत्ता की DMR 249A ग्रेड हॉट-रोल्ड शीट और प्लेट की सप्लाई की है। कंपनी ने इस डिफेंस ग्रेड स्टील का उत्पादन और आपूर्ति अपने बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों के जरिये बेहद ही सावधानीपूर्वक किया है, जो इस बात का प्रमाण है कि SAIL के पास देश की समुद्री सुरक्षा की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतरीन और आधुनिक तकनीकी क्षमता है। SAIL देश के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों को लगातार आगे बढ़ा रहा है। रअक्छ देश के महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफार्मों के लिए विशेष स्टील का उत्पादन करके, भारत के रक्षा स्वदेशीकरण का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। देश की रक्षा क्षेत्र की उभरती जरूरतों को देखते हुए, रअक्छ ने डीएमआर ग्रेड प्लेटों का उत्पादन बढ़ाने हेतु अपनी प्लेट-उत्पादन सुविधाओं, विशेषकर राउरकेला स्टील प्लांट के 'स्पेशल प्लेट प्लांट' में पहले से ही अतिरिक्त पहल लागू किए हैं। यह रणनीतिक कदम रक्षा-ग्रेड स्टील के क्षेत्र में भारत के बढ़ते आयात प्रतिस्थापन में साफ दिखाई देता है। रअक्छ के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में ऐतिहासिक स्वदेशी विमान वाहक आईएनएस विक्रांत के साथ-साथ विशिष्ट प्रोजेक्ट 17A स्टील्थ फ्रिगेट्स - आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि के लिए स्टील की आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा, SAIL का विशेष स्टील आईएनएस अजय, आईएनएस निस्तार और आईएनएस अंजदीप जैसे शक्तिशाली जहाजों की रीढ़ है। इन उन्नत युद्धपोतों का सफल समावेश भारत की समुद्री संप्रभुता और क्षमताओं में एक निर्णायक मील का पत्थर है। SAIL अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा, "भारत के रक्षा क्षेत्र के एक प्रमुख भागीदार के रूप में, SAIL देश की आत्मनिर्भरता की जरूरतों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। कंपनी ने पहले से ही रक्षा क्षेत्र की लगातार बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, डीएमआर ग्रेड प्लेटों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर राउरकेला स्टील प्लांट के स्पेशल प्लेट प्लांट पर ध्यान केंद्रित किया है। इन उच्च-क्षमता वाली DMR 249A स्टील प्लेटों की आपूर्ति न केवल भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को मजबूती प्रदान करती है, बल्कि SAIL की अत्याधुनिक तकनीकी विशेषज्ञता को भी प्रमाणित करती है।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई, अवैध बालू ढुलाई करते दो ट्रैक्टर जब्त

बोकारो : उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार जिले में अवैध बालू खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में सोमवार को चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र में खान विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा सघन छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तेलमोचो से भतुआ जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से बालू परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। जांच के दौरान दोनों वाहनों के चालकों से बालू ढुलाई से संबंधित वैध कागजात की मांग की गई, लेकिन वे आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर चास मुफस्सिल थाना को सुपुर्द कर दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं खनिजों की तस्करी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस छापामारी अभियान में खान निरीक्षक अजय कुमार महतो, चास मुफस्सिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल तथा पुलिस बल के जवान शामिल थे। खान निरीक्षक श्री महतो ने बताया कि अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध जिलेभर में नियमित रूप से अभियान चलाया जाएगा तथा कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

बोकारो में कोचिंग संस्थानों का फायर ऑडिट, सुरक्षा मानकों की हुई जांच

बोकारो : बोकारो नगर के हृदयस्थली सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित विभिन्न कोचिंग संस्थानों का बुधवार को सिटी डीएसपी के नेतृत्व में फायर ऑडिट सह औचक निरीक्षण किया गया। संयुक्त जांच टीम में झारखंड अग्निशमन विभाग के अधिकारी भी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के कई कोचिंग संस्थानों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास द्वारों, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन की गहन जांच की गई। साथ ही किसी भी आपदा की स्थिति में छात्रों की सुरक्षित निकासी व्यवस्था का भी मूल्यांकन किया गया। जांच के दौरान कुछ संस्थानों में सुरक्षा संबंधी कमियां पाई गईं। इन कमियों की विस्तृत जांच झारखंड अग्निशमन विभाग द्वारा की जा रही है, जिसके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। बोकारो पुलिस एवं अग्निशमन विभाग ने सभी कोचिंग संचालकों को अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने, अग्निशमन उपकरणों को हमेशा कार्यशील रखने तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां बनाए रखने का निर्देश दिया।

बीएसएल को मिला 'सर्वश्रेष्ठ लर्निंग एंड डेवलपमेंट पुरस्कार'

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग ने सेल के एलएंडडी सम्मेलन "ज्ञान उत्सव 2.0" के अंतर्गत आयोजित एचआर-एलएंडडी इनिशिएटिव्स प्रतियोगिता 2025-26 में प्रथम स्थान प्राप्त कर "सर्वश्रेष्ठ लर्निंग एंड डेवलपमेंट पुरस्कार" हासिल किया है। यह प्रतियोगिता 19 जून 2026 को मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट , रांची द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई थी, जिसमें सेल की सभी इकाइयों ने भाग लिया। "ड्राइविंग परफॉर्मेंस थ्रू लर्निंग" विषय पर आधारित प्रतियोगिता में बीएसएल के एजीएम (एचआर-एलएंडडी) अमित आनंद और राकेश बाबू वेलपुरी ने डिजिटल लर्निंग, नेतृत्व विकास, कौशल उन्नयन एवं कर्मचारी क्षमता निर्माण से जुड़ी नवाचारपूर्ण पहलों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। 23 जून को एमटीआई, रांची में आयोजित "ज्ञान उत्सव 2.0" के उद्घाटन समारोह में सेल के निदेशक (कार्मिक) के.के. सिंह ने बीएसएल की मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) नीता बा को यह पुरस्कार प्रदान किया। यह उपलब्धि बीएसएल की सतत सीखने और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

जल, जंगल और जमीन संरक्षण को लेकर स्वयंसेवी संस्थाओं ने बनाई रणनीति, 30 पंचायतों में होगा काम

बोकारो : सारथी नेटवर्क बोकारो की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को जैनामोड़ स्थित प्रदान कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और जल, जंगल, जमीन संरक्षण तथा ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में पांचसूत्रा फाउंडेशन के गुलाबचंद ने बताया कि जिले की 30 चयनित पंचायतों में स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार एक्शन प्लान को अब जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा। वहीं प्रदान, रांची के सौरव दत्त ने जलवायु परिवर्तन और जस्ट ट्रांजिशन को लेकर चल रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की। दिव्यार्थी संस्था के अंजनी कुमार सिन्हा ने अमृत कृषि मॉडल की सफलता पर प्रकाश डाला। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि कोयला प्रभावित और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के सहयोग से चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। बैठक में आगामी तीन महीनों का माइक्रो प्लान भी तैयार किया गया, जिसके आधार पर विकासात्मक गतिविधियां संचालित होंगी।

संक्षिप्त डायरी

भारत तिवारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर पटना में निकला कैंडल मार्च

पटना (एजेंसी) भारत तिवारी एनकाउंटर मामले की निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग को लेकर मंगलवार की शाम पटना जिले के मसौढ़ी में विशाल कैंडल मार्च निकाला गया. इस मार्च में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और आम लोगों ने भाग लिया. सामाजिक कार्यकर्ता और NGO अमर शहीद विपिन सिंह फाउंडेशन के राष्ट्रीय प्रेसिडेंट रणविजय सिंह चौहान ने कहा न्याय मिलने तक परिवार के साथ है. भारत तिवारी एनकाउंटर मामले की निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग को लेकर मंगलवार की शाम पटना जिले के मसौढ़ी में विशाल कैंडल मार्च निकाला गया. सामाजिक कार्यकर्ता और NGO अमर शहीद विपिन सिंह फाउंडेशन के राष्ट्रीय प्रेसिडेंट रणविजय सिंह चौहान ने कहा न्याय मिलने तक परिवार के साथ है. इस मार्च में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और आम लोगों ने भाग लिया. लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर भारत तिवारी को न्याय दिलाने की मांग उठाई और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की. कपूरीं चौक से मसौढ़ी स्टेशन तक निकला कैंडल मार्च अमर शहीद बिपिन सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कैंडल मार्च मसौढ़ी के कपूरीं चौक से शुरू हुआ. मार्च में शामिल लोग विभिन्न मार्गों से होते हुए मसौढ़ी स्टेशन पहुंचे. इस दौरान पूरे रास्ते न्याय और सत्य के समर्थन में नारे लगाए गए. कैंडल मार्च में शामिल लोगों ने कहा कि भारत तिवारी मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए. प्रदर्शनकारियों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए. मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया गया. लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर भारत तिवारी को श्रद्धांजलि दी और न्याय की मांग को मजबूत करने का संदेश दिया. कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और शांति बनाए रखी गई. न्याय के लिए एक कदम, सत्य के लिए एक आवाज कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि न्याय और पारदर्शिता की मांग करना है. उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को न्याय के लिए एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए. कैंडल मार्च में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया. आयोजकों ने कहा कि लोगों की बड़ी भागीदारी यह दशार्ती है कि मामले को लेकर आम जनता में गंभीर चिंता और न्याय की अपेक्षा है. अमर शहीद बिपिन सिंह फाउंडेशन ने किया आयोजन इस कार्यक्रम का आयोजन अमर शहीद बिपिन सिंह फाउंडेशन द्वारा किया गया. आयोजकों ने कहा कि भारत तिवारी मामले में निष्पक्ष जांच और न्याय मिलने तक उनकी आवाज उठती रहेगी.

40 डिग्री के पार पहुंचा तापमान, उमस और गर्मी से लोग बेहाल, जानें कब होगी बारिश

पटना (एजेंसी) मिजाज लगातार बेहद गर्म और शुष्क बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से शहर में लगातार बढ़ रही उमस और के कारण लोगों के पसीने छूट रहे हैं। मौसम विभाग के ताजा के अनुसार, अगले तीन दिनों तक शहरवासियों को इस पटना. बिहार की राजधानी पटना में का मिजाज लगातार बेहद गर्म और शुष्क बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से शहर में लगातार बढ़ रही उमस के कारण लोगों के पसीने छूट रहे हैं। मौसम विभाग के के अनुसार, अगले तीन दिनों तक शहरवासियों को इस चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मौसम के आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले चार दिनों में दो दिन शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया है। सोमवार को हालांकि पटना में 11.4 एमएम बारिश हुई थी, लेकिन इसके बावजूद मौसम के मिजाज में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। बारिश के बाद उमस और अधिक बढ़ गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार की बात करें तो दोपहर बाद से ही देर शाम तक गर्म हवा के थपेड़ों ने आम जनजीवन को खासा प्रभावित किया। मंगलवार को पटना शहर में अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले तीन दिनों तक शहर के लोगों को उमस भरी गर्मी का यह टॉर्चर इसी तरह सहना पड़ेगा। तीन दिनों के बाद ही मौसम के करवट बदलने की संभावना है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि 27 जुलाई के आसपास आसमान में बादल छाए रहने और गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं। इस झमाझम बारिश के बाद ही शहरवासियों को बढ़ती गर्मी से असली राहत मिल सकेगी।

बिहार में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के 6 ठिकानों पर एडव की रेड, पटना से दिल्ली तक चल रही छापेमारी

पटना (एजेंसी) पटना के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर पवन कुमार के ठिकानों पर ईओयू ने शिकंजा कसा. इंजीनियर के 6 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है. पटना से दिल्ली तक यह कार्रवाई की जा रही है. मामला आय से अधिक संपत्ति से जुड़ा है. पटना से मनोज कुमार की रिपोर्ट बिहार में एक और भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ ईओयू ने एक्शन लिया. सुपरिटेंडेंट इंजीनियर पवन कुमार के ठिकानों पर टीम ने दबिश दी. ईओयू की टीम आय से अधिक संपत्ति के मामले में 6 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी के लिए पहुंची. बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पटना से दिल्ली तक हो रही है. ईओयू थाने में मामला दर्ज पूरे मामले के बारे में बताया जा रहा है कि सुपरिटेंडेंट इंजीनियर पवन कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला ईओयू थाने में दर्ज किया गया था. इसके बाद कोर्ट से परमिशन मिलने के बाद 6 अलग-अलग ठिकानों पर पुलिस उपाधीक्षक और पुलिस निरीक्षक के पदाधिकारियों के नेतृत्व में तलाशी की कार्रवाई की जा रही है. इतने करोड़ की संपत्ति अर्जित करने का आरोप जानकारी के मुताबिक, पवन कुमार पर 3 करोड़ 89 लाख से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है. यह संपत्ति उनके वास्तविक संपत्ति से 103.94 प्रतिशत अधिक है. प्रथम दृष्टया मामला सही पाए जाने पर 6 ठिकानों पर रेड चल रही है. इसमें पटना में पटना के श्री कृष्णापुरी के यमुना अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर इ-, पटना के कार्यालय और भागलपुर आनंदगढ़ कॉलोनी तिलकामांझी स्थित मकान में छापेमारी चल रही है. दिल्ली में यहां हो रही छापेमारी यह कार्रवाई पटना के अलावा दिल्ली में भी चल रही है. दिल्ली में नोएडा सेक्टर 75 स्थित फ्लैट, एक आवासीय ठिकाना और नई दिल्ली द्वारका सेक्टर 10 स्थित फ्लैट पर रेड चल रही है. पुलिस की ओर से बताया गया है कि कार्रवाई खत्म होने के बाद ही मामले में पूरी जानकारी दी जाएगी. ऐसे में देखना होगा छापेमारी के दौरान क्या कुछ बरामद होते हैं.

बिहार में अब मेरिट पर मिलेगा शिक्षकों को ट्रांसफर, जानिए नई शिक्षा नीति में और क्या-क्या

पटना (एजेंसी) बिहार में शिक्षकों की नई ट्रांसफर नीति तैयार कर ली गई है. जल्द ही इसे कैबिनेट से मंजूरी मिलने की संभावना है. नई ट्रांसफर नीति को लेकर कहा जा रहा है कि पहली बार शिक्षकों को मेरिट के आधार पर ट्रांसफर किया जा रहा है. बिहार के शिक्षकों के लिए बड़ी राहत की खबर है. राज्य सरकार जल्द ही नई शिक्षक ट्रांसफर नीति लागू कर सकती है. शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर पॉलिसी का मसौदा तैयार कर लिया है और अब इसे कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार है. माना जा रहा है कि अगली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है. इसके बाद जुलाई महीने में शिक्षकों के ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. शिक्षकों को मिलेगा 30 ऑप्शन नई नीति के तहत शिक्षकों को अपने पसंदीदा स्कूलों में ट्रांसफर के लिए 30 ऑप्शन चुनने का मौका मिलेगा. विभाग का उद्देश्य शिक्षकों की समस्याओं को कम करना और उन्हें बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है. चयनित विकल्पों और उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर शिक्षकों की पोस्टिंग की जाएगी. इस बार मेरिट को भी बनाया जाएगा आधार पहली बार ऐसा होगा जब ट्रांसफर प्रक्रिया में मेरिट को भी अहम आधार बनाया गया है. अगर किसी स्कूल में निर्धारित संख्या से अधिक शिक्षक ट्रांसफर के लिए आवेदन करते हैं,

सम्राट सरकार ने की बड़ी कारवाई, जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश शर्मा को हटाकर पंकज मिश्रा को दी जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी) भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में सरकार और पुलिस प्रशासन की जमकर किरकिरी हो रही है। विपक्ष के साथ-साथ सरकार में बैठे लोग भी इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। ऐसे में आननफानन में सरकार ने एसडीपीओ के रूप में नए पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी है। भोजपुर के बिलौटी गांव में हुए बहुचर्चित भरत भूषण तिवारी कथित एनकाउंटर मामले में सम्राट सरकार ने एक और बड़ी और कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। घटना के बाद से ही लगातार चौतरफा दबाव और जनता के भारी आक्रोश का सामना कर रहे जगदीशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार शर्मा को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया गया है। गृह विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के तहत एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को अगले आदेश तक के लिए बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना में संबद्ध कर दिया गया है। इसे पुलिस महकमे में एक बड़ी दंडात्मक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। पंकज कुमार मिश्रा को सौंपी गई जगदीशपुर की कमान राजेश कुमार शर्मा को हटाए जाने के बाद सरकार ने जगदीशपुर अनुमंडल की कानून-व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए तेज-तर्रार अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा पर भरोसा जताया है। मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग के साथ-साथ राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, बिहार में तैनात पुलिस उपाधीक्षक पंकज कुमार मिश्रा को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए जगदीशपुर का नया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। मुख्यालय ने दिया आदेश-अविलंब करें योगदान पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक, हटाए गए अधिकारी राजेश कुमार शर्मा को बिना कोई समय गंवाए तत्काल पटना पुलिस मुख्यालय में अपनी योगदान दर्ज कराने को कहा गया है। वहीं दूसरी तरफ नए एसडीपीओ पंकज कुमार मिश्रा को अविलंब जगदीशपुर पहुंचकर पदभार ग्रहण करने और इसकी अनुपालन रिपोर्ट शीघ्र मुख्यालय को सौंपने का सख्त आदेश दिया गया है। भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर की एंट्री, आएंगे आरा; पूछा- सजा कोर्ट देगी या पुलिस? आरोपी अधिकारी पर गिरी गाज भरत तिवारी की मां द्वारा दर्ज कराई गई हत्या की प्राथमिकी में जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को सीधे तौर पर नामजद आरोपी बनाया गया था। इसके बाद से ही उन पर निलंबन या पद से हटाए जाने की तलवार लटक रही थी। सरकार के इस फैसले से साफ है कि एनकाउंटर मामले में अब पुलिस के आला अधिकारियों पर भी गाज गिरनी शुरू हो गई है।

भरत तिवारी एनकाउंटर के विरोध में महापंचायत, हजारों गाड़ियां पहुंचीं, गांव में लगा 'शहीद भरत नगर' का बोर्ड

पटना (एजेंसी) भोजपुर के बिलौटी गांव में भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के विरोध में आयोजित महापंचायत में बड़ी संख्या में लोग जुट रहे हैं. एक हजार से ज्यादा गाड़ियां पहुंच गई हैं. गांव से लेकर हाईवे तक इंसाफ की मांग वाले पोस्टर लगाए गए हैं. वहीं गांव में शहीद भरत नगर का बोर्ड भी लगाया गया है. भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर बुधवार को बिलौटी गांव में महापंचायत का आयोजन किया गया है. गांव से लेकर हाईवे तक भरत तिवारी के पोस्टर लगाए गए हैं. पोस्टरों में उन्हें शहीद बताते हुए न्याय की मांग की गई है. महापंचायत को लेकर सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग गांव पहुंचने लगे. आयोजकों का दावा है कि कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है. दोपहर तक करीब एक हजार से ज्यादा गाड़ियां पहुंच चुकी हैं. हजारों गाड़ियां पहुंची तिरंगा लेकर पहुंचे समर्थक, लगे नारे महापंचायत से पहले कई समर्थक तिरंगा लेकर भरत तिवारी के घर पहुंचे. इस दौरान भरत तिवारी अमर रहे के नारे लगाए गए. कुछ लोगों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी की. गांव में माहौल पूरी तरह आंदोलनकारी नजर आया. विभिन्न जिलों से पहुंचे लोग भरत तिवारी को न्याय दिलाने की मांग करते दिखे. यूपी और बिहार से जुट रहे लोग महापंचायत में उत्तर प्रदेश के कुछ ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधियों के पहुंचने की चर्चा है. भोजपुर के अलावा आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं. जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी पटना से निकल चुके हैं. जल्द ही कार्यक्रम में शामिल होंगे. एनकाउंटर के बाद लगातार बढ़ा विवाद 17 जून को भोजपुर में पुलिस कार्रवाई के दौरान भरत तिवारी की मौत हुई थी. इसके बाद परिजनों ने एनकाउंटर पर सवाल उठाए थे. भरत की मां ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी. मामले में जगदीशपुर एसडीपीओ, शाहपुर थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस दर्ज किया जा चुका है. मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है. वहीं मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने के आदेश दिए हैं. हालांकि जांच किस न्यायिक अधिकारी को सौंपी जाएगी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है. गांव का नाम बदलकर लिखा शहीद भरत नगरमहापंचायत से पहले समर्थकों ने बिलौटी टाड़ इलाके के बोर्ड पर नया नाम लिख दिया. बोर्ड पर शहीद भरत नगरलिखा गया है. समर्थकों का कहना है कि भरत तिवारी ने गांव और बाढ़ पीड़ितों के लिए संघर्ष किया था. इसलिए उनके सम्मान में गांव का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए. भरत तिवारी के भाई चंदन तिवारी ने कहा कि उनके भाई जनता की समस्याओं के लिए संघर्ष कर रहे थे. उन्होंने सरकार से मांग की कि जिन मुद्दों को लेकर भरत आवाज उठा रहे थे, उन्हें जल्द पूरा किया जाए. उन्होंने कहा कि एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए. महापंचायत में उठी न्याय की मांग महापंचायत में शामिल लोगों ने निष्पक्ष जांच, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और बाढ़ प्रभावित गांवों की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई. लोगों का कहना है कि भरत तिवारी जिन मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे थे, उन पर सरकार को तत्काल ध्यान देना चाहिए.

एक झटके में उजड़ गई कई जिंदगियां! मोतिहारी में पिकअप और टेंपो की टक्कर से मचा कोहराम

पटना (एजेंसी) मोतिहारी के छपवा-बेतिया रोड स्थित नयका टोला के पास पिकअप और टेंपो की भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत की सूचना है. आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं. मोतिहारी जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है. छपवा-बेतिया रोड पर नयका टोला के समीप पिकअप और टेंपो के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं. हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए. दुर्घटना के बाद कई यात्री वाहन में फंस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया. मौके पर मची चीख-पुकार हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को वाहन से निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की. सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया. घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है. बताया जा रहा है कि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. पुलिस जुटी जांच में पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है. फिलहाल मृतकों की पहचान और घायलों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है. प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की गई है. अस्पताल में जुटे परिजन घटना की जानकारी मिलते ही घायलों और मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंचने लगे. अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुटी हुई है. डॉक्टरों की टीम गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज में जुटी है.पुलिस और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. हादसे को लेकर क्षेत्र में शोक का माहौल है.

भरत भूषण तिवारी हत्याकांड के विरोध में 25 जून को गया जी में निकलेगा आक्रोश मार्च, पुलिस पर गंभीर आरोप

पटना (एजेंसी) गया जी में भरत भूषण तिवारी हत्याकांड के विरोध में 25 जून को आजाद पार्क से आक्रोश मार्च निकाला जाएगा. सवर्ण संघर्ष मोर्चा ने न्याय और निष्पक्ष जांच की मांग की है. गया जी में समाजसेवी भरत भूषण तिवारी की हत्या को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है. विष्णुपद मंदिर प्रांगण में आयोजित सवर्ण संघर्ष मोर्चा की बैठक में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने घटना पर गहरा शोक और आक्रोश व्यक्त किया. बैठक में 25 जून को आजाद पार्क से आक्रोश मार्च निकालने का निर्णय लिया गया. बैठक में क्या हुआ? विष्णुपद मंदिर प्रांगण में आयोजित बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों और सवर्ण समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इस दौरान भरत भूषण तिवारी की हत्या के मामले पर चर्चा की गई और घटना की निंदा करते हुए कई प्रस्ताव पारित किए गए. हत्या मामले को लेकर क्या मांग उठी? बैठक में मौजूद सदस्यों ने मांग की कि मामले में संलिप्त दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए. साथ ही पूरे मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी की गई. कब और कहां निकलेगा आक्रोश मार्च? बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भरत भूषण तिवारी को न्याय दिलाने और उनके सम्मान में 25 जून की शाम आक्रोश मार्च निकाला जाएगा. यह मार्च गया के आजाद पार्क से शुरू होगा. आयोजकों का कहना है कि आक्रोश मार्च का उद्देश्य हत्या मामले में न्याय की मांग को प्रमुखता से उठाना और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराने के लिए जनसमर्थन जुटाना है. समाज के लोगों ने क्या प्रतिक्रिया दी? बैठक में मौजूद लोगों ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मामले की पारदर्शी जांच होनी चाहिए. उन्होंने प्रशासन से दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की. 25 जून को प्रस्तावित आक्रोश मार्च के माध्यम से संगठन अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाएगा. वहीं मामले की जांच और कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ ही स्थिति स्पष्ट होगी.

पटना में अब चलती ट्रेन में भी बुक करा सकेंगे कंफर्म बर्थ, यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

पटना (एजेंसी) पटना समेत दानापुर मंडल के रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिलने वाली है. अब चलती ट्रेन में भी खाली होने वाली कंफर्म बर्थ की ऑनलाइन बुकिंग की जा सकेगी. टीटीई द्वारा एचएचटी में खाली सीट अपडेट करते ही उसका ब्योरा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर दिखाई देने लगेगा. यात्री यात्रा के दौरान भी उपलब्ध सीट बुक कर सकेंगे. पटना से आनंद तिवारी की रिपोर्ट पटना समेत दानापुर मंडल से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है. अब यात्री उन ट्रेनों में भी कंफर्म बर्थ बुक करा सकेंगे जो अपने प्रारंभिक स्टेशन से रवाना हो चुकी होंगी. रेलवे बोर्ड के निर्देश पर पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल ने इस नई सुविधा को लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है. एचएचटी अपग्रेड होने से मिलेगी सुविधा रेलवे की ओर से टीटीई को दिए गए एचएचटी (हैंड हेल्ड टर्मिनल) को अपग्रेड किया जा रहा है. चेकिंग के दौरान टीटीई को एचएचटी में यह दर्ज करना होगा कि कौन सा यात्री यात्रा पर नहीं आया और कौन सी सीट खाली है. जानकारी अपडेट होते ही खाली सीटों का ब्योरा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर दिखाई देने लगेगा. खाली सीटों की ऑनलाइन होगी बुकिंग नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्री यात्रा के दौरान भी उपलब्ध खाली सीटों को ऑनलाइन बुक कर सकेंगे. यदि किसी स्टेशन से यात्री ट्रेन में चढ़ना चाहता है और सीट उपलब्ध है तो वह सीधे आईआरसीटीसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से कंफर्म बर्थ बुक कर सकेगा. अभी वेटिंग और आरएसी यात्रियों को मिलती है सीट वर्तमान व्यवस्था में ट्रेन में खाली होने वाली सीटें पहले वेटिंग और आरएसी टिकट वाले यात्रियों को आवंटित की जाती हैं. दानापुर मंडल के एक वरिष्ठ टीटीई के अनुसार किसी यात्री के यात्रा नहीं करने पर सीट को एचएचटी में रिक्त दर्ज किया जाता है. नई प्रणाली में यही जानकारी तुरंत ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएगी. बुकिंग होते ही टीटीई को मिलेगा अलर्ट रेलवे की नई व्यवस्था के तहत जैसे ही कोई यात्री खाली सीट बुक करेगा, उसकी जानकारी टीटीई के एचएचटी में दिखाई देगी. इससे सीट आवंटन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज होगी. यात्रियों को स्टेशन पर या ट्रेन में सीट के लिए भटकना नहीं पड़ेगा. काम हुआ पूरी तरह पेपरलेस रेलवे अधिकारियों के अनुसार एचएचटी डिवाइस के जरिए टीटीई का काम अब पूरी तरह पेपरलेस हो चुका है. इस डिवाइस के माध्यम से टिकट जांच, सीट आवंटन और यात्रियों की जानकारी का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से रखा जा रहा है. यात्रियों को होगा सीधा फायदा दानापुर मंडल के सीनियर डीसीएम अभिनव सिद्धार्थ ने बताया कि यह सुविधा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की जा रही है. यदि कोई यात्री किसी कारण से यात्रा नहीं करता है तो उसकी सीट को तुरंत सिस्टम में अपडेट कर दिया जाएगा. इसके बाद खाली सीट को अन्य यात्री ऑनलाइन बुक कर सकेंगे. दानापुर मंडल के सभी टीटीई को एचएचटी उपलब्ध करा दिया गया है.

खज्जियार पर्यटन स्थल को ऐसे ही नहीं कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक छोटा लेकिन अत्यंत मनमोहक पर्यटन स्थल है, जिसे अक्सर भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। समुद्र तल से लगभग 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान देवदार और चीड़ के घने जंगलों, हरे-भरे घास के मैदानों और एक सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं।

खज्जियार का सौंदर्य

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है, जिसके बीचों-बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते हैं। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

क्यों कहा जाता है फभारत का मिनी स्विट्ज़रलैंडफ?

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र ने खज्जियार की प्राकृतिक समानता को देखते हुए इसे फमिनी स्विट्ज़रलैंडफ की उपाधि दी थी। उन्होंने यहाँ एक पत्थर भी स्थापित किया जो यह दर्शाता है कि खज्जियार स्विट्ज़रलैंड से कितनी दूरी पर स्थित है।

खज्जियार में करने योग्य गतिविधियाँ

- प्राकृतिक दृश्यावली की फोटोग्राफी
- खुले मैदानों में पिकनिक और परिवार के साथ समय बिताना
- एडवेंचर खेलों का आनंद लेना
- मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा
- आसपास के ट्रेकिंग मार्गों की खोज

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून – गर्मियों में सुहावने मौसम और हरियाली का आनंद लेने के लिए।

सितंबर से नवंबर – साफ आसमान और शांत वातावरण के लिए।

दिसंबर से फरवरी – बर्फबारी देखने और ठंड का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श समय।

कैसे पहुँचे?

निकटतम शहर- डलहौजी (लगभग 22 किमी)

रेल मार्ग- पठानकोट रेलवे स्टेशन, जहाँ से टैक्सी या बस द्वारा खज्जियार पहुँचा जा सकता है।

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा गग्गल (कांगड़ा) है, जो लगभग 120 किमी दूर है।

सड़क मार्ग- डलहौजी, चंबा और धर्मशाला से बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। खज्जियार उन यात्रियों के लिए स्वर्ग समान है जो प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यहाँ की शांत वादियाँ, हरे मैदान और पवित्र स्थल आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चाहे आप फोटोग्राफी के शौकीन हों, रोमांच के प्रेमी हों या शांति की तलाश में हों — खज्जियार हर किसी के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

प्रमुख आकर्षण

1. खज्जियार झील

खज्जियार के केंद्र में स्थित यह छोटी सी झील यहाँ का प्रमुख आकर्षण है। झील के चारों ओर फैला मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और शांत समय बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

2. खज्जी नाग मंदिर

यह प्राचीन मंदिर 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था और भगवान खज्जी नाग को समर्पित है। यह मंदिर लकड़ी की नक्काशी और पौराणिक कथाओं से जुड़ी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

3. एडवेंचर स्पोर्ट्स

खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, जोरबिंग, घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी की जा सकती हैं, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

4. खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य

प्राकृतिक प्रेमियों के लिए यह अभयारण्य एक शांत और सुरम्य स्थल है जहाँ वन्य जीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

हैदराबाद में बारिश के बाद इन जगहों को देखकर हो जाएंगे खुश, जन्नत में आने का होगा एहसास

अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

आजकल के सोशल मीडिया के दौर में लोगों को घूमने के साथ ही अच्छी-अच्छी वीडियो और तस्वीरें बनाने का शौक होता है। इसी वजह से लोग ऐसी जगहों की तलाश करते हैं, जहां का नजारा काफी अच्छा हो और वह उनकी वीडियो या तस्वीर में चार चांद लगा सकें। वहीं बारिश के बाद लोगों को घूमना अधिक पसंद होता है, क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुकूनदायक हो जाता है। ऐसे में अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

गोलकोंडा किला

बारिश के बाद हैदराबाद की असली खूबसूरती को देखने के लिए आप गोलाकोंडा किला जा सकते हैं। यह हैदराबाद में पर्यटकों द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह है। यहां पर आपको हमेशा पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन जब आप बारिश के समय यहां पर आएंगे, तो आपको ज्यादा लोग नहीं मिलेंगे। साथ ही आपको इस दौरान यहां पर खूबसूरत नजारों के साथ वीडियो बनाने के मौका मिलेगा। कपल्स और बच्चों के लिए भी यह एक अच्छी जगह है।

हुसैन सागर झील

यहां का साफ मौसम पर्यटकों को हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन बारिश के मौसम में यहां पर नजारा देखने लायक होता है। जब हुसैन सागर झील में जब पानी की बूंदे गिरती हैं, तो यह अधिक खूबसूरत लगता है। वहीं बारिश के बाद यहां का मौसम बहुत ठंडा हो जाता है। इसलिए अगर आप हैदराबाद घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको हुसैन सागर झील को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

मौला अली हिल

हैदराबाद में मौला अली हिल बारिश के मौसम में काफी खूबसूरत हो जाता है। यहां से आपको पूरे हैदराबाद का नजारा बेहद हसीन दिखता है। वहीं सबसे अच्छी बात यह है कि आपको यहां पर ज्यादा भीड़ नहीं मिलेगी।

भारत की विरासत को करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं।

जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के उन विरासत स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में काफी कम लोग जानते हैं।

तेलहरा

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है। रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था। यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने-फिरने और एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत-प्रेत होने का दावा करते हैं।

केसरिया स्तूप

बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा-केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

सिर्फ 15 मिनट में घर पर बनाएं स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर

अगर आपको चिली पनीर बहुत पसंद है और आप सोचते हैं कि इसे सिर्फ होटल या रेस्टोरेंट में ही खाया जा सकता है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सिर्फ 15 मिनट में स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर घर पर बना सकते हैं। यह रेसिपी झटपट बन जाती है और स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

चिली पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीर – 200 ग्राम (क्यूब्स में कटा हुआ)
शिमला मिर्च – 1 (लंबी स्लाइस में कटी हुई, हरी/लाल/पीली कोई भी)
प्याज – 1 (पेटल्स में कटी हुई)
हरी मिर्च – 2 (लंबाई में कटी हुई)
लहसुन – 5-6 कलियां (बारीक कटा हुआ)
अदरक – 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)
तले जाने के लिए
कॉर्नफ्लोर – 2 बड़े चम्मच

मैदा – 2 बड़े चम्मच
नमक – स्वाद अनुसार
काली मिर्च – ड्ड छोटा चम्मच
पानी – थोड़ा सा (घोल बनाने के लिए)
तेल – तलने के लिए
सॉस के लिए:
सोया सॉस – 1 बड़ा चम्मच
टमाटो सॉस – 2 बड़े चम्मच
रेड चिली सॉस – 1 बड़ा चम्मच
सिरका – 1 छोटा चम्मच
शक्कर – ड्ड छोटा चम्मच (वैकल्पिक)
नमक – स्वाद अनुसार
चिली पनीर बनाने की विधि

1. एक बाउल में कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक, और काली मिर्च डालें। थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। पनीर क्यूब्स को इस घोल में अच्छे से डुबोएं।
2. कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। फ्राई किए हुए पनीर को एक पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।
3. एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। उसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें। 1 मिनट तक भूनें। अब प्याज और शिमला मिर्च डालें और तेज़ आंच पर 2-3 मिनट भूनें। (सब्जियां क्रंची रखें)
4. अब इसमें सोया सॉस, टमाटो सॉस, रेड चिली सॉस, सिरका और थोड़ी सी शक्कर डालें। स्वाद अनुसार नमक डालें और सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। 2 चम्मच पानी मिलाएं ताकि हल्की ग्रेवी बने।
5. अब फ्राई किया हुआ पनीर इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें। 1-2 मिनट तक तेज आंच पर पकाएं ताकि सॉस अच्छे से पनीर पर कोट हो जाए। इस चिली पनीर को आप हॉट सर्व करें।

फीफा विश्व कप : पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से रौंदा, रोनाल्डो ने दागे दो गोल

एजेंसी

ह्यूस्टन : पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मंगलवार को दो गोल दागकर अपनी टीम को फीफा विश्व कप 2026 में उज्बेकिस्तान पर 5-0 की एकतरफा जीत दिलाई। इस शानदार जीत के साथ पुर्तगाल नॉकआउट चरण में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने मुकाबले के छठे मिनट में गोल कर इतिहास रच दिया। वह विश्व फुटबॉल के पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने छह अलग-अलग विश्व कप अभियानों में गोल करने का कारनामा किया है। उनका यह सफर 2006 विश्व कप से शुरू हुआ था।

रोनाल्डो ने गोल करने के बाद अपना प्रसिद्ध सियू उत्सव मनाया और स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों का अभिवादन किया।

इसके बाद नूनो मेंडेस ने 17वें मिनट में फ्री किक पर गोल कर पुर्तगाल की बढ़त 2-0 कर दी। रोनाल्डो ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागकर टीम को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ उनके विश्व कप में कुल 10 गोल हो गए, जो किसी भी पुर्तगाली खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक गोल हैं।

उज्बेकिस्तान की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती नजर आई। इटली के पूर्व विश्व कप विजेता फाबियो कानावारो के मार्गदर्शन में खेल रही टीम पुर्तगाल के आक्रामक खेल का मुकाबला नहीं कर सकी।

पहले हाफ में ही पुर्तगाल को चौथा गोल मिला, जब एक कॉर्नर के दौरान गेंद उज्बेकिस्तान के गोलकीपर अब्दुवोखिद नेमातोव से टकराकर गोल में चली गई और आत्मघाती गोल दर्ज हुआ।

दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने दबाव बनाए रखा और 87वें मिनट में राफाएल लेआओ ने शानदार गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया।

मुकाबले के बाद रोनाल्डो ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। लेकिन मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण टीम का प्रदर्शन और हमारा आत्मविश्वास है। टीम ने शानदार खेल दिखाया और पिछले मैच की तुलना में काफी सुधार किया। व्यक्तिगत रिकॉर्ड अच्छे लगते हैं, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा राष्ट्रीय टीम को उसके उद्देश्यों तक पहुंचाने में मदद करना है।

पुर्तगाल ने अपने पहले मैच में लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो के खिलाफ 1-1 की निराशाजनक बराबरी खेली थी, लेकिन इस जीत के साथ उसने दमदार वापसी की है।

अब पुर्तगाल का अंतिम ग्रुप मुकाबला शनिवार को कोलंबिया के खिलाफ होगा। वहीं कोलंबिया ने अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया था।

मुन्योज के गोल से कोलंबिया नॉकआउट चरण में, डीआर कांगो को 1-0 से हराया

न्यूयॉर्क : डेनियल मुन्योज के दूसरे हाफ में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-के मुकाबले में बुधवार को डीआर कांगो को 1-0 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। लगातार दूसरी जीत के साथ कोलंबिया ने छह अंक जुटा लिए और एक मैच शेष रहते नॉकआउट चरण का टिकट हासिल कर लिया। मुकाबले में कोलंबिया ने शुरूआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके भी बनाए, लेकिन डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेम्स रोड्रिगेज, लुइस डियाज और जॉन एरियास के प्रयासों को विफल कर दिया। पहले हाफ में कोलंबिया को बढ़त नहीं मिल सकी और डीआर कांगो की रक्षापंक्ति लगातार दबाव झेलते हुए भी गोल बचाने में सफल रही। आखिरकार 76वें मिनट में कोलंबिया को सफलता मिली।

घाना की मजबूत रक्षा के आगे बेबस हुआ इंग्लैंड, खेला गोलरहित ड्रॉ

मैसाचुसेट्स : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एल मुकाबले में घाना ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ियों के कई प्रयास घाना की सुदृढ़ रक्षा पंक्ति के सामने नाकाम रहे। हैरी केन और जूड बेलिंगहम की अगुवाई में इंग्लैंड ने पूरे मैच में आक्रमण करने की कोशिश की, लेकिन घाना के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल दिखाते हुए कोई मौका नहीं दिया। इस ड्रॉ के साथ घाना के दो मैचों में चार अंक हो गए हैं और वह केवल बेहतर गोल अंतर के आधार पर इंग्लैंड से पीछे है। इंग्लैंड को मैच जीतने का सबसे बड़ा अवसर निर्धारित समय के अंतिम क्षणों में मिला। स्थानापन्न खिलाड़ी निको ओह्लराइली ने दाएं छोर से आए क्रॉस पर शानदार हेडर लगाया, लेकिन गेंद गोलपोस्ट से टकराकर वापस आ गई। इसके बाद मिले मौके पर हैरी केन भी गेंद को गोल में नहीं पहुंचा सके और उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड के मुख्य प्रशिक्षक थॉमस टुखेल ने आक्रामकता बढ़ाने के लिए मॉर्गन रोजर्स और एबेरेची एजे को मैदान पर उतारा, लेकिन इससे भी टीम के खेल में कोई खास बदलाव नहीं आया। घाना की टीम ने पूरे मुकाबले में संयमित खेल दिखाया और इंग्लैंड के लगातार हमलों को विफल करते हुए महत्वपूर्ण एक अंक हासिल किया।

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया की लगातार चौथी जीत, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

एजेंसी

लीड्स : एलिस पेरी की शानदार अर्धशतकीय पारी और घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार देर रात महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में पाकिस्तान को 113 रन से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली है, जबकि पाकिस्तान को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत झटके के साथ हुई जब बेथ मूनी बिना खाता खोले आउट हो गईं, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट शामिल रहे। जॉर्जिया वोल ने 39 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से नशरा संधू और सादिया इकबाल ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से नहीं रोक सकीं। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरूआत बेहद खराब रही। दूसरे ही ओवर में गुल फिरोजा रन आउट हो गईं। पाकिस्तान की पारी में कुल तीन बल्लेबाज रन आउट हुए, जिससे टीम कभी मुकाबले में लौट नहीं सकी। मुनीबा अली ने 32 रन और फातिमा सना ने 17 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। एलिस पेरी ने बल्ले के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया और केवल एक ओवर में 9 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। सोफी मोलिन्यू ने 6 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने भी दो सफलताएं हासिल कीं। पाकिस्तान की टीम 86 रन पर ढेर हो गई और ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 113 रन से जीत लिया। अब ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला भारत से होगा, जबकि पाकिस्तान अपनी पहली जीत की तलाश में नीदरलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगा।

संक्षिप्त स्कोरः ऑस्ट्रेलिया - 199/7 (20 ओवर) एलिस पेरी 71, जॉर्जिया वोल 39। नशरा संधू 2/33, सादिया इकबाल 2/31। पाकिस्तान - 86 ऑल आउट (13.4 ओवर) मुनीबा अली 32, फातिमा सना 17 सोफी मोलिन्यू 2/6, एलिस पेरी 2/9 परिणामः ऑस्ट्रेलिया 113 रन से विजयी।

स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं नेमार, लेकिन खेलना तय नहीं : कोच अंचेलोटी

एजेंसी

मियामी : ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो अंचेलोटी ने मंगलवार को पुष्टि की है कि स्टार फुटबॉलर नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा या नहीं, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। 34 वर्षीय नेमार को लगभग तीन वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। हालांकि पिंडली की चोट के कारण वह अभी तक इस विश्व कप में मैदान पर नहीं उतर सके हैं। मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अंचेलोटी ने कहा, नेमार उपलब्ध हैं। उन्होंने इस सप्ताह अच्छी तरह अभ्यास किया है और मैच के लिए तैयार हैं। उनकी वापसी से हम बेहद खुश हैं, क्योंकि उनकी गुणवत्ता टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, मैंने उन्हें करीब से जाना है। उन्होंने चोट से जल्द उबरने के लिए बेहद गंभीरता से मेहनत की है। यदि वह मैदान पर नहीं भी उतरते हैं, तब

भी उनका अनुभव और खेल की समझ युवा खिलाड़ियों की मदद करती है। नेमार के खेलने की संभावित अवधि के बारे में पूछे जाने पर अंचेलोटी ने मजाकिया अंदाज में कहा, वह 90 मिनट खेल सकते हैं, लेकिन चलते हुए। वह पूरी तरह फिट हैं और उन्होंने शानदार अभ्यास किया है। ब्राजील ने अपने पहले दो मुकाबलों में मोरक्को से 1-1 की बराबरी की थी और हैती को 3-0 से हराया था। स्कॉटलैंड के खिलाफ जीत मिलने पर टीम अंतिम 32 में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगी। अंचेलोटी ने कहा, पहला मैच हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था, दूसरा उससे बेहतर रहा। हमें विश्वास है कि तीसरा मुकाबला अब तक का सबसे अच्छा होगा। ब्राजील को इस मैच में राफिन्हा की कमी भी खलेगी, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए हैं। हालांकि अंचेलोटी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि उनकी जगह शुरूआती एकादश में कौन खेलेगा। स्कॉटलैंड के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, स्कॉटलैंड एक मजबूत और अनुशासित टीम है। उनके पास अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे संघर्ष करना जानते हैं। विश्व कप में अब कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता, इसलिए हम एक कठिन चुनौती के लिए तैयार हैं।

हॉकी इंडिया ने ब्रिटेन दौरे के लिए की 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया ने 5 से 14 जुलाई तक होने वाले ब्रिटेन दौरे के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। नए मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में टीम स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में कुल सात मुकाबले खेलेगी। यह दौरा आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, विशेषकर जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। टीम की कप्तानी खैदेम शिलेइमा चानू को सौंपी गई है। गोलकीपर के रूप में निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज को टीम में

शामिल किया गया है। दौरे की शुरूआत एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद भारतीय टीम लिलेशॉल राष्ट्रीय खेल केंद्र में अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ मैच खेलेगी। मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट ने टीम चयन और दौरे के महत्व पर कहा, ब्रिटेन दौरा हमारी जूनियर टीम के विकास की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने कई ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें विदेशी टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव नहीं है। ऐसे में यह दौरा खिलाड़ियों और पूरी टीम दोनों के लिए सीखने का बेहतरीन अवसर होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। पिछले दस सप्ताह से जिस खेल शैली पर हमने काम किया है, उसे मैदान पर लागू करने का प्रयास करेंगे। मुझे विश्वास है कि यह दौरा जूनियर एशिया कप की तैयारी के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और इससे हमें अपनी ताकत तथा सुधार की जरूरत वाले क्षेत्रों का बेहतर आकलन करने का अवसर मिलेगा।

भारतीय जूनियर महिला टीम

गोलकीपर : निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज।

डिफेंडर्स : पूजा साहू, सुप्रिया, मधु, एफ. लालबी अक्सियामी, लालनेहपुई, पार्वती टोपनो।

मिडफील्डरः खैदेम शिलेइमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, सुप्रिया कुजूर, पूजा मलिक, बिनिमा धन, गीता यादव, रोशनी आइंद, तनुश्री दिनेश कडू।

फॉरवर्डः सुखवीर कौर, शशि खासा, लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, काजल, सानिका चंद्रकांत माने, कृष्णा शर्मा।

संक्षिप्त खबरें

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप : वंशिका और शिवा ने जीता रजत, भारत शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली : जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत की वंशिका चौधरी और शिवा नरवाल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाल दिया। भारतीय जोड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान संयमित और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंततः रजत पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारत ने प्रतियोगिता में एक और महत्वपूर्ण पदक जोड़ लिया। इस पदक के बाद आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारत की कुल पदक संख्या 16 हो गई है। भारतीय दल के खाते में अब 5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक हैं। व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारतीय निशानेबाजों की निरंतर सफलता ने एक बार फिर विश्व मंच पर देश की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा निशानेबाजों का यह प्रदर्शन भविष्य के लिए उत्साहजनक संकेत है और भारतीय निशानेबाजी की मजबूत प्रतिभा को दर्शाता है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर, टेस्ट में मैट हेनरी ने बुमराह की बराबरी की

नई दिल्ली : भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आईसीसी की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली है। दोनों के 870-870 रेटिंग अंक हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन का गिल को बड़ा फायदा मिला। उन्होंने पहले दो मुकाबलों में 84 और 154 रन की शानदार पारियां खेलीं, जबकि तीसरे मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। ताजा रैंकिंग में गिल अब शीर्ष पर मौजूद न्यूजीलैंड के डैरिल मिचेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान श्रृंखला नहीं खेल सके, जिसके चलते वह एक स्थान नीचे खिसककर तीसरे नंबर पर पहुंच गए। रोहित शर्मा चौथे स्थान पर बरकरार हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि केएल राहुल दो स्थान फिसलकर 11वें स्थान पर आ गए हैं। ईशान किशन ने 21 स्थान की बड़ी छलांग लगाते हुए 43वां स्थान हासिल किया है। गेंदबाजों की रैंकिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। अर्शदीप सिंह 16 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें, प्रसिद्ध कृष्णा 34 स्थान की छलांग लगाकर 58वें और वाशिंगटन सुंदर 17 स्थान ऊपर पहुंचकर संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उधर, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 11 विकेट लेकर इतिहास रच दिया। हेनरी ने टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली। आईसीसी के अनुसार, हेनरी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले केवल तीसरे न्यूजीलैंड खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले यह उपलब्धि जैक काउई (1947) और महान ऑलराउंडर रिचर्ड हैडली (1984-1990) ने हासिल की थी। न्यूजीलैंड के किसी तेज गेंदबाज ने 36 वर्षों बाद टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान प्राप्त किया है। इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जो रूट ने दो स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है।

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर बॉब ब्लेयर का 94 वर्ष की उम्र में निधन

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज बॉब ब्लेयर का बुधवार को उनके 94वें जन्मदिन पर इंग्लैंड में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने उनके निधन की पुष्टि की है। बॉब ब्लेयर ने 1953 से 1964 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट मैच खेले और 35.23 की औसत से 43 विकेट हासिल किए। हालांकि क्रिकेट इतिहास में उन्हें उनके आंकड़ों से ज्यादा उनकी अद्भुत साहसिक कहानी के लिए याद किया जाता है। टांगीवाई रेल दुर्घटना के बाद दिखाई थी अदम्य हिम्मत साल 1953 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग स्थित एलिस पार्क मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच के दौरान ब्लेयर को अपने जीवन का सबसे बड़ा दुख झेलना पड़ा। मैच के दूसरे दिन की सुबह उन्हें पता चला कि उनकी मंगेतर नेरिसा लव क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हुई भीषण टांगीवाई रेल दुर्घटना में मारे गए 151 लोगों में शामिल थीं। इस दुखद समाचार के बाद ब्लेयर होटल में ही रुक गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए मैदान पर वापसी की। न्यूजीलैंड की पारी के दौरान नौवां विकेट गिरने के बाद वह बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरे और घायल बल्लेबाज बर्ट सटक्लिफ का साथ दिया। दोनों ने अंतिम विकेट के लिए 33 रन जोड़े। ब्लेयर ने छह रन बनाए, लेकिन उनकी यह पारी क्रिकेट इतिहास की सबसे प्रेरणादायक घटनाओं में गिनी जाती है। साल 2024 से न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली जाने वाली टेस्ट श्रृंखला टांगीवाई शील्ड के लिए आयोजित की जाती है, जो 1953 की उस त्रासदी और ब्लेयर के साहस को समर्पित है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्राहम पार्क्स ने कहा, बॉब ब्लेयर और टांगीवाई रेल दुर्घटना की कहानी ने न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका दोनों देशों के क्रिकेट इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी है। 1953 में एलिस पार्क टेस्ट के दौरान दिखाई गई उनकी हिम्मत और टीम भावना खेल की महानतम मिसालों में से एक है। उन्होंने कहा कि टांगीवाई शील्ड की शुरूआत करके उस प्रेरणादायक कहानी को सम्मान देना बेहद भावुक क्षण था और इससे ब्लेयर की विरासत हमेशा जीवित रहेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने घोषणा की है कि इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम में गुरुवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड के खिलाड़ी बॉब ब्लेयर को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेंगे।

निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत, 21 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लो

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

राम मंदिर चंदा विवाद- भूपेश बघेल का आरोप, गाजी जैसी लूट मचाई जा रही

रायपुर (एजेंसी)। राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र पर प्रभु राम के नाम पर जनता को लूटने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल की तुलना महमूद गज़नवी से कर कहा कि गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, लेकिन अब ये संगठन राम मंदिर को लूट रहे हैं। कांग्रेस नेता बघेल ने देश में शिक्षा की बदहाली और किसानों की मुश्किलों पर बात की। उन्होंने कहा कि स्कूल बिना सुविधाओं के चल रहे हैं, जिससे बच्चों का भविष्य खतरे में है। किसानों को नकली खाद, खराब मौसम और बढ़ती डीज़ल-पेट्रोल कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे खेती महंगी हो रही है। इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। यादव ने कहा कि इस मामले में जैसे-जैसे नई परतें खुल रही हैं, भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों के बड़े गुनाहों की सच्चाई सामने आ रही है। उन्होंने आशंका जाहिर कि इन मामलों को जांच के बजाय दबाने की कोशिश की जाएगी।

महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण पर बवाल, स्पीकर ने जताया खेद

मुंबई (एजेंसी)। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मानसून सत्र के पहले दिन शोक संदेश पढ़ते समय मराठी शब्दों के गलत उच्चारण पर खेद जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में तकनीकी दिक्कतों और भाषण की स्पष्ट प्रिंटेड कॉपी न होने के कारण हुई थी, और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर नार्वेकर ने कहा, सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोल दिए गए। मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी। जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ। अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं खेद प्रकट करता हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर की यह सफाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई हलकों से मिली तीखी आलोचना के बाद आई है। ठाकरे ने मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते समय मराठी भाषा के गलत उच्चारण को लेकर नार्वेकर की कड़ी निंदा की थी। ठाकरे ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जाहिर की थी कि नार्वेकर ने मशहूर गायक-अभिनेता दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम दीनदयाल मंगेशकर बोला, और सदन में किसी भी विधायक ने इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने इसे आशा भोसले के लिए नहीं, बल्कि मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव करार दिया था। ठाकरे ने कहा था कि अगर नार्वेकर ने यह प्रस्ताव स्वाहिली या हिब्रू में भी दिया होता, तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी मराठी किसी को समझ ही नहीं आ रही थी।

भरत तिवारी एनकाउंटर- बाबा बागेश्वर ने कहा, जो हुआ सही नहीं हुआ

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर में 17 जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को सही नहीं बताया है और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उन्हें तिवारी के बारे में जानकारी मिली है, वह एक हिंदू और सनातनी युवक था जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। उन्हें पता चला है कि भरत ने प्रशासन के सामने

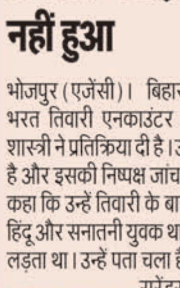

सरेंडर किया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने उस पर गोली चला दी। धीरेंद्र शास्त्री ने पूरे मामले की गहन जांच की वकालत कर कहा कि अगर भरत अपराधी था, तब उस न्यायपालिका से दंड मिलना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मामले की जांच कराने का आग्रह कर कहा कि भगवान ने चाहा तब वह भविष्य में भरत तिवारी के परिवार से मिलूंगा। भरत के परिजनों ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी, क्योंकि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण किया था। भरत की मां की शिकायत पर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ जेश कुमार शर्मा और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष व्याप्त है, भरत के गांव में परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित कर न्याय की मांग की। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के लिए पटना से एसटीएफ की टीम भेजी गई थी और उन्होंने सीधे एडीजी कुंदन कृष्णा पर सवाल उठाकर पूछा कि एसटीएफ को भोजपुर किसने भेजा था। सांसद ने यह भी संकेत दिया कि एसटीएफ भेजने के पीछे मुख्यमंत्री का नाम भी हो सकता है, क्योंकि वाहवाही वही ले रहे हैं। इस फर्जी एनकाउंटर को लेकर अब कानूनी दांवपेंच जारी है।

सुवेंदु के बयान से टीएमसी में हलचल, सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब होगा

ममता पर तंज, जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, वह कैसी जननेता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार और पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार कर भ्रष्टाचार, सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार का मंत्र केवल सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब भी होगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि जनता ने तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाया है और अब पिछली सरकार के दौरान हुए हर भ्रष्टाचार की गहन जांच होगी।

मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में दस्तावेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के नाम पर करी 324 करोड़ 70 लाख रुपये फिक्की को हस्तांतरित किए थे, जिस पर उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी धन इस तरह निजी संस्थाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्मीर भंडार, उज्ज्वला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षाश्री, मेधाश्री, मनरेगा और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं में भारी अनियमितताओं का जिक्र कर पूछा कि आखिर जनता के पैसे को किसने लूटा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और वर्तमान सत्र में ऐसा विधेयक लाएगा, जिसके तहत दोषियों की संपत्तियां जब्त कर उनकी नीलाम कर सके। उन्होंने हरिश मुखर्जी रोड और हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान मकानों में बेघर लोगों को बसाने की बात कहकर ममता और अभिषेक बनर्जी के आवासों की ओर इशारा किया।

सीएम अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भ्रष्टाचार का मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने बीरभूम की पत्थर खदानों का उदाहरण देकर कहा कि उनकी सरकार ने केवल एक महीने में 83 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है, जबकि पिछली सरकार पूरे वर्ष में केवल साठ करोड़ रुपये का राजस्व दिखाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शेष धन कैमैक्स स्ट्रीट के जरिए दुबई पहुंचाया जाता था, और चुनाव से पहले जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक ठेकेदार ने आइपैक को 10 करोड़ रुपये दिए थे। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने ममता के राजनीतिक भविष्य पर टिप्पणी कर कहा कि वह अब कभी सत्ता में नहीं लौटेंगी और उनका राजनीतिक अध्याय समाप्त हुआ है। उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर में उनकी हार का जिक्र कर तंज कसा कि जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, क्या जननेता माना जा सकता है?

इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार के एक अन्य फैसले ने नया राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि कोलकाता नगर निगम क्षेत्र के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन अब इस्कॉन करेगा। इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया कि विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन में अब अंडा शामिल नहीं होगा। इस्कॉन की अन्नमित्र फाउंडेशन के माध्यम से यह योजना लागू की जाएगी और लगभग एक लाख विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस्कॉन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि अंडे के स्थान पर सोया, राजमा, पनीर, दाल, बीन्स और अन्य शाकाहारी प्रोटीन स्रोत भोजन में शामिल किए जाएंगे, जो बच्चों को अंडों से मिलने वाले पोषण के बराबर या उससे अधिक लाभ देने वाले है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि बच्चों से पोषण छीना जा रहा है और उन पर जबरन शाकाहार थोपा जा रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल की विविध भोजन पद्धतियों और बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेन्दु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पश्चिम बंगाल में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तेजी से बदलाव दिखाई देने लगे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है और कट मनी तथा भाइपो टैक्स जैसी अवैध वसूलियों पर पूरी तरह रोक लग चुकी है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अभियान तेज हुआ है तथा विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी चल रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी खजाने का एक-एक पैसा केवल जनता की भलाई और विकास कार्यों के लिए खर्च होगा।

सीएम मान पर सियासी घेराबंदी : वीडियो विवाद में फर्जी रिपोर्ट का खुलासा

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सिख गुरुओं के कथित अपमान से जुड़े वीडियो विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस ने उनके इस्तीफ़े की मांग कर रही है। यह मांग गुरुग्राम पुलिस द्वारा दो लोगों को वीडियो से संबंधित एक फर्जी फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में गिरफ़्तार करने के बाद सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मूल विवादित वीडियो नकली और एआई-निर्मित था। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सीएम मान को सत्ता के नशे में चूर बताया। उन्होंने कहा कि अकाल तख्त साहिब द्वारा वीडियो को नकली और एआई-निर्मित बताए जाने के बाद, मान ने एक झूठी रिपोर्ट पेश की। चुघ ने उन्हें देशद्रोही घोषित कर सीएम पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार न होने की बात कही। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी मान के इस्तीफ़े और सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गुरुग्राम में बैठक कर अपने एजेंडे के हिसाब से रिपोर्ट तैयार करवाना अकाल तख्त के गुरु द्रोही करार देने के फ़ैसले की पुष्टि करता है। गुरुग्राम के एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने पुष्टि की कि पुलिस ने फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को वीडियो में हेरफेर के लिए पंजाब के अधिकारियों से 10 लाख रुपये मिले थे।

नीट विवाद: मल्लिकार्जुन खड़गे ने धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना, इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

खड़गे ने दावा किया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य तबाह हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या की है। खड़गे ने कड़े शब्दों में कहा, 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देकर छात्रों की आवाज़ को आतंकवादी बता रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहे जाने का भी जिक्र किया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में ज़ोर पकड़ेगा और मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को निश्चित रूप से इस्तीफा देना होगा। इससे पहले, एक साक्षात्कार में प्रधान ने जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों को विघटनकारी तत्वों की बी-टीम बताया था। उन्होंने कहा था कि जो लोग लोकतंत्र में नकार दिए गए थे, वे अब भेष बदलकर आए हैं और सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं।

शपथ लेते वक्त देवी-देवता का नाम नहीं ले सकते

-केरल हाईकोर्ट ने कहा- कानून में तय प्रारूप से बाहर नहीं जा सकते जनप्रतिनिधि

-गलत शपथ लेने वालों को दोबारा शपथ का निर्देश

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की शपथ को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि शपथ लेते समय कानून में निर्धारित शब्दों से बाहर नहीं जाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शपथ केवल 'ईश्वर' के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। इसमें किसी देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक संगठन, शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना कानूनन मान्य नहीं है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने यह फैसला तिरुवनंतपुरम नगर निगम और पलक्कड़ जिले की वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कहा कि शपथ का प्रारूप संबंधित कानूनों में स्पष्ट रूप से निर्धारित है और उसमें अपनी ओर से कोई भी अतिरिक्त शब्द जोड़ना वैध नहीं माना जा सकता। मामला उस समय सामने आया जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ के दौरान विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव और राजनीतिक आंदोलनों के शहीदों के नाम लिए। वहीं, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के एक सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट और पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ लेने के केवल दो वैधानिक तरीके हैं। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना और दूसरा, ईश्वर का उल्लेख किए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। कोर्ट ने कहा कि 'ईश्वर' शब्द का अर्थ किसी विशेष देवी-देवता, व्यक्ति, संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शपथ महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान और जनता के प्रति एक गंभीर वचन है। इसलिए शपथ वही मानी जाएगी जो कानून में निर्धारित प्रारूप के अनुसार ली गई हो।

हालांकि अदालत ने संबंधित जनप्रतिनिधियों को राहत देते हुए उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की। कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षदों और वडक्कनचेरी पंचायत सदस्य को चार सप्ताह के भीतर दोबारा वैधानिक तरीके से शपथ लेने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी माना कि संबंधित जनप्रतिनिधियों ने संभवतः यह मानकर ऐसा किया कि उनका तरीका वैध है, इसलिए उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधारक नारायण गुरु की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग भगवान को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं, लेकिन कानूनी शपथ केवल निर्धारित प्रारूप में ही ली जा सकती है।

तकनीकी खराबी : एयर इंडिया का विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसकर लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से अमृतसर जा रहा एयर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में जा घुसा। पाकिस्तानी एयर ट्रैफिक अथॉरिटी (एटीसी) की चेतावनी के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में लौट आया। अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक अधिक होने के चलते विमान को तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली और विमान को दिल्ली वापस भेजा गया, जिसके बाद करीब चार घंटे की देरी से वह मंगलवार तड़के अमृतसर पहुंचा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से विमान अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया। रात 10 बजकर 30 मिनट पर विमान को अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह पाकिस्तान के एयरस्पेस में पहुंच गया। इसके बाद विमान के पायलट को पाकिस्तान एटीसी से मिली चेतावनी के बाद ही इस गलती का एहसास हुआ। इसके तुरंत बाद पायलट ने यू-टर्न लेकर विमान को वापस भारतीय हवाई क्षेत्र में ले आया। हालांकि, तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए ट्रैफिक बढ़ चुका था, जिससे विमान को उतरने की परमिशन नहीं मिली। ऐसी स्थिति में, एयरपोर्ट कंट्रोल रूम के निर्देश पर विमान को वापस दिल्ली भेजा गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। दो घंटे बाद दुबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और मंगलवार तड़के 2 बजकर 20 मिनट पर, करीब चार घंटे की देरी से, सुरक्षित रूप से अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

महुआ बोलीं- मैं पूरी रात रोई तो सिर्फ शुभेंदु ने दिया मेरा साथ

-महुआ के बयान से ममता की बढ़ी चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय तृणमूल कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह उथल-पुथल मची हुई है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी इन दिनों कई मुश्किलों का सामना कर रही हैं। पार्टी के भीतर बागियों की झड़ी लगी है, जहां हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में कुछ नेताओं ने ममता बनर्जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से बेदखल करने की घोषणा तक कर दी। ऐसे मुश्किल दौर में, टीएमसी की फायरब्रांड नेता और ममता की सबसे करीबी सांसदों में गिनी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने मुख्यमंत्री की चिंता बढ़ा दी है। महुआ मोइत्रा ने बीते 22 जून को एक इंटरव्यू में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ की है। मौजूदा समय में महुआ और शुभेंदु एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं, ऐसे में उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। महुआ ने शुभेंदु को एक अच्छा दोस्त बताया और पुराने दिनों को याद किया जब शुभेंदु ने उनकी मदद की थी। महुआ कहती हैं, शुभेंदु मेरे अच्छे दोस्त हैं। जब हम एक पार्टी में थे तो उन्होंने मेरा काफी साथ दिया। उन्होंने याद किया कि जब वह करीमपुर से चुनाव लड़ी थीं, तो सिर्फ शुभेंदु ही उनके लिए प्रचार करने आए थे और उन्हें हर तरह की मदद भेजी थी।

महुआ ने 2014 की घटना का भी जिक्र किया, जब उन्हें लोकसभा का टिकट मिलने वाला था लेकिन नहीं मिला, तब केवल शुभेंदु अधिकारी ही उनके साथ खड़े थे। महुआ ने बताया कि शुभेंदु ने उनसे कहा था, नहीं बहन, मैं हूं न। महुआ इसे भावनात्मक कनेक्शन बताती हैं, हालांकि वह स्वीकार करती हैं कि आज वे अलग-अलग पार्टी में हैं और उनकी बात नहीं होती। यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुभेंदु अधिकारी तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं और ममता के कट्टर आलोचक बन गए हैं। शुभेंदु दिसंबर 2020 में टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

महुआ मोइत्रा साल 2016 में पश्चिम बंगाल की करीमपुर विधानसभा सीट से अपना पहला चुनाव लड़ी थीं और उसमें विजयी भी हुई थीं। उस समय शुभेंदु अधिकारी टीएमसी के एक कद्दावर संगठनकर्ता और नदिया जिले के पार्टी पर्यवेक्षक थे। महुआ उसी दौर की बात कर रही थीं जब संगठन के अन्य नेताओं से पर्याप्त सहयोग न मिलने पर शुभेंदु अधिकारी ने जमीन पर उतरकर उनके लिए चुनाव प्रचार किया था। इसी तरह, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले जब महुआ मोइत्रा कृष्णानगर सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं और टिकट मिलने में संशय था, तब वह भावुक हो गई थीं। उस समय भी शुभेंदु ने एक सीनियर सहकर्मी के नाते उन्हें ढांढस बंधाया था। बाद में महुआ को कृष्णानगर से टिकट मिला और वह जीतकर संसद पहुंचीं। महुआ के इन बयानों को ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ाने वाला माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी में एकता की कमी महसूस की जा रही है।

सिक्किम में बारिश का कहर, भूस्खलन से पश्चिमी जिले का संपर्क टूटा

-ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग कई जगहों पर ध्वस्त, लगातार बारिश से राहत कार्य प्रभावित

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पश्चिमी सिक्किम में कई स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान ग्यालशिंग में 95.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण पहाड़ियों से मलबा और बड़ी-बड़ी चट्टानें सड़कों पर आ गिरीं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

जिलाधिकारी तेनजिंग डेंजोंगपा ने मीडिया को जानकारी दी, कि मंगलवार रात करीब नौ बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। सबसे बड़ा भूस्खलन ग्यालशिंग शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमचुंग क्षेत्र में हुआ। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का अभियान शुरू किया, लेकिन लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्यालशिंग-लेगशिप हाईवे पर कम से कम तीन स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। इनमें ओमचुंग के पास मुख्य भूस्खलन क्षेत्र, उसके नीचे का हिस्सा तथा लेगशिप के निकट एक अन्य स्थान शामिल है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान इस मार्ग पर भूस्खलन की समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। ग्यालशिंग-लेगशिप सड़क पश्चिम सिक्किम के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। इसी मार्ग से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, यात्री

परिवहन और आपातकालीन सेवाओं का संचालन होता है। सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वैकल्पिक मार्गों के अभाव में जिले का संपर्क पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी, देश में दूसरे स्थान पर राज्य- एनसीआरबी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगभग रोजाना सामने आ रही हैं। कई घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं और कानून लागू किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ते अपराधों को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या ये उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दरअसल हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें महाराष्ट्र महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठाया गया। एनसीआरबी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के कुल 47,954 मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य महिला अपराध के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 में बलात्कार के 8,643 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 7,940 मामले सामने आए थे। यानी एक वर्ष में दुष्कर्म की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 में बाल यौन शोषण और अत्याचार के मामलों में 482 मामलों की वृद्धि हुई है, जो समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है। कोल्हापुर परिक्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान महिलाओं पर अत्याचार के 2,362 मामले तथा 4,485 छेड़छाड़ (विनयभंग) के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध इसी क्षेत्र में सामने आए हैं। वहीं, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2022 से 2025 के बीच नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के 641 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। विधानसभा में इस विषय पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बदलापुर और नसरापुर अत्याचार मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 51 भरोसा सेल, 58 फास्ट ट्रैक कोर्ट, दामिनी पथक, हेल्पलाइन सेवाएं तथा विशेष जांच दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शक्ती कानून की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कर नए आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधन भी किए गए हैं। बहरहाल एनसीआरबी की रिपोर्ट ने महाराष्ट्र में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार सुरक्षा उपायों का दावा कर रही है, लेकिन बढ़ते

अपराधों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। बढ़ते अपराधों के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। समाज और प्रशासन दोनों के सामने यह बड़ी चुनौती है कि महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण कैसे उपलब्ध कराया जाए।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**